ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस का राज्यपाल पर भड़का गुस्सा राजभवन चलो अभियान चलाया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 01 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-244

पाकिस्तान के बारे में अमेरिका के पूर्व एनएसए का बेबाक कथन

आईएसआई और आतंकवादी संगठन में कोई फर्क नहीं

वाशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) लेफ्टिनेंट जनरल एचआर मैकमास्टर ने बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) आतंकवादियों के साथ मिली हुई है। आईएसआई और आतंकवादी संगठन में कोई फर्क नहीं। पूर्व एनएसए ने यह भी खुलासा किया कि तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस को इस्लामाबाद को सुरक्षा सहायता रोकने को लेकर विदेश मंत्रालय और पेंटागन से विरोध का सामना करना पड़ा था।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) के रूप में अपने कार्यकाल का विवरण देते हुए मैकमास्टर ने अपनी किताब एट वॉर विद आवरसेल्व्स में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि ट्रंप ने निर्देश दिया था कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना बंद नहीं कर देता, तब तक उसे दी जाने वाली सहायता रोक दी जाएं। इसके बावजूद, तत्कालीन रक्षा मंत्री जिम मैटिस इस्लामाबाद को सैन्य सहायता देने की योजना बना रहे थे, जिसमें 15 करोड़ डॉलर से ज्यादा के बख्तरबंद वाहन शामिल थे। हालांकि, उनके हस्तेक्षप के बाद सहायता रोक दी गई थी।

पाकिस्तान झूठ और धोखे के अलावा कुछ भी नहीं देता

उन्होंने अपनी किताब में लिखा, ट्रंप के कुछ गतिविधियों को रोकने के निर्देशों का पालन करने के लिए राज्य और रक्षा को राजी करना भी मुश्किल था। मुझे पता चला कि दक्षिण एशिया रणनीति के विपरीत (जिसमें कुछ अपवादों के साथ पाकिस्तान को सभी सहायता को निलंबित करने की बात कही गई थी) मैटिस आने वाले हफ्तों में इस्लामाबाद का दौरा करने वाले हैं और एक सैन्य सहायता पैकेज का ऐलान करेंगे, जिसमें 15 करोड़ डॉलर से अधिक के बख्तरबंद वाहन शामिल थे।

मैकमास्टर ने कहा कि जैसे ही उन्हें इस बारे में पता चला उन्होंने मैटिस, सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी की उपनिदेशक जीना हास्पेल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, मैंने इस बात पर गौर करते हुए अपनी बात शुरू की कि राष्ट्रपति ट्रंप कई मौकों पर पाकिस्तानियों को दी जाने वाली सहायता को रोकने के लिए बहुत स्पष्ट रहे हैं, जब तक कि वे अफगानिस्तान में अफगानों, अमेरिकियों और गठबंधन सदस्यों की हत्या करने वाले आतंकवादी संगठनों को समर्थन देना बंद नहीं कर देते। हम सभी ने ट्रंप को यह कहते सुना था कि वह नहीं चाहते कि पाकिस्तान को कोई पैसा जाए।

पूर्व एनएसए ने बताया कि मैटिस ने इस संभावना पर ध्यान दिया कि पाकिस्तान कुछ तरीकों से जवाबी कार्रवाई कर सकता है, लेकिन राजदूत डेविड हेल सहित अन्य लोगों ने, जो इस्लामाबाद से वीडियो के माध्यम से बैठक में शामिल हुए थे, इन चिंताओं को साझा नहीं किया। उन्होंने किताब में कहा है, मैटिस ने रूखे मन से सैन्य सहायता पैकेज रोकने का फैसला लिया। हालांकि, अन्य मदद जारी रही। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बोले पीएम मोदी

महिलाओं के खिलाफ अपराध में तेज फैसले की जरूरत

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य जजों की मौजूदगी में महिला अपराध से जुड़े मामलों को लेकर बड़ा आह्वान किया। पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके खिलाफ होने वाले अपराध के फैसलों में तेजी लाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने बीते दिनों कलकत्ता में लेडी डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्याकांड के संदर्भ में न्यायाधीशों से यह बात कही, हालांकि उन्होंने इस बात पर गहरा संतोष जताया कि कलकत्ता की घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था।

पीएम मोदी ने कहा कि आज के समय में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा समाज के लिए गंभीर समस्या है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई कठोर कानून बने हैं। अब इन कानूनों को सक्रिय करने की जरूरत है। देश की आधी आबादी को सुरक्षित रखने के लिए महिला अत्याचार से जुड़े मामलों के फैसलों में तेजी लाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पीएम मोदी बोल रहे थे। इस दौरान पीएम ने डाक टिकट और सिक्कों का अनावरण भी किया। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के सभी वरिष्ठ जज मौजूद थे। उन सभी के सामने ही पीएम ने महिला सुरक्षा के मामले को लेकर महत्वपूर्ण बातें कही। पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में न्याय में देरी को खत्म करने के लिए कई स्तर पर प्रयास हुए हैं। न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर पिछले 10 सालों में करीब 8 हजार करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

महिलाओं पर अपराध गंभीर चिंता का विषय

पीएम ने सुप्रीम कोर्ट को लेकर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के 75 वर्ष केवल एक संस्था मात्र की यात्रा नहीं है ▶10 पर

बंगाल की सीएम ममता के आरोपों पर केंद्र का पलटवार

गलत जानकारी देकर अपनी कमियां छिपा रहीं ममता

कोलकाता रेप केस में ममता बनर्जी की चाल हुई बेचाल

नई दिल्ली/कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता बलात्कार एवं हत्याकांड में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार ओछी सियासत कर रही हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर ठीकरा फोड़ने की कोशिश की, लेकिन वह ममता बनर्जी पर उल्टा पड़ गया। केंद्र के जवाब से उनकी चालाकी फेल हो गई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पत्र में तथ्यात्मक गलती बताते हुए ममता बनर्जी की आलोचना की है। अन्न-पूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को जवाब दिया है कि इस पत्र का उद्देश्य राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) के संचालन में हुई ▶10 पर

नाबालिग की रेप के बाद हत्या प्रयास में टीएमसी नेता का बेटा गिरफ्तार

दिनाजपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता के बेटे को 13 साल की आदिवासी लड़की के साथ बलात्कार और हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह घटना पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर उपखंड के बंशीहारी में हुई। ▶10 पर

मेदिनीपुर में जूनियर डॉक्टरों का टीएमसी नेता के खिलाफ प्रदर्शन

मेदिनीपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टरों ने टीएमसी नेता मुस्ताफिजुर रहमान मलिक की गुंडागर्दी के खिलाफ धरना दिया। मुस्तफिजुर रहमान मलिक डॉक्टरों को लगातार परेशान कर रहा है, लेकिन पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं कर रही। ▶10 पर

राजस्थान हाईकोर्ट ने लिया महत्वपूर्ण फैसला

दो से ज्यादा बच्चे हुए तो प्रमोशन नहीं

कांग्रेस सरकार ने हटा दी थी रोक

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में दो से अधिक संतान वाले सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन पर रोक लगा दी है। दरअसल, साल 2023 में कांग्रेस की तत्कालीन राज्य सरकार ने दो से अधिक बच्चों वाले सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन पर से लगी रोक हटा ली थी। इसके बाद उन्हें बैक डेट से प्रमोशन दिया जा रहा था। इस फैसले से राज्य के हजारों कर्मचारी प्रभावित होंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश दिया है। संतोष कुमार एवं अन्य लोगों द्वारा दायर की याचिकाओं में कहा गया था कि सरकार 16 मार्च 2023 की अधिसूचना से उन कर्मचारियों को बैक डेट से पदोन्नति दे रही है, जिनके दो से ज्यादा बच्चे होने के कारण 5 साल या 3 साल के लिए प्रमोशन रोके गए थे। याचिकाकर्ताओं ने यह भी कहा कि इन कर्मचारियों को बैक डेट से प्रमोशन देने के कारण उनकी वरिष्ठता सूची में बदलाव आ गया है। ▶10 पर

जम्मू कश्मीर की राजनीति पर हावी परिवारवाद!

तीसरी-चौथी पीढ़ी के नेता लड़ रहे चुनाव

श्रीनगर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले कुछ वर्षों में देश में परिवारवादी नेताओं को लेकर खूब चर्चा हुई। भाजपा और खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसको लेकर विपक्षी दलों पर निशाना भी साधते रहे हैं। अब जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। लेकिन हैरानी भरी बात यह है कि जम्मू कश्मीर की राजनीति में आज भी ▶10 पर

आंध्र के एसआर गुडलावाल्लेरू इंजीनियरिंग कॉलेज का घिनौना कृत्य

छात्राओं के बाथरूम में लगे थे कैमरे, 300 वीडियो लीक

अमरावती, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद से देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर लोगों में गुस्सा है। इस बीच, आंध्र प्रदेश के कृष्णा में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में छिपाकर लगाया गया कैमरे से की गई करीब तीन सौ वीडियो रिकॉर्डिंग प्रसारित कर दिए जाने का मामला भीषण गरमा गया है। हालांकि, पुलिस लीपापोती में लगी हुई है। इस घटना के खिलाफ छात्राएं लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने खनन मंत्री के. रवींद्र से शिकायत की है कि कॉलेज प्रबंधन इस मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है और पुलिस उनकी मदद कर रही है।

छात्राओं का उग्र प्रदर्शन जारी सीएम नायडू ने किया हस्तक्षेप

कृष्णा जिले के एसआर गुडलावाल्लेरू इंजीनियरिंग कॉलेज में गुरुवार मध्य रात्रि से सैकड़ों छात्राएं इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रही हैं। छात्राओं ने अपनी पीड़ा मंत्री के रवींद्र के सामने बयान की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के निर्देश पर मंत्री के रवींद्र जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ कॉलेज पहुंचे थे। छात्राओं ने रवींद्र से कहा, हमें कॉलेज प्रबंधन पर भरोसा नहीं है क्योंकि वह पिछले तीन दिनों से मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

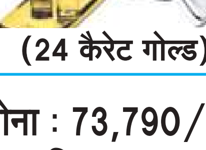

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,790/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 86,099/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 21^0

खतरनाक तरीके से देश में फैल रहा था अलकायदा का नेटवर्क

बिहार से हथियार, यूपी में ट्रेनिंग, राजस्थान में टेस्ट फायरिंग

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, एनआईए और कई राज्यों की एटीएस ने अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेन्ट (एक्यूआईएस) मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इसका मुखिया रांची के अस्पताल में काम करने वाला डॉक्टर इश्तियाक निकला। इश्तियाक ने इस मॉड्यूल के लिए खतरनाक हथियार बिहार के लखीसराय से जुटाए थे। वह पाकिस्तान में ट्रेंड आतंकी अबू सूफियान के संपर्क में था। अबू सूफियान झारखंड के टंडवा का रहने वाला है। वह काफी अर्से से फरार है।

एनआईए एवं अन्य टीमों ने इस मामले में राजस्थान के भिवाड़ी से 6 आतंकियों को टेस्ट फायरिंग करते हुए पकड़ा था। इसके अलावा झारखंड के अलग-अलग हिस्सों से 8 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। एक आतंकवादी की गिरफ्तारी यूपी से की गई। अब तक इस मॉड्यूल के 16 आतंकी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनसे पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

पूछताछ में एजेंसियों को पता चला कि आतंकियों को दूसरे चरण का प्रशिक्षण लेने के लिए भिवाड़ी भेजा गया था। ये सभी किराए के कमरे में रहते थे और वहां से करीब 5 किलोमीटर दूर पहाड़ों में उन्हें फायरिंग का अभ्यास करना था। यह भी पता चला है कि ट्रेनिंग लेने वाले संदिग्ध आतंकी कुछ वर्ष पहले दिल्ली में भी रुके थे। तब डॉक्टर इश्तियाक के मॉड्यूल से इनका संपर्क नहीं हुआ था।

आतंकियों का सेफ जोन यूपी का बुलंदशहर

आतंकियों ने उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में भी ट्रेनिंग लेने की बात कही है। उन्होंने खुफिया एजेंसियों को बताया कि बुलंदशहर आतंकियों के सेफ हाउस जैसा है। वहां पर उन्हें फिटनेस, कॉम्बेट फाइट के साथ हथियार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया था। वहां से वे रांची गए और फिर भिवाड़ी पहुंचे। आतंकियों ने बताया है कि भिवाड़ी पहुंचने के बाद वहां उन्हें कुछ मददगार भी मिले। इन मददगारों ने आतंकियों के लिए लेबर कॉलोनी में किराए के कमरे का इंतजाम किया था। इनके लिए दो कमरे 10 अगस्त 2024 को ही बुक हो चुके थे। अब एजेंसियां इन सब की जानकारी जुटा रही हैं। इसके साथ ही हथियारों की सप्लाई करने वालों का भी पता लगा रही है।

भिवाड़ी में रेड के दौरान एजेंसियों ने आतंकियों के साथ-साथ हथियार भी बरामद किए थे। ये हथियार उन्हें बिहार के लखीसराय से मिले थे। डॉक्टर इश्तियाक ने ये हथियार खरीदे थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जब भिवाड़ी इलाके में छापा मारा तो आतंकी लोहरदगा निवासी अल्ताफ से यह हथियार बरामद हुए। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

पर्युषण महापर्व का तप, त्याग और तपस्या से स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि मानो पूरी पृथ्वी उत्सव मना रही है, आज हमारे गृह आंगन में विशिष्ट अतिथि आए हैं। दूसरे अतिथि तो देकर बहुत कम जाते हैं और लेकर बहुत ज्यादा जाते हैं, लेकिन यह पर्युषण पर्व रूपी अतिथि तो देकर बहुत कुछ जाते हैं, लेकिन लेकर कुछ भी नहीं जाते। यह हमें क्षमा, त्याग, तप जैसी विशिष्ट चीजें देकर जाते हैं। परी और उषण मिलकर पर्युषण शब्द बना है। अपनी आत्मा की ओर हमें इन दिनों में यात्रा करनी है। शास्त्रों में बताया गया है कि हमें पहले धर्म के बारे में जानना

है फिर क्रिया करनी है। जिस दिन जानकर ज्ञानपूर्वक क्रिया करेंगे वही हमारी मुक्ति का कारण बनेगा। पर्युषण का मतलब ही हमारी आत्मा में निवास करना है। जैन दर्शन-धर्म त्याग प्रधान है, इसमें त्याग की प्रधानता रही है। पर्युषण हमारे पूरे वर्ष की जीवन शैली का इंटर्नशिप है। इन दिनों में की गई क्रिया को हमें पूरे वर्ष भर की जीवन शैली में उतारना है। जिस दिन हमारी आत्मा में ज्ञान-ोदय होगा उसी दिन हमारा मिथ्यात्व दूर होकर सम्यक्त्व आ जाएगा। यह दिन हमें मोह और अज्ञान की नींद से जगाने आए हैं। गुरुवर ने आगे कहा कि अनेक भवों के पुरुषार्थ के पश्चात हमें यह मानव जीवन मिला है, इस मानव जीवन को हमें व्यर्थ नहीं करना है। पर्युषण के इन दिनों में श्रावक के पांच मुख्य कर्तव्य हैं जिनका हमें पूर्ण रूप से पालन करना है। इन कर्तव्यों के माध्यम से हमें जिन शासन को जानना है। इसमें प्रथम कर्तव्य अमारी प्रवर्तन, दूसरा साधर्मिक वात्सल्य, तीसरा चैत्य परिपाटी, चतुर्थ अट्ठम तप और पांचवा क्षमापना है। यह पांचों हमारे श्रावक जीवन के मुख्य कर्तव्य है। अकबर ने अपने राज में अमारी प्रवर्तन का पर्युषण के पर्व दिनों में फरमान जारी किया था कि उसके राज्य में आठ दिनों तक कोई हिंसा नहीं होती थी। 18 देशों के राजा कुमारपाल जो कि चौलुक्य वंश के वंशज थे, वह भी चातुर्मास के दिनों में सिर्फ धार्मिक कार्यों में जुड़ जाते थे। उन्होंने बारह व्रतों को धारण किया था। शारीरिक हिंसा के साथ ही मानसिक हिंसा का भी ध्यान रखकर हमें उससे दूर रहना है।

कर्मों की मार को कम करने के लिए समता का अभ्यास जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के सानिध्य में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल और कन्या मंडल विजयनगर ने कर्मो की मार यमराज का दरबार का रोचक मंचन किया।

साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी ने मोक्ष मार्ग में प्रशस्त होने के लिए कर्मो की निर्जरा का महत्व बताया। साध्वी ने आस्था प्रभा जी द्वारा प्रदत्त कर्मो पर आधारित नाटिका के प्रस्तुतिकरण में साध्वी दीक्षा प्रभा जी के श्रम की अनुमोदना की। अर्हत वंदना के पश्चात इस कार्यक्रम की शुरुवात साध्वी आस्था प्रभा जी द्वारा कर्मो पर आधारित गीत से हुआ। तेरापंथ युवक परिषद् अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए शुभकामना प्रेषित की। यमराज चित्रगुप्त और सामान्य युवक की असमय मृत्यु पर घटित अतीत, वर्तमान और भविष्य में घटित होने वाली घटनाओं को बहुत ही रोचक तरीके से किशोर मंडल और कन्या मंडल ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अभातेयूप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने कर्मो पर आधारित रोचक नाटक की शानदार प्रस्तुति पर किशोर मंडल, कन्यामंडल को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, किशोर मंडल प्रभारी अमित दक ने बधाई एवं शुभकामना प्रेषित की। मुख्य किरदार यमराज के रूप में युग देरासरिया, चित्रगुप्त बने तन्मय कावड़िया, और मानव की आत्मा के रूप में हर्ष मांडोत एवं संपूर्ण टीम के प्रस्तुतिकरण की सभी द्वारा सरहाना की गई। इस अवसर पर टीपीएफ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिम्मत मांडोत, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल, सभा पदाधिकारी, तेयुप उपाध्यक्ष विकास बांठिया, सह मंत्री पवन बैद, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष अमित नाहटा, संगठन मंत्री पंकज कोचर, निवर्तमान अध्यक्ष राकेश पोखरणा आदि लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन मंत्री संजय भटेवरा ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्युषण महा पर्व के प्रथम दिन शनिवार को मणिधारी एन्कलेव में परमात्मा शांतिनाथ दादा के दरबार में भव्य स्नात्र महोत्सव प्राकाशचंद, भुरमल सोनिगरा परिवार एवं जंबुलाल चौहान परिवार द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रावक श्राविकाओं में उत्साह दिया।

पराया दर्द जो समझे उसे इंसान कहते है: साध्वी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर हुब्बल्ली के सहयोग से तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य महाश्रमण की शिष्या हुब्बल्ली में विराजित समणी कुसुम प्रज्ञा जी एवं जिज्ञासा प्रभा जी के सानिध्य में नोखा निवासी हुब्बल्ली प्रवासी दिवंगत किरण देवी एवं स्व: मानमल पारख की पुण्यतिथि पर पारख परिवार की ओर से राज्य से अलग अलग कोने से आये जरूरतमंद दिव्यांगों में 11 कृत्रिम पांव का वितरण किया गया। साध्वी ने कहा यह पुण्य का कार्य कर हर व्यक्ति को अपनी श्रद्धा अनुसार करना चाहिए। मानव सेवा सर्वश्रेष्ठ सेवा में एक है। मानव संसार में आता

है और चला जाता हैं। उसके किए गए अच्छे कार्य भावी पीढ़ी तक याद रहते है। महावीर लिंब सेंटर सस्था पिछले 25 वर्षो से लगभग 55 हजार लोगों को कृत्रिम पांव लगाकर जैन समाज के लिए बहुत ही महान कार्य किया है। इस अवसर पर फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी ने कहा पारख परिवार ने उनके परिजनों की स्मृति में दिव्यांगों को स्वावलंबी जीवन जीने के लिए प्रेरित किया है। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने कहा महावीर लिंब सेंटर पिछले 25 वर्षो से अनवरत दिव्यांगों की सेवा का कार्य कर रहा है। जो हम सभी के लिए प्रेरणा का कार्य है। सभा के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र पालगोता, मंत्री अमराव सिंह बैद, युवक परिषद् के अध्यक्ष विशाल बोहरा, गौतम बैताला ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन रमेश चोपड़ा ने किया। मुनिलाल पारख ने पधारे हुए अथितियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा, कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया, निदेशक कांतिलाल बोहरा, कन्वेनर सुभाष चंद्रा डंक, हुब्बल्ली तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, तेरापंथ सभा के मंत्री अमराव सिंह बैद समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

यह मशीन-यंत्रों से भरी दुनिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि जो अपनी आत्मा को सुधारना सीख गया, समझो जगत को सुधार दिया। यह मशीन-यंत्रों से भरी दुनिया है। इंसान ने धर्म को खोकर यंत्रों को पाया और यंत्रों ने इंसान की अतिआवश्यक जीवन के संसाधनों पर चोंट पहुंचाई। हवा-पानी - भोजन इन तीनों को प्रदूषित जितना षड्यंत्रों ने नही किया, उससे ज्यादा यंत्रों किया है। दिनो दिन यंत्रों के नये नये आविष्कारों ने इन्सान को मशीनों का दास बना दिया है। इस कारण सबसे ज्यादा मानासिक रोगी होंगे। कैंसर जैसी बीमारी प्रायः बढ़ती ही जार ही है। इस मौके पर सुरेश चंद छल्लाणी, अनुराग जैन, विजय राज लोढा, गोविंद सिंह छाजेड़, आशा सुराणा आदि उपस्थित रहे।

नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्त चाप शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा निःशुल्क मधुमेह एवं रक्त चाप शिविर का आयोजन गायत्री नगर स्थित मरियप्पनपाल्या पार्क में किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। जिसमें कुल 81 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप सदस्यों ने स्थानीय लोगों से संपर्क करते हुए सभी को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं, डॉक्टर की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत कराया। शिविर में एटीडीसी स्टाफ दीपा, एवं दीपाश्री का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। तेयुप से जयंतीलाल गांधी, रवि चौधरी, विनोद कोठारी, मुकेश भंडारी, हरीश पोरवाड़, एवं किशोर मण्डल से नमन देरासरिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

15 सितंबर तक लाइसेंस नहीं लेने वाले पीजी के खिलाफ होगी कार्रवाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। निगम ने सिलिकॉन सिटी के पीजी को झटका दिया है। बीबीएमपी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 15 सितंबर तक पीजी के लिए लागू किए गए नए दिशानिर्देशों को नहीं अपनाया गया तो ऐसे पीजी के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। बीबीएमपी अधिकारियों ने कहा कि यदि समय सीमा के भीतर नए दिशानिर्देशों को नहीं अपनाया गया तो ऐसे पीजी के लाइसेंस अनधिकृत माने जाएंगे और रद्द

कर दिए जाएंगे। शहर में अब तक मात्र 2000 पीजी को ही लाइसेंस जारी किया गया है। लेकिन शहर में हजारों पीजी हैं। इसलिए, अधिकारियों ने अनधिकृत पीजी को खोजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शहर में चल रहे 25,000 से अधिक पीजी के बारे में जानकारी उपलब्ध होने के बाद बीबीएमपी ने अनधिकृत पीजी में कटौती करने की योजना तैयार की है। चाहे कोई भी पीजी हो, उन्हें 15 सितंबर तक लाइसेंस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें बंद करने की चेतावनी दी गई है। बीबीएमपी के विशेष आयुक्त सुरलकर विकास किशोर ने चेतावनी दी है कि शहर में चाहे कितने भी पीजी हों, 15 सितंबर तक लाइसेंस ले लें या सजा भुगतने के लिए तैयार रहें।

स्कूली बच्चों में शिक्षण सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने कास्यपुरा सरकारी हाई स्कूल रामनगर में पढ़ रहे बच्चों में हनुमानमल, संजय कुमार, मनोज कुमार बैद परिवार नोखा बेंगलूरु के सहयोग से सफेद जूते एवं नोट बुक्स का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ हुआ। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के पास सफेद जूतों एवं नोट बुक्स की कमी थी, जिसे हमने प्रायोजक परिवार के सहयोग से उपलब्ध कराया। स्कूल प्राध्यापक ने इस सहयोग के लिए तेयुप आर आर नगर का आभार जताया। इस अवसर पर परिषद् से निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, संस्थापक अध्यक्ष राजेश भंसाली, कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा, संगठन मंत्री संदीप बैद, कार्यसमिति सदस्य दीपक सुराणा ने अपने समय का विसर्जन कर सेवा कार्य में सहयोग किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से हेगनहल्ली क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हेगनहल्ली निसर्ग इंग्लिश हाई स्कूल में आयोजित समापन समारोह में विजेता बच्चों में पुरस्कार वितरित किया गया। इस मौके पर विधायक एस. मुनिराजू मुख्य अतिथि और गौ सेवक महेंद्र मुणोत विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। विजेता बच्चों को पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

बैर, विष, दोषों का शमन करता है पर्युषण पर्व : आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वीवी पुरम में विराजित आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में, पर्युषण पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सालभर की ऋतुओं में वर्षा ऋतु को सबसे उत्तम बताया गया है, क्योंकि इस मौसम में शरीर में पानी अधिक और वाता-वरण में ठंडक ज्यादा होती है। यही समय है जब तप करना आसान होता है। बरसात के कारण जीवों की उत्पति ज्यादा होती है। अतः जीवरक्षा के लिए साधु-साध्वी एक जगह ठहरते हैं, विहार नहीं करते। उनके सानिध्य में रहकर श्रावक-श्राविकाएं ज्ञान-ध्यान-अध्ययन के अलावा तप-त्याग-संयम की आराधना पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। हर

जैन के लिए आत्मा की वार्षिक शुद्धि अनिवार्य है। इस उद्देश्य पूर्ति के लिए संवत्सरी का दिन निर्धारित है, यह दिन ऋतुओं का संधिकाल है। पूर्व के महापुरुषों ने यह समय इस उद्देश्य से चुना था कि मन और आत्मा के भावों को परिवर्तित करने की प्रक्रिया में श्रेष्ठ काल सहायभूत होता है। पर्युषण मुख्य रूप से आत्मा की वार्षिक शुद्धि करने का पर्व है। इस कार्य के लिए चुना गया यह समय तर्कसंगत और विज्ञान संगत है। यह काल साधक के लिए जगत के सभी जीवों के साथ क्षमापना, मैत्री, आत्मिक हित-चिंता, अध्यात्म के उन्नत भावों के साथ स्वयं के दोष, बैर-जहर का उपशमन करने का उत्तम समय है। इस कार्य को श्रेष्ठ धर्म अनुष्ठान के रूप में सुंदर तरीके से संपन्न करना होता है।

सीएम के खिलाफ फैसला सुनाने पर

कांग्रेस का राज्यपाल पर भड़का गुस्सा राजभवन चलो अभियान चलाया

राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी था। इसके खिलाफ पूरे राज्य में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच शनिवार को सत्ता में मौजूद मंत्रियों ने मुडा मामले में राज्यपाल के फैसले के विरोध में राजभवन चलो अभियान चलाया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, राज्य मंत्रिमंडल के अन्य मंत्रियों के साथ-साथ कांग्रेस विधायकों ने राजभवन चलो में भाग लिया। कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर कांग्रेस के खिलाफ पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए राजभवन तक मार्च किया। वहीं सीएम राज्यपाल की बैठक में शामिल नहीं हुए। कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन राजभवन चलो पर गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा हम कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ मामला चलाए जाने की अनुमति देने का विरोध कर रहे हैं। उनके सामने अन्य मामले भी हैं, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। हमारी मांग है कि राज्यपाल उन पर विचार क्यों नहीं कर रहे हैं और उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति क्यों नहीं दे रहे हैं। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा हम बस यही पूछ रहे हैं कि केवल सिद्धरामैया के खिलाफ ही फैसला क्यों लिया गया? सीएम के खिलाफ

मुकदमा चलाने की इतनी जल्दबाजी क्यों है। सिद्धरामैया के मामले में मुकदमा चलाने के लिए किसने कहा? एक आरटीआई कार्यकर्ता ने? क्या जांच पूरी हो गई है? क्या किसी अन्य एजेंसी द्वारा इसका समर्थन किया गया है? नहीं। लेकिन कुमारस्वामी, जनार्दन रेड्डी के मामले में जांच एजेंसियों ने अभियोजन के लिए कहा है। मगर इन मामलों की फाइलें राज्यपाल के पास सड़ रही हैं। राज्यपाल इन 4-5 लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाने या जारी करने में दिल-चस्पी क्यों नहीं ले रहे हैं? डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा हम उनसे निष्पक्ष होने की मांग कर रहे हैं। यह (एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ मामला) एक ऐसा मामला है, जहां पूरी जांच हो चुकी है। इसलिए, अभियोजन को मंजूरी दें और संविधान के अनुसार कानूनी रूप से कार्रवाई करें। उन्हें यह करना होगा। हालांकि बहुत दबाव हो सकता है, लेकिन हमें विश्वास है कि कुछ अच्छी समझ उन पर हावी होगी। लोगों ने कांग्रेस सरकार को महत्वपूर्ण जनादेश के साथ चुना है। उन्होंने कहा उन्होंने हमें 136 विधायक सीटें दी हैं और कर्नाटक में हमारी एक शक्तिशाली सरकार है। इस सरकार को अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्हें लगता है कि अगर वे यहां सरकार को अस्थिर करने में कामयाब हो जाते हैं, तो वे विपक्ष को कमजोर कर सकते हैं। संघीय व्यवस्था में, कर्नाटक देश के लिए एक प्रमुख यो-गदानकर्ता है, जो अन्य राज्यों की मदद करता है। यहां अशांति पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल के कार्यालय का इस्तेमाल इस उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए। हम राज्यपाल से आग्रह करते हैं कि वे अभियोजन की मांग करने वाली अन्य याचिकाओं पर निष्पक्षता से विचार करें और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर न्याय करें। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि राज्यपाल का कार्यालय उनकी मांगों पर प्रतिक्रिया देगा, तो शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अपना कर्तव्य निभाया है। उन्होंने कहा उन्हें अपने कर्तव्यों का पालन करना है। हमें विश्वास है कि राज्यपाल लंबित याचिकाओं पर विचार करेंगे। खाद्य मंत्री केएच मुनियप्पा ने जोर देकर कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राज्यपाल को सभी मामलों को समान रूप से देखना चाहिए। बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने आरोप लगाया कि राज्यपाल का कार्यालय भाजपा का कार्यालय बन गया है। उन्होंने तर्क दिया कि मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ आरोप झूठे हैं। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ शिकायत प्राप्त होने के दिन ही कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि पूर्व भाजपा मंत्रियों शशिकला जोले, मुरुगेश निरानी, जनार्दन रेड्डी और विशेष रूप से एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ प्रारंभिक जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन याचिकाएं पिछले नौ से 15 महीनों से लंबित हैं। उन्होंने कहा सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ कोई प्रारंभिक जांच नहीं हुई है। मुडा ने गलती की है और हम कानूनी लड़ाई जीतेंगे। समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने कहा कि राजभवन को राजनीति का केंद्र बना दिया गया है और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के मामले में न्याय की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल गहलोत ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए अपनी ओर से सहमति नहीं दी है, बल्कि उन्होंने केवल मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर शिकायतों पर कार्रवाई की है। प्रतिनिधिमंडल ने उनसे उनके समक्ष लंबित अन्य याचिकाओं पर कार्रवाई करने का आग्रह किया। दरअसल, कर्नाटक में मुडा जमीन आवंटन घोटाले में सीएम सिद्धरामैया को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना

साथ ही उनके खिलाफ जांच शुरू करने और मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। राज्यपाल के आदेश को सीएम सिद्धरामैया ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। गृहमंत्री जी परमेश्वर ने कहा था कि हमने राज्यपाल के आचरण के संबंध में कुछ निर्णय लिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने राज्य में पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है। इसके बाद एक साथ सभी विधायक और सांसद राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे। इससे पहले कांग्रेस के प्रतिनिधि और प्रमुख नेता विधान सौधा के परिसर में एकत्र हुए और महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना दिया, जिसमें राज्यपाल की आल-ोचना करने वाली तख्तियां थीं। तख्तियों पर लिखा था, भाजपा का कठपुतली राज्यपाल, और पक्षपाती राज्यपाल। नेत-ाओं ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर राज्यपाल के खिलाफ नारे लगाए और राज्यपाल के कार्यालय की ओर मार्च किया। राजभवन पहुंचने पर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार और नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

पहले चरण में 93 स्ट्रीट वेंडर्स को मिला आईडी कार्ड

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के स्टेट बैंक के पास 93 स्ट्रीट वेंडर्स को शनिवार को पहचान पत्र वितरित किए गए। मेयर सुधीर शेट्टी ने घोषणा की कि सभी 667 स्ट्रीट वेंडर्स को चरणों में विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय करने का अवसर दिया जाएगा। मेयर कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित एक फोन-इन कार्यक्रम के दौरान, जनता ने मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन के ऑपरेशन टाइगर की सराहना की। मेयर ने कहा कि फुटपाथ पर स्ट्रीट वेंडिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऑपरेशन टाइगर को एक साल के लिए अनुबंधित किया गया है और यह जारी रहेगा। जोनल कमिश्नर रेखा शेट्टी ने कहा स्टेट बैंक के पास फूल विक्रेताओं, फैंसी आइटम विक्रेताओं, स्नैक विक्रेताओं और फल और सब्जी विक्रेताओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। उन्हें दुकानों के साथ-साथ पानी और बिजली की आपूर्ति भी प्रदान की जाएगी।

कोविड जांच आयोग की अवधि का किया गया विस्तार : गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि कोविड कथित हेराफेरी की जांच के संबंध में गठित जांच आयोग की अवधि छह महीने बढ़ा दी गई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग के अनुरोध पर आदेश को छह महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। कोविड के संदर्भ में कथित हेराफेरी की जांच और रिपोर्ट देने के लिए न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में एक जांच आयोग का गठन किया गया था। आयोग अंतरिम रिपोर्ट जारी कर सकता है। लेकिन पूरी रिपोर्ट देने के लिए अभी समय है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जांच अधिकारी तय करेंगे कि बल्लारी जेल में रेणुकास्वामी की हत्या के आरोपी दर्शन को पहला आरोपी बनाया जाना चाहिए या दूसरा। अग्रहारा जेल में किए गए फोन कॉल और वीडियो कॉल की जांच के आदेश दिए गए हैं। मामले की जांच के लिए सीसीबी प्रमुख चंद्रगुप्त को नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि जांच कराकर रिपोर्ट सौंपकर उचित कार्रवाई की जाएगी। मुडा साइट हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर उन्हें प्रभावित करने का आरोप लगा है। हम सब पहले ही कह चुके हैं कि इस पृष्ठभूमि में उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अटकलों के लिए कोई जगह नहीं है। ज्ञातव्य है कि जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन, जो एक प्रशंसक के अपहरण और हत्या मामले में आरोपी है, को गुरुवार की सुबह बेंगलूरु सेंट्रल जेल से बाहर निकाला गया। साथ ही बल्लारी जेल में स्थानांतरित किया गया। यह उन तस्वीरों और वीडियो के सामने आने के बाद हुआ है, जिसमें दर्शन को जेल में विशेष सुविधाएं दी जा रही थी। पुलिस उन्हें सुबह 4.30 बजे बेंगलूरु सेंट्रल जेल से बोलेरो वाहन में ले गई। सूत्रों ने कहा कि जेल अधिकारियों ने मीडिया और आम लोगों को दर्शन को देखने से रोकने के लिए वाहन की खिड़कियों पर पर्दे लगा दिए थे। अधिकारियों ने बल्लारी जाने का मार्ग बदल दिया था। चित्रदुर्ग से बल्लारी जाने के सामान्य मार्ग की बजाय, वाहन को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर मार्ग पर चिक्कबल्लापुर-बागेपल्ली के मार्ग से ले जाया गया।

एमसीसी की आम सभा की बैठक में हंगामा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन (एमसीसी) की आम सभा की बैठक में उस वक्त हंगामा हुआ, जब विपक्षी पार्टी के सदस्यों ने माइक्रोफोन फेंककर अपना गुस्सा जाहिर किया। भाजपा सदस्य संगीता नायक ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया कि उन्होंने हाल ही में राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुडा मामले में मुकदमा चलाने की अनुमति देने के फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के एक सदस्य की बस पर पथराव किया। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना में एक महिला घायल हो गई। भाजपा की एक अन्य सदस्य शकीला कावा ने पथराव की घटना में शामिल और जमानत पर रिहा हुए एक मनोनीत सदस्य को सदन से हटाने की मांग की। विपक्षी सदस्यों ने सदन के वेल में जाकर विरोध प्रदर्शन किया और मेयर पर विपक्षी नेताओं को इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया। भाजपा सदस्यों ने कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए। विपक्षी नेता प्रवीण चंद्र अल्वा ने पिछली बैठक के मिनट्स पेश करने के बाद मेयर को बोलने की अनुमति नहीं देने के लिए आलोचना की और इसे अनुचित बताया। जब विपक्षी सदस्यों ने माइक्रोफोन की मांग की, तो एक माइक्रोफोन काम नहीं करने पर उसे फर्श पर पटक दिया गया, जिससे वह टूट गया। स्थिति और बिगड़ गई। सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों ने नेताओं पर गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया। इसके बाद मेयर ने अचानक बैठक समाप्त कर दी और बाहर चले गए।

मंत्री ने लोगों से रंगहीन मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की पूजा करने का किया अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के वन, जैव विविधता और पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने राज्य के लोगों से गणेश उत्सव को पर्यावरण-अनुकूल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा गणेश पर्यावरण और प्रकृति से जन्मे देवता हैं। इस साल देशभर में मूसलाधार बारिश के कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुआ है और आपदाएं आई हैं। इस प्रकार, प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा की जिम्मेदारी अब पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। आइए इस गणेश उत्सव को पर्यावरण-अनुकूल बनाएं।

उन्होंने संदेश दिया कि लोगों को रंगहीन मिट्टी की मूर्तियों के रूप में प्रकृति के संहारक विनायक की पूजा करनी चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया कि जलीय जीवों की मृत्यु और जलस्रोतों को प्रदूषित करने वाले रासायनिक रंगों से युक्त पीओपी गणेश प्रतिमा की पूजा करने के बजाय हमें छोटी मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा लाकर घर में ही घोलकर उस जल को पेड़-पौधों में डालना चाहिए। त्योहार के उपलक्ष्य में गणेश जी के जुलूस के दौरान केवल हरे पटाखे ही जलाए जाने चाहिए। उन्होंने जनता से ध्वनि प्रदूषण,

जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण को रोकने के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं करने की अपील की। उन्होंने अधिकारियों को सभी गणेशोत्सव समितियों को केवल मिट्टी की गणेश मूर्ति स्थापित करने की अपील करने का निर्देश दिया।

इससे पहले शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने चेतावनी दी थी कि गणेश उत्सव के लिए जबरदस्ती चंदा वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि 7 सितंबर से पूरे शहर में जनता को गौरी-गणेश उत्सव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 30 सूत्री गाइडलाइन का पालन करना होगा।

शहर के सभी पुलिस स्टेशनों के स्टेशन अधिकारियों से अपने अधिकार क्षेत्र में गणेश प्रतिमा स्थापित करने के लिए अनुमति आवेदन प्राप्त करना होगा। एसोसिएशनों से अनुरोध किया गया है कि वे गणपति की मूर्ति स्थापित करने के स्थान, दिन आदि के बारे में जानकारी देकर पहले से अनुमति लें। लाउडस्पीकरों का लाइसेंस देते समय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये नियमों/दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। लाउडस्पीकर का उपयोग केवल सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही करने की अनुमति होगी। किसी भी कारण से रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। संस्थाओं के नाम पर जनता और व्यवसायियों से धन उगाही और रंगदारी वसू-लने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गणपति उत्सव के अवसर पर बदमाश पैसे मांगने के बहाने घर में घुसकर लूटपाट और रंगदारी जैसी वारदातों को अंजाम दे सकते हैं, इसलिए थाना अधिकारी इस संबंध में जनता को उचित जानकारी/दिशा-निर्देश दें। जिन स्थानों पर गणपति की मूर्ति स्थापित होगी, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, वहां प्रबंधक से कार्यक्रम के बारे में पहले से लिखित अनुरोध प्राप्त कर उस स्थान पर उचित सुरक्षा व्यवस्था करें। आयोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि गणपति प्रतिमा स्थल पर लगे पेंडल/छप्परों में अग्निशमन वाहन अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। सभी संभागीय पुलिस उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे आयोजकों को अनिवार्य रूप से सीसीटीवी स्थापित करने के निर्देश दें और गणपति प्रतिमाओं की स्थापना के दिन से प्रतिमाओं के विसर्जन तक संबंधित स्थानों पर स्थानीय पुलिस नियुक्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए जुलूस, विसर्जन और उसके बाद भी पर्याप्त एहतियाती कदम उठाए जाने चाहिए।

कोर्ट ने मुडा घोटाले में सीएम को दी गई अंतरिम राहत को बढ़ाया

सुनवाई सोमवार तक टाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को दी गई अंतरिम राहत को सोमवार तक बढ़ा दिया है।

हाईकोर्ट अब मुडा मामले से संबंधित दलीलों पर सोमवार को सुनवाई करेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा दायर याचिका की जांच कर रहा है, जिसमें कथित मुडा घोटाला मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल थावर चंद गहलोत की मंजूरी को चुनौती दी गई है। इस मामले की देखरेख कर रहे न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने पहले सिद्धरामैया को अंतरिम राहत दी थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्यपाल की ओर से दलीलें पेश कीं। इस सप्ताह की शुरुआत में वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. ए.एम. सिंघवी ने मुख्यमंत्री की ओर से अपनी दलीलें पूरी कीं और प्रतिवादियों द्वारा अपनी दलीलें पेश किए जाने के बाद आगे की दलीलें पेश करने का अधिकार सुरक्षित रखा। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रोफेसर रविवर्मा कुमार भी सिद्धरामैया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सिद्धरामैया पर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगने वाले शिकायतकर्ताओं में से एक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह द्वारा दलीलें पेश किए जाने की उम्मीद है। इस मामले में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को भ्रष्टाचार और अनियमित भूमि आवंटन के आरोप शामिल हैं।

दर्शन मामले की जांच एक महीने के भीतर पूरी करने का निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने टीमों को अग्रहारा जेल में अभिनेता दर्शन और कुख्यात उपद्रवियों को शाही आतिथ्य देने के दर्ज तीन मामलों की जांच एक महीने के भीतर पूरी करने का आदेश दिया है।

इस पृष्ठभूमि में, तीन जांच टीमों ने जांच तेज कर दी है और अग्रहारा जेल का दौरा कर रही हैं, जांच कर रही हैं और जानकारी और बयान प्राप्त कर रही हैं।

तीन जांच टीमें कर्मचारियों और वरिष्ठ अधिकारियों से आप अभिनेता दर्शन और कुख्यात उपद्रवियों को किस तरह की सुविधाएं दे रहे थे, आपने ये सभी विशेषाधिकार कितने दिनों के लिए दिए थे, क्या आपने अन्य कैदियों, ट्रायल कैदियों को भी इस तरह की सुविधाएं दी हैं? समेत अन्य जानकारी जुटा रही है। अभिनेता दर्शन और उपद्रवियों के साथ राजपरिवार जैसा व्यवहार किए जाने की तस्वीरें वायरल होने पर अग्रहारा पुलिस स्टेशन में कुल तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक सिटी सब-डिविजन के एसीपी जेल अधिकारियों द्वारा कर्तव्य में ला-परवाही की जांच कर रहे हैं, और शेष दो मामलों की जांच परप्प-ना अग्रहारा और बंदेपाल्या पुलिस स्टेशनों के निरीक्षकों द्वारा की जा रही है।

ऑनलाइन धोखेबाजों ने कन्नड़ में निशाना बनाया, झूठे मुकदमे की धमकी दी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए अजनबियों से कॉल आने पर कन्नड़ में बात करने की सलाह देने वाली हाल की चेतावनियों के बावजूद, कटपडी के एक निवासी को एक धोखेबाज ने निशाना बनाया, जिसने कन्नड़ भाषा में उसे ठगने का प्रयास किया। कटपडी के ट्रक और टेंपो मालिकों के संघ के अध्यक्ष चंद्रा पुजारी को एक व्यक्ति ने फोन किया, जिसने खुद को वकील बताया।

कॉल करने वाले ने आरोप लगाया, आपकी ऋण किस्त लंबित है, और आपके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आपको अदालत में उपस्थित होने की आवश्यकता है। इसके बाद कॉल करने वाले ने चंद्रा पर गूगल पे के माध्यम से किस्त का भुगतान करने के लिए दबाव डाला, 8792701216 नंबर का उपयोग किया, जो ट्रू कॉलर ऐप पर नागा आर के रूप में दिखाई दिया। कॉल करने वाले ने यह जानने पर जोर दिया कि चंद्रा कब अदालत में पेश हो सकते हैं और फोन को किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दिया, जो ऋण जारी करने वाले प्रबंधक के रूप में प्रस्तुत हुआ।

कथित प्रबंधक ने दावा किया कि तकनीकी समस्या के कारण किस्त की स्वचालित कटौती नहीं हो रही है, तथा उसने गूगल पे के माध्यम से तत्काल भुगतान करने का आग्रह किया। घोटाले को पहचानते हुए, चंद्रा ने जवाब दिया मेरे पास कोई लंबित ऋण नहीं है। अगर कोई समस्या है, तो मैं व्यक्तिगत रूप से आपके कार्यालय में आऊंगा। उडुपी में आपका कार्यालय कहां है? कॉल करने वाले ने हकलाते हुए, स्थान भेजने का वादा किया, और अचानक कॉल समाप्त कर दिया। इसके बाद चंद्रा ने उस कंपनी से संपर्क किया जिसने उन्हें वाहन ऋण प्रदान किया था, जिसने पुष्टि की कि उनके कार्यालय से किसी ने ऐसा कॉल नहीं किया था और उनके ऋण का भुगतान अद्यतित था। इस घटना पर विचार करते हुए, चंद्रा ने कहा अगर मैं उनके दबाव में आ जाता, तो मैं गूगल पे के माध्यम से भुगतान करके पैसे खो देता। सौभाग्य से, मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी के बारे में पता चलने के कारण, मैं सतर्क रहा और अपने पैसे बचाए।

विभिन्न मंदिरों में पूजा-अभिषेक समेत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रावण मास के अंतिम शनिवार के उपलक्ष्य में शनिवार को पूरे राज्य में गोविंदा नमस्नामणे का गायन किया गया। सुबह से ही वेंकटेश्वर, अंजनेय सहित राज्य के विभिन्न मंदिरों में पूजा-अभिषेक समेत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हुए। शनिश्चरास्वामी की पूजा-अर्चना अत्यंत निष्ठा और नियमितता के साथ करने की प्रथा पूर्व काल से ही चली आ रही है। लोगों ने मंदिरों में जाकर भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की। बेंगलूरु ग्रामीण जिले के मदुरै के शनि मंदिर को विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया गया था और बेंगलूरु, तुमकुरु, डोड्डबल्लापुर, नेलमंगला सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में भक्तों ने आकर पूजा की। इसी तरह, बेंगलूरु के मगडी रोड पर टोलगेट सर्कल के पास श्री शनेश्वर मंदिर में विभिन्न पूजा कार्यक्रम आयोजित किए गए। भक्तों ने कतारों में खड़े होकर भगवान के दर्शन किए। चिक्कबल्लापुर शहर के कंडवारा शहर में श्री लक्ष्मी वेंकटरमण स्वामी मंदिर में भगवान को मोतियों और विभिन्न प्रकार के फूलों से सजाया गया था। सुबह से ही भक्त दर्शन के लिए कतार में लगे हुए थे। कतार में खड़े भक्तों ने गोविंदा गोविंदा के नाम से पूजा की और अपनी भक्ति का जश्न मनाया।

मालूर तालुक में चिक्कतिरुपति प्रसन्ना वेंकटरमण स्वामी मंदिर में भक्त उमड़ पड़े और भगवान के दर्शन के लिए सुबह 4 बजे से ही कतार में लग गए। भक्तों की मान्यता है कि श्रावण मास के दौरान यदि वे वेंकटरमण के दर्शन करेंगे और पूजा करेंगे तो उनकी मनोकामनाएं पूरी होंगी और इसी सिलसिले में भक्त विभिन्न मंदिरों में पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

अपनी आत्मा का निरीक्षण करें: राजेश मुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में शनिवार को प्रातः कालीन प्रवचन में राजेश मुनि जी ने फरमाया कि भगवान महावीर ने संसार में अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाकर ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाया। उन्होंने अहिंसा और दया का पाठ पढ़ाकर मानवता को पुनर्जीवित किया। भगवान ने स्वयं की आत्मा का निरीक्षण करने का संदेश दिया, ताकि हम आत्मानंदी बनकर मोक्ष को पा सकें। अंत में धर्म की जीत और पाप का नाश होता ही है। हमें हर कार्य पूरी निष्ठा से करना चाहिए। यदि हम अहंकार और झूठ के सहारे जीवन जिएंगे तो हमारा भविष्य अवश्य ही गर्त में जाएगा और एक दिन हमारा घमंड भी चूर-चूर हो जाएगा। जैसा हम बोलेंगे वैसा ही मिलेगा। जिन भावों से देंगे उन्हीं भावों से पुनः प्राप्त होगा। मुनि ने रविवार से शुरू हो रहे पर्युषण पर्व के दौरान स्व को अपनी आत्मा से जोड़ने का संदेश दिया। मुनि ने कहा कि हमें जिन शासन की प्रभावना हो, ऐसा ही कार्य करना है, ताकि हम मिथ्यात्व रूपी कोहरे को हटाने में सफल हो सकें। ऋषभ मुनि जी ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

4 महीने में सत्ता खो देंगे मोदी, राहुल गांधी के आएंगे अच्छे दिन: जॉर्ज

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा पहले ही खत्म हो चुका है। वह अगले चार महीनों में सत्ता खो देंगे और अगले 15 साल राहुल गांधी के लिए अच्छा समय होगा। उन्होंने शहर में जिला कांग्रेस कार्यालय का दौरा किया और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा पार्टी सौ झूठ बोल चुकी है और उसे सच बताती है। उन्होंने कहा कि उनके पतन का समय निकट है। लोग कांग्रेस पार्टी के पक्ष में हैं। हमने अच्छे कार्यक्रम दिए हैं, भाजपा की तरह हमने सांप्रदायिकता और जाति-धर्म के हंगामे के जरिए राजनीति नहीं की है। उन्होंने कहा कि जनता का आशीर्वाद कांग्रेस पार्टी पर है और कार्यकर्ताओं को भी अच्छा मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सीएम सिद्धरामैया और डीसीएम डीके शिवकुमार के नेतृत्व में सरकार ने वादे के मुताबिक राज्य में गारंटी योजनाएं लागू की हैं। सीएम के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद ने कहा कि देश में इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के जनहितैषी कार्यक्रमों को देखकर कई नेता कांग्रेस पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वे सत्ता में हों या नहीं, हर कोई पार्टी के लिए काम कर रहा है।

विधायक मंजूनाथ ने कहा कि कोलार जिले में बिजली की समस्या के समाधान पर ध्यान देने के लिए मंत्री को बुलाया गया है और कहा कि जिले में नए बिजली स्टेशनों की स्थापना पर जोर देकर किसानों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

विधायक नंजेगौड़ा ने कहा कि जो लोग कांग्रेस पार्टी में सबसे तेज नेता के रूप में पहचाने जाते हैं और अवसरों की तलाश में आते हैं, जो लोग पार्टी के नेता बनते हैं उन्हें पार्टी के प्रति वफादार होना चाहिए। इस मौके पर एमएलसी एमएल अनिल कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष लक्षीदेवम, उपाध्यक्ष संगीता, जिला गारंटी कार्यान्वयन प्राधिकरण के अध्यक्ष वाई शिवकुमार, मोहम्मद हनीफ, कांग्रेस के पराजित उम्मीदवार केवी गौतम, जिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रसाद बाबू उप-स्थित थे।

मंगला स्टेडियम के पास स्मार्ट फूड स्ट्रीट की जाएगी स्थापित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्मार्ट सिटी परियोजना के सहयोग से मंगला स्टेडियम के पास एक 'स्मार्ट फूड स्ट्रीट' विकसित की जाएगी। इसके लिए स्टेडियम के पीछे की सड़क का उपयोग किया जाएगा। डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुल्लई मुहिलान की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। स्मार्ट फूड स्ट्रीट से प्राप्त राजस्व का उपयोग स्टेडियम के विकास के लिए किया जाएगा। डीसी मुहिलान ने निर्देश दिया कि स्टेडियम में आने वाले लोगों को असुविधा से बचाने और क्षेत्र में आम तौर पर होने वाली यातायात भीड़ से बचने के लिए स्टेडियम के पीछे की सड़क का उपयोग स्मार्ट फूड स्ट्रीट के लिए किया जाए। मेयर सुधीर शेट्टी कन्नूर ने बताया स्ट्रीट वेंडिंग में सड़क किनारे बैठकर सामान बेचना, चलती ट्रॉलियों का उपयोग करना या सिर पर सामान ढोना शामिल है। इसके लिए शहर के 10 क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और निरीक्षण के बाद कार्रवाई की जाएगी। स्मार्ट सिटी अनुदान से वित्त पोषित मंगला स्टेडियम के पीछे की सड़क पर फूड स्ट्रीट स्थापित करने की योजना है। मेंगलूरु के युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग के उप निदेशक प्रदीप डिसूजा ने कहा स्मार्ट सिटी परियोजना के सहयोग से मंगला स्टेडियम के पास एक स्मार्ट फूड स्ट्रीट स्थापित करने की योजना बनाई गई है। इस पहल से स्टेडियम के लिए राजस्व उत्पन्न होगा। डीसी मुहिलान के निर्देशानुसार प्रारंभिक कार्य प्रगति पर है। सफाई और स्वच्छता पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा, फूड स्ट्रीट के साथ भूमिगत जल निकासी और शौचालय की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

आधार केंद्र के कर्मचारी पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने का आरोप

हासन डीसी ने दर्ज कराई शिकायत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन में डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय में आधार केंद्र के एक कर्मचारी पर आधार कार्ड बनाने के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने का आरोप लगाया गया है। हासन डीसी सी. सत्यभामा ने अनुश्री के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस से शिकायत की, जो दो साल से अधिक समय से आधार केंद्र पर काम कर रही थी। जिला प्रशासन ने उसे आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से काम पर रखा था। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के एक अधिकारी विजय कुमार ने हासन में डीसी से मुलाकात की और उन्हें कथित धोखाधड़ी गतिविधि के बारे में बताया। अधिकारी ने अपनी प्रारंभिक जांच में पाया कि आरोपी ने कथित तौर पर पैसे के लिए आवेदकों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए और उनका इस्तेमाल आधार बनाने के लिए किया। विजय कुमार ने मीडिया को बताया हमारी जांच के अनुसार, उसने 13 फर्जी प्रमाण पत्र बनाए। हमें यह पता लगाने के लिए आगे की जांच करनी होगी कि उसने कितने रिकॉर्ड बनाए हैं। प्रक्रिया के बारे में बताते हुए अधिकारी ने कहा कि आधार कार्ड प्रक्रिया के लिए आवेदकों के पास मूल जन्म प्रमाण पत्र होना चाहिए। जिनके पास मूल प्रमाण पत्र नहीं थे, उनके लिए आरोपी अन्य आवेदकों से प्राप्त मूल रिकॉर्ड की स्कैन की गई प्रतियों पर नाम बदलकर रिकॉर्ड तैयार करते थे। माता-पिता वही रहते थे, केवल आवेदकों के नाम जोड़े जाते थे। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व विधायक ए.टी. रामास्वामी ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी शामिल लोगों की पहचान करने के लिए विस्तृत जांच की मांग की। उन्होंने कहा यह एक बड़ा मामला लगता है जिसमें कई लोग शामिल हैं।

एआईएमपीएलबी ने वक्फ विधेयक के विरोध के लिए कर्नाटक सरकार से मांगा समर्थन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से उनके आवास कावेरी में मुलाकात की और केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने के लिए कर्नाटक सरकार से समर्थन मांगा। एआईएमपीएलबी के महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने सीएम से अपील की कि बोर्ड विधेयक का विरोध करने और केंद्र को इसे संसद में पारित न करने के लिए राजी करने के लिए उनका समर्थन चाहता है। उन्होंने कहा सरकार इन मुद्दों को बहुत मासूम तरीके से पेश कर रही है, जैसे कि यह समुदाय के लिए फायदेमंद है। मुस्लिम समुदाय आम तौर पर जानता और समझता है कि यह केंद्र सरकार का खेल है। पहली नजर में, प्रस्तावित संशोधन मनमाने हैं और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 29 और 14 का उल्लंघन करते हैं। उन्होंने कहा वैसे भी, भले ही यह संविधान का उल्लंघन न करता हो, कागज पर इस तरह के कानून सरल लग सकते हैं, लेकिन कुछ लक्षित समुदायों के खिलाफ शत्रुतापूर्ण प्रतिष्ठानों के हाथों में इनका इस्तेमाल आम जनता के बीच असंतोष का स्रोत बन जाता है, और वर्तमान मामले में, यह बड़े पैमाने पर मुस्लिम समुदाय के असंतोष का आधार बन जाएगा।

पीएम ने मेरठ लखनऊ समेत तीन वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

हाई-स्पीड ट्रेनों से हो रहा सपनों का विस्तार: मोदी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ-लखनऊ वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मौजूद मेरठ के सांसद अरुण गोविल ने कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज मेरठ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री द्वारा इतना अच्छा तोहफा मिला है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मेरठ-लखनऊ, मदुरै-बेंगलुरु और चेन्नई-नागरकोइल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

अपने वर्चुअल संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण तक देश की विकास यात्रा में एक और अध्याय जुड़ रहा है। आज से मदुरै-बेंगलुरु, चेन्नई-नागरकोइल और मेरठ-लखनऊ के बीच वंदे भारत ट्रेनों की सेवा शुरू हो रही है। वंदे भारत ट्रेनों का यह विस्तार, यह रफ्तार हमारा देश विकसित भारत की ओर कदम दर कदम बढ़ रहा है। आज जो तीन वंदे भारत ट्रेनें शुरू हुई हैं इससे देश के महत्व-पूर्ण शहर और ऐतिहासिक जगहों को कनेक्टिविटी मिली है। ये ट्रेनें तीर्थयात्रियों के लिए सुविधा देगी और इससे छात्रों, किसानों, आईटी के लोगों को बहुत लाभ होगा। जहां वंदे भारत की सुविधा पहुंच रही है वहां पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है। दक्षिण भारत में अपार प्रतिभा है, अपार संसाधन और अवसर हैं। इसलिए, तमिलनाडु और कर्नाटक समेत पूरे दक्षिण का विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। बीते 10 वर्षों में इन राज्यों में रेलवे की विकास यात्रा इसका उदाहरण है। इस साल के बजट में हमने तमिलनाडु को 6 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रेलवे बजट दिया है। ये बजट 2014 की तुलना में 7 गुना से अधिक है। इसी तरह कर्नाटक के लिए भी इस बार 7 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट आवंटित हुआ है। यह बजट भी 2014 की तुलना में 9 गुना अधिक है।

मेरठ में वंदे भारत को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि, आज मेरठ-लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए यूपी और खासकर पश्चिमी यूपी के लोगों को भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी यूपी क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास के नई क्रांति का साक्षी बन रहा है। वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है। आज शहर में, हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों में अपने व्यापार और रोजगार को, अपने सपनों को विस्तार देने का भरोसा जगता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेलवे सेवाएं संचालन हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ सके हैं। बीते वर्षों में रेलवे ने अपनी मेहनत से दशकों पुरानी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगाई है, लेकिन हमें अभी इस दिशा में बहुत लंबा सफर तय करना है। हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक भारतीय रेल गरीब, मध्यम वर्ग सभी के लिए सुखद यात्रा की गारंटी नहीं बन जाए।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

पहले चरण के लिए 279 उम्मीदवारों में सिर्फ 9 महिलाएं मैदान में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 31 अगस्त। जम्मू कश्मीर में 18 सितंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण में कुल नौ महिला उम्मीदवार मैदान में हैं। नौ महिला उम्मीदवारों में से पांच कश्मीर संभाग से चुनाव लड़ रही हैं, जबकि चार जम्मू संभाग से हैं। कश्मीर संभाग से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों में राजपोरा पुलवामा सीट पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की डेजी रैना, अनंतनाग पश्चिम से निर्दलीय गुलशन अख्तर, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के टिकट पर बिजबेहरा-श्रीगुफवारा निर्वाचन क्षेत्र से इल्तिजा मुफ्ती, कुलगाम से निर्दलीय अफरोजा बानो और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के टिकट पर डीएच पोरा निर्वाचन क्षेत्र से सकीना मसूद इटू शामिल हैं। जम्मू संभाग से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में भद्रवाह से बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की मीनाक्षी भगत, डोडा पश्चिम से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मीनाक्षी कालरा, एनसी टिकट पर पद्दर-नागसानी से पूजा ठाकुर और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर किश्तवाड़ से शगुन परिहार शामिल हैं।

मीनाक्षी भगत ने इस संवाददाता को बताया कि वह पहली बार चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन अगर वह चुनी जाती हैं, तो वह महिलाओं के लिए बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं पुलिस और महिलाओं के बीच की खाई को पाटने का काम करूंगी, क्योंकि महिलाएं आमतौर पर अपने मुद्दों को पुलिस के संज्ञान में लाने से डरती हैं।

पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेकां नेता सकीना इटू ने कहा कि उनकी पार्टी ने अपने घोषणापत्र में महिलाओं के लिए कई पहलों को शामिल किया है और एक बार जब वे सरकार बनाते हैं, तो वे महिलाओं के अनुकूल उपायों को प्राथमिकता देंगे। डोडा से एक स्वतंत्र उम्मीदवार मीनाक्षी कालरा ने कहा कि वह जिस क्षेत्र से चुनाव लड़ रही हैं, वह बहुत अविकसित है और अगर वह सत्ता में आती हैं, तो वह क्षेत्र के अधिकारों और विकास के लिए लड़ेंगी।

अन्य महिला उम्मीदवारों ने भी इसी तरह की भावनाएं दोहराईं, उन्होंने कहा कि महिलाएं अभी भी कई क्षेत्रों में पिछड़ रही हैं, और वे हर मोर्चे पर महिला सशक्तिकरण के लिए लड़ेंगी। विशेष रूप से, 18 सितंबर 2024 को होने वाले जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव के चरण-1 के दौरान 23.27 लाख से अधिक मतदाता, जिनमें 11.76 लाख पुरुष मतदाता, 11.51 लाख महिला मतदाता और 60 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं, अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। इसके अतिरिक्त, 5.66 लाख युवा मतदाता भी मतदान करने के पात्र हैं। चरण-1 के लिए अधिसूचना 20 अगस्त 2024 को जारी की गई थी, और चरण-1 के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 अगस्त 2024 दोपहर 3:00 बजे तक थी।

चंपई सोरेन के बाद लोबिन हेम्ब्रम भाजपा में शामिल

रांची, 31 अगस्त (एजेंसियां)। चंपई सोरेन के बाद अब लोबिन हेम्ब्रम ने भी भाजपा का हाथ थाम लिया है। हाल ही में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक लोबिन हेम्ब्रम को छह साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया था। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से निष्कासित नेता लोबिन हेम्ब्रम के पार्टी में शामिल होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ मंच साझा किया।

गौरतलब है, 30 अगस्त को चंपई सोरेन ने झामुमो से इस्तीफा देने के बाद आधिकारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। सोरेन बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ यहां आयोजित एक समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। केंद्रीय मंत्री सिंह ने टाइगर जिंदा है कहते हुए पार्टी में उनका स्वागत किया था। इस मौके पर वरिष्ठ आदिवासी नेता (67) भावुक नजर आए। दरअसल, सोरेन झारखंड में कोल्हान टाइगर के नाम से भी मशहूर हैं।

भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा था, जब दिल्ली और कोलकाता में झारखंड सरकार की ओर से मेरी जासूसी की गई, तो भाजपा में शामिल होने का मेरा संकल्प मजबूत हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा आदिवासियों की पहचान बचा सकती है और झारखंड के संथाल परगना में घुसपैठ रोक सकती है।

चंपई सोरेन ने यह आरोप लगाते हुए कि कांग्रेस ने आदिवासी पहचान को खतरे में डाल दिया है, उन्होंने कहा था, मैं लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैंने झामुमो को अपने खून-पसीने से सींचा, लेकिन मुझे अपमानित किया गया। मैं भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर हूं। मुझे अब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सदस्य होने पर गर्व है। मैं अपमान और जासूसी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं था।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

पहले चरण के लिए सुरक्षाबलों की तैनाती शुरू

जम्मू, 31 अगस्त (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त कंपनियों का पहुंचना शुरू हो गया है। पहला चरण 18 सितंबर से शुरू होगा।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कंपनियों को वापस बुला लिया है, जिन्हें जून में श्री अमरनाथ जी तीर्थयात्रा के लिए भेजा गया था। इन बलों को अब 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होने वाले आगामी चुनावों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जा रहा है।

पहले से मौजूद बलों के साथ-साथ सीएपीएफ की और भी इकाइयां केंद्र शासित प्रदेश में भेजी जा रही हैं। कुछ पहले ही पहुंच चुकी हैं, जबकि अन्य के आने वाले दिनों में पहुंचने की उम्मीद है। अर्धसैनिक बल विभिन्न कर्तव्यों को संभालेंगे, जिसमें क्षेत्रों में गश्त करना, मतदान केंद्रों पर तैनात रहना और चुनावी रैलियों के लिए स्थानों की सुरक्षा करना शामिल है। जम्मू जिलों के पहाड़ी इलाकों में तैनाती विशेष रूप से मजबूत होगी, जिन्हें विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के कारण संवेदनशील माना जाता है। चुनावी रैलियों की संख्या, विशेष रूप से हाई-प्रोफाइल नेताओं द्वारा संबोधित की जाने वाली रैलियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। सुरक्षा बल इन आयोजनों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक सुरक्षा अधिकारी बताया कि रैलियों की संख्या में वृद्धि और कुछ क्षेत्रों की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए, शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सीएपीएफ की अतिरिक्त तैनाती आवश्यक है। जेकेपी और अर्धसैनिक बलों के संयुक्त प्रयासों का उद्देश्य मजबूत सुरक्षा उपस्थिति बनाए रखना है, ताकि चुनाव सुचारू रूप से और सुरक्षित रूप से संपन्न हो सकें।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव : 50 पार का लक्ष्य साधने में लगी है भाजपा

आरएसएस और सहयोगी संगठन भी मुहिम में शामिल

जम्मू/श्रीनगर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा के पचास प्लस का लक्ष्य साधने में उसके सहयोगी संगठन भी जुट गए हैं। भाजपा से जुड़े संगठन नुक्कड़ नाटक, स्किट, पर्चा वितरण, रैली, बैठकें, चाय पर चर्चा और युवा चौपाल कार्यक्रमों से लोगों के बीच राष्ट्रवाद जगा रहे हैं। इसके साथ ही अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद बदले जम्मू-कश्मीर की तस्वीर भी दिखा रहे हैं।

बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की जम्मू के केशव भवन में हुई बैठक में भाजपा के सहयोगी संगठनों को चुनाव में विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि सितंबर के पहले सप्ताह से जम्मू-कश्मीर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में मतदाता जागरूक अभियान शुरू किया जा रहा है। लाखों युवाओं को राष्ट्रवाद विचारधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक जिले के लिए बनाई गई हैं टीमें जागरूकता अभियान में पाकिस्तान समर्थक एजेंडों का विरोध किया जा रहा है। खासतौर पर पहली बार बने युवा मतदाताओं का राष्ट्रवाद पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस अभियान के लिए प्रत्येक जिले में 20 से 30 कार्यकर्ताओं की टीमें बनाई गई हैं।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) भी अपने स्तर पर राष्ट्रवाद का प्रचार कर रही है। संगठन के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि चुनाव में किसी विशेष पार्टी के पक्ष में वोट मांगने के बजाय हमें राष्ट्रवाद का प्रचार करने को कहा गया है। इसमें मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया जा रहा है। इसी तरह आरएसएस की ओर से नियमित बैठकों में राष्ट्रवाद पर रणनीति बनाई जा रही है। प्रदेश भाजपा की ओर से विधानसभा चुनाव के लिए वरिष्ठ नेताओं को कई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पार्टी की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में यह जिम्मेदारियां देकर चुनाव प्रबंधन को मजबूत बनाया जा रहा है। पार्टी चुनाव में 50 प्लस के लक्ष्य को लेकर काम कर रही है।

त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में वीरवार को सह प्रभारी जम्मू कश्मीर भाजपा आशीष सूदन और महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने प्रभारियों और प्रकोष्ठ प्रभारियों के साथ बैठक कर विधानसभा चुनाव की तैयारी की समीक्षा की। इस दौरान वीनू खन्ना को चुनाव कार्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह अभिजीत जसरोटिया को सोशल मीडिया प्रभारी, रजनी सेठी को भाजपा संगठनात्मक जिला किश्तवाड़ की देखरेख करने, बलदेव सिंह बिलावरिया को भाजपा संगठनात्मक जिला डोडा की देखरेख करने, एडवोकेट अभिनव शर्मा को भाजपा संगठनात्मक जिला रियासी की, वेद प्रकाश को भाजपा संगठनात्मक जिला अखनूर की देखरेख करने को कहा है। नारायण सिंह, केशव दत्त, अमर सिंह भाजपा संगठनात्मक जिला सांबा की जिम्मेदारी संभालेंगे। विनय गुप्ता, रवि बख्शी भाजपा संगठनात्मक जिला जम्मू उत्तर की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रदीप शर्मा पुंछ और मेंढर की जिम्मेदारी संभालेंगे। संजीत शर्मा को बसोहली का जिला प्रभारी बनाया गया है। मनमोहन सिंह और कैप्टन शोभा राम को अखनूर का जिला प्रभारी बनाया गया है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रफीक मलिक ने वीरवार को कहा कि लोजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने विधानसभा चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा और तैयारी से अवगत करा दिया है। इस संबंध में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद कुमार वाजपेयी एक सितंबर को जम्मू-कश्मीर का दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह जम्मू-कश्मीर इकाई के संभावित उम्मीदवारों के साथ बैठक कर जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव लड़ने पर निर्णय ले सकते हैं।

शांत नहीं हो रहा भाजपा का बवाल, कई नेताओं का इस्तीफा

जम्मू, 31 अगस्त (एजेंसियां)। टिकट बंटवारे के बाद भाजपा में उठा तूफान तमाम डैमेज कंट्रोल के जतन के बाद भी थम नहीं रहा है। जम्मू में अब इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। पार्टी में लंबे समय से काम करने वालों को दरकिनार करने का आरोप लगाते हुए जम्मू में चंद्रमोहन शर्मा और सांबा में जिलाध्यक्ष कश्मीरा सिंह ने इस्तीफा दे दिया। नाराज नेताओं और उनके समर्थकों को मनाने की कमान खुद राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र रैना ने संभाल रखी है। ज्ञात हो कि इससे पहले कश्मीर में भाजपा की पहली महिला डीडीसी मिन्हा ने इस्तीफा दिया था। भाजपा के वरिष्ठ नेता चंद्रमोहन ने शुक्रवार को इस्तीफे का ऐलान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वह पार्टी से पिछले पचास सालों से जुड़े हुए हैं। कई अहम पदों पर रहे और पार्टी की हर जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाया। लेकिन आज मौजूदा पार्टी नेतृत्व पुराने चेहरों को नजरअंदाज करके नए लोगों को पार्टी में लाने को तवज्जो दे रहा है। ये लोग पार्टी के सिद्धांतों को भूल गए हैं।

हम पार्टी के सच्चे सिपाही रहे हैं। हमने रविवार को बैठक बुलाई है, जिसमें समर्थकों से सलाह मशविरा किया जाएगा। उन्होंने जम्मू ईस्ट से निर्दलीय रूप में लड़ने की बात कही। लेकिन यह भी कहा कि वह सच्चे भाजपा के सिपाही के तौर पर मैदान में उतरेंगे। वहीं, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट कणव शर्मा ने भी प्रदेशाध्यक्ष अरुण प्रभात सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद कपाही को पत्र लिखकर अपने और टीम सदस्यों का इस्तीफा दिया है। उनका आरोप है कि नेकां, कांग्रेस और भाजपा की सोच में अब कोई फर्क नहीं है। पुराने लोगों के राजनीतिक अनुभव को नजरअंदाज किया जा रहा है।

उधर, सांबा के जिला अध्यक्ष कश्मीरा सिंह ने टिकट न मिलने पर पार्टी से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इससे सांबा में भाजपा का झटका लगा है। उन्होंने पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह 40 वर्ष से पार्टी का झंडा लेकर चल रहे थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी की विचारधारा को लेकर चल रहे थे। लेकिन भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल कर उन्हें टिकट दिए हैं, जिनके खिलाफ भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर आते थे। ऐसे लोगों के साथ वह काम नहीं कर सकते हैं। अब आम लोगों से बात कर अगली रणनीति बनाई जाएगी।

जम्मू उत्तर, खौड़, छंब, जम्मू पूर्व सहित जम्मू संभाग के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को दावेदार उम्मीदवारों को टिकट न देने का विरोध झेलना पड़ रहा है। आगामी दिनों में भी कई अन्य नेताओं के इस्तीफे हो सकते हैं। इस बीच सांसद जुगल किशोर शर्मा ने कटड़ा में पहुंचकर दावेदार रोहित दुबे को समझाने का प्रयास किया। भाजपा की पहली सूची में दुबे का नाम था, लेकिन संशोधित सूची में काटकर बलदेव राज को शामिल कर लिया गया। इससे श्री माता वैष्णो देवी की सीट पर कटड़ा में भाजपा बंट गई है। पार्टी के रूठे नेताओं को तो किसी तरह से मनाया जा रहा है। लेकिन उनके समर्थकों को मनाने में पार्टी नेतृत्व के पसीने छूट रहे हैं। टिकटों के आवंटन के बाद उपजे विरोध स्वर को शांत करने के लिए भाजपा को डैमेज कंट्रोल में सफलता नहीं मिल पा रही है। प्रदेशाध्यक्ष के साथ सांसद और अन्य वरिष्ठ नेता रुठे नेताओं को मनाने में जुटे हैं। इनमें किसी तरह से दबाव या अन्य स्त्रोतों से ऐसे नेताओं को शांत तो कर दिया जा रहा है, लेकिन उनके समर्थक मानने को तैयार नहीं हैं।

यूपी पुलिस आरक्षी नागरिक परीक्षा

कड़ी सुरक्षा में सकुशल सम्पन्न हुई यूपी की सबसे बड़ी परीक्षा

सीएम योगी के फूलप्रूफ प्लान को भेद नहीं पाया पेपर लीक और सॉल्वर गैंग

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षा आखिरकार शनिवार को सकुशल सम्पन्न हो गई। इस परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए योगी सरकार ने ऐसी पुख्ता तैयारी की, जो पूरे देश के लिए एक नजीर बन गई। परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए सरकार ने मैनपावर से लेकर एडवांस टेक्नोलॉजी तक का उपयोग किया। परीक्षा केंद्र के अंदर और बाहर सुरक्षा के ऐसे कड़े इंतजाम रहे कि नकलची और सॉल्वर गैंग ने पूरी परीक्षा से ही दूरी बना ली। योगी सरकार ने पेपर लीक को लेकर परीक्षा से पहले जो कानून सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम-24 बनाया, उसका भी असर देखने को मिला। इसके अलावा यूपी पुलिस ने वॉट्सएप से लेकर सोशल मीडिया तक अपनी पैनी नजर बनाए रखी। खुफिया एजेंसियों को 24 घंटें अलर्ट मोड में रखा गया, ताकि कहीं कोई कमी न रह जाए। दो चरणों में 5 दिन तक चली इस परीक्षा में 32 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। इस दौरान योगी सरकार के अभूतपूर्व इंतजामों के बीच पारदर्शिता और शुचिता का भी पूरा ध्यान रखा गया। इसके लिए परीक्षा को सरकारी स्कूलों पर ही सम्पन्न कराया गया। परीक्षा के आयोजन में सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का पालन किया गया, जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। इसके लिए 2300 मजिस्ट्रेट और 1,97,859 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस सीसीटीवी का प्रयोग किया गया।

सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए 1174 केंद्रों के 16,440 कमरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए, जो आर्टिफिशियल इंजेलिजेंस से आच्छादित थे। इससे हर परीक्षा कक्ष की गतिविधियां, जैसे कक्ष निरीक्षक का भ्रमण न करना आदि की सूचना रियल टाइम पर बोर्ड के कंट्रोल रूम में पहुंचती रही। वहीं कहीं कोई संदेह होने पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट को तत्काल जानकारी दी गई। वहीं बोर्ड द्वारा परीक्षा से पहले ही 48 लाख से अधिक कैंडीडेट्स का आधार सत्यापन कराया गया। इसमें 85 प्रतिशत कैंडिडेट का आधार सत्यापित हुआ जबकि शेष 15 प्रतिशत कैंडिडेट का आधार सत्यापित न होने पर उन्हे ईकेवाईसी के लिए केंद्र पर परीक्षा से आधा घंटे पहले बुलाया गया। यह उनके एडमिट कार्ड पर प्रेषित किया गया। इससे फर्जी जानकारी देने वाले अभ्यर्थी हतोत्साहित हो गए और उन्होंने परीक्षा से दूरी बना ली। इतना ही नहीं सीएम योगी की मंशा के अनुरूप शुचितापूर्ण परीक्षा कराने के लिए अभ्यर्थियों का डाटा एनालिसिस किया गया। ऐसे में हर शिफ्ट में पेपर शुरू होने के आधे घंटे के अंदर डाटा मैच किया गया। वहीं डाटा मिस मैच मिलने पर ऐसे अभ्यर्थियों की सूची नोडल अधिकारी को दी गई। इस पर एग्जाम देने के बाद संदिग्धों को दबोच लिया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की अलर्टनेस और चाक-चौबंद व्यवस्था का ही नतीजा रहा कि परीक्षा के दौरान एक परिंदा भी पर नहीं मार पाया।

सीएम योगी ने अभ्यर्थियों को दी बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के सकुशल सम्पन्न होने पर अभ्यर्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा, आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,200 से अधिक पदों पर चयन के लिए आयोजित लिखित परीक्षा-2023 के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने की सभी अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई! परीक्षा में सहभागिता करने वाले सभी ऊर्जावान और अनुशासित युवाओं को मनोनुकूल परिणाम प्राप्त हों, सभी का भविष्य उज्ज्वल हो, इस हेतु अनंत मंगलकामनाएं! विश्व की सबसे बड़ी सिविल पुलिस भर्ती परीक्षा को सफलतापूर्वक, सकुशल सम्पन्न कराने में सहयोगी सभी जनों, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड और समस्त जनपदों के जिला प्रशासन को हृदय से धन्यवाद!

पुलिस भर्ती परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए 1,97,859 पुलिसकर्मियों और दो कंपनियों को तैनात किया गया। इसमें पीएसी की 25 और सीएपीएफ की 8 कंपनियों को तैनात किया गया। वहीं 137 अपर पुलिस अधीक्षक, 522 पुलिस उपाधीक्षक, 47,587 मुख्य आरक्षी, 86,844 आरक्षी और 26,582 महिला आरक्षी को तैनात किया गया। इसके अलावा 3876 निरीक्षक भी तैनात किए गए, जिसमें 3740 पुरुष और 136 महिला निरीक्षक शामिल हैं। इसके साथ ही 32,311 उपनिरीक्षक को तैनात किया गया। इसमें 30,220 पुरुष और 2091 महिला उपनिरीक्षक शामिल हैं। इतना ही नहीं परीक्षा केंद्रों पर 74 ऑब्जर्वर पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया।

परीक्षा को पारदर्शी बनाने एवं सही अभ्यर्थियों को प्रवेश देने के लिए तकनीक का प्रयोग किया गया। इसके लिए परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की चेकिंग, फ्रिस्किंग एवं पर्यवेक्षण की उचित व्यवस्था की गई थी। केंद्र पर अभ्यर्थियों फिजिकल फ्रिस्किंग, एचएचएमडी द्वारा फ्रिस्किंग, बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट एवं फेशियल रिकॉग्निशन के बाद ही प्रवेश दिया गया। वहीं फेशियल रिकॉग्निशन न होने पर एफआरआईएस कैप्चर करने की भी व्यवस्था की गई। फेशियल रिकॉग्निशन में संशय होने पर अभ्यर्थी का आधार वेरिफिकेशन कराया गया। इसके अलावा सभी केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे मोबाइल, ब्लूटूथ को निष्क्रिय करने के लिये जैमर लगाए गए। परीक्षा कक्ष एवं केंद्र में सीसीटीवी लगाकर निगरानी की गई, जिसका लाइव फीड केंद्र के कंट्रोल रूम, जनपद के कंट्रोल रूम एवं भर्ती बोर्ड मुख्यालय के कंट्रोल रूम में पहुंचता रहा।

पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए 67 जिलों के जिन थाना क्षेत्रों में परीक्षा केंद्र बनाए गए, वहां यूपी-112 पीआरवी के वाहनों के चार्ट में परीक्षा केंद्र के आस-पास के महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया गया। इन स्थानों पर लगातार पीआरवी की मूवमेंट रही ताकि असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए अभिसूचना विभाग, एसटीएफ तथा जनपदीय पुलिस द्वारा परस्पर उच्च स्तरीय समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। इतना ही नहीं परीक्षा केंद्रों के आस-पास ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल, आईटी गैजेट्स एवं अन्य आपत्तिजनक सामग्री ले जाने के संबंध में दिए गए गाइडलाइन का पूर्णतः पालन सुनिश्चित कराया गया। वहीं परीक्षा केंद्रों के प्रवेश स्थलों पर अभ्यर्थियों की तलाशी में सहयोग के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी (महिला / पुरुष कर्मी) तैनात किए गए। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के आस-पास स्थित फोटोकॉपी मशीन की दुकानों, साइबर कैफे, मोटरसाइकिल स्टैंड आदि के आस-पास विशेष निगरानी रखी गई। साथ ही केंद्र के आस-पास की फोटो कॉपी मशीन दुकान और साइबर कैफे को बंद कराया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) के अध्यक्ष राजीव कृष्णा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप परीक्षा के लिए विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की तैनाती की गई। वहीं जनपद स्तर पर जिलाधिकारी जनपदीय पर्यवेक्षक (मजिस्ट्रेट) के रूप में तैनात रहे। उनके द्वारा परीक्षा केंद्र ड्यूटी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती समेत अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाएं की गयीं। इसके तहत जिलाधिकारी द्वारा हर सेंटर पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट के साथ सहायक केंद्र पर्यवेक्षक की तैनाती की गई। इसके अलावा अपर जिलाधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी (प्रशासन) के रूप में नियुक्त किया गया जबकि 3 परीक्षा केंद्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई। इतना ही नहीं नकल विहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए उड़ान दस्तों को मुस्तैद किया गया। वहीं केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर की तैनाती की गई। प्रदेश के जिन सेंटर पर नौ सौ से अधिक अभ्यर्थी थे, वहां पुलिस उपाधीक्षक को तैनात किया गया। वहीं नौ सौ से कम अभ्यर्थी वाले सेंटर पर इंस्पेक्टर और सात सौ तक अभ्यर्थी वाले सेंटर पर सब इंस्पेक्टर को नियुक्त किया गया। परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्र पर नियुक्त कर्मियों में से 50 प्रतिशत जिलाधिकारी और शेष 50 प्रतिशत केंद्र व्यवस्थापक (प्रधानाचार्य) द्वारा नियुक्त किए गए। इनमें परीक्षा सहायक प्रथम एवं द्वितीय जिलाधिकारी और केंद्र व्यवस्थापक द्वारा नियुक्त किए गए जबकि 12 अभ्यर्थियों पर एक अंतरीक्षक को तैनात किया गया।

प्रेमियों के उकसावे पर दोनों सहेलियों ने की थी आत्महत्या

फर्रुखाबाद, 31 अगस्त (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद में पेड़ पर दुपट्टे के फंदे पर लटके मिले दो सहेलियों के शव के मामले में पुलिस का दावा है कि प्रेम संबंध बरकरार रखने के दबाव में दोनों सहेलियों ने आत्महत्या की है। सहेलियों को आत्महत्या के लिए उकसाने में पुलिस ने दोनों प्रेमी युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पांच माह से सहेलियों का दोनों युवकों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजन इसका विरोध कर रहे थे।

कायमगंज कोतवाली क्षेत्र की अनुसूचित जाति की युवती (18) और उसकी सहेली (17) एक साथ 26 अगस्त की रात जन्माष्टमी को गांव के मंदिर में जागरण का कार्यक्रम देखने के गई थी। वहां से वह बुआ के घर जाने की बात कहकर निकल आईं। देर रात तक वे घर नहीं पहुंची। खोजबीन करने पर व्यापारी नेता के बाग में 27 अगस्त की सुबह दोनों सहेलियों के शव दुपट्टे के फंदे से पेड़ पर लटके मिले थे। एक सहेली के पिता ने हत्या का आरोप लगाया था। पैनल से हुए पोस्टमार्टम में दोनों सहेलियों की मौत फंदा लगने से दम घुटने के कारण होना बताई गई थी। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए दोनों की स्लाइड बनाकर सुरक्षित की गई थी।

एसपी आलोक प्रियदर्शी ने जारी प्रेस नोट में बताया कि गुरुवार रात पुलिस ने युवती के पिता की तहरीर पर गांव के पवन व कंपिल थाना क्षेत्र के गांव भैसार धर्मपुर निवासी दीपक के खिलाफ दोनों सहेलियों को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज किया था। दोनों युवक कपड़े सिलाई का काम करते हैं। पांच माह से दोनों के प्रेम संबंध थे, जिसका परिजन विरोध कर रहे थे।

जन्माष्टमी वाले दिन परिजनों के साथ पुत्री व उसकी सहेली मंदिर में कार्यक्रम देखने गई थीं। परिजन रात को एक बजे घर आ गए, लेकिन पुत्री व सहेली घर नहीं आईं। खोजबीन करने पर रात में उनका पता नहीं चला। सुबह दोनों के शव दुपट्टे से फंदे पर लटके मिले थे। पुलिस को मौके से एक मोबाइल और एक सहेली के कपड़ों से सिम बरामद मिला था। जांच में पता चला कि यह सिम दीपक के नाम पर है। दीपक और उसका साथी पवन दोनों से बात करते थे। पुलिस ने दोनों युवकों को पकड़ा तो मामले की परतें खुलने लगीं।

युवती के पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों युवकों पर पुत्री और उसकी सहेली को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को पवन व दीपक को कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। दीपक की सिलाई की दुकान पर पवन भी काम करता है। दोनों सहेलियां उन्हीं की दुकान में सलवार सूट सिलवाने के लिए पहुंचीं थीं। 24 अप्रैल से ही दोनों सहेलियों की पहली बार युवकों से फोन पर बातचीत हुई थी। इसके बाद से बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। 15 मई को दीपक ने अपने नाम से सिम खरीदकर युवती को दिया था। दोनों सहेली चाचा व अन्य परिजनों का मोबाइल मांगकर दीपक का दिया हुआ सिम डालकर बात करती थीं। बात करने के बाद वह मोबाइल से डाटा डिलीट कर देतीं थीं। कुछ समय पहले सहेलियों के परिजनों को इसकी जानकारी हो गई। ऐसे में दोनों सहेली पवन व दीपक से दूरी बनाने की बात कह रही थीं। पवन व दीपक उनसे मिलने व बात करने का दबाव बना रहे थे। जन्माष्टमी की रात को भी पवन व दीपक ने मोबाइल पर बात कर मिलने का दबाव बनाया था।

अब यूपी में भी कोलकाता जैसी दरिंदगी का प्रयास

मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से हैवानियत की कोशिश

जालौन, 31 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक के साथ दरिंदगी का मामला अभी शांत नहीं हुआ है कि इसी बीच यूपी में जालौन के मेडिकल कॉलेज के आवासीय क्षेत्र में महिला डॉक्टर से अभद्रता की गई। आरोपी लिपिक को निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित डॉक्टर ने पूरी घटना पर आगरा में अपने बयान दर्ज कराए हैं।

मेडिकल कॉलेज के कैंपस के अंदर 19 अगस्त को एक महिला डॉक्टर के कमरे में मेडिकल कॉलेज में तैनात लिपिक ललित कुमार नशे की हालत में हाथ में राखी लेकर पहुंचा और उनका दरवाजा खटखटाया। महिला डॉक्टर का आरोप है कि जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला तो आरोपी लिपिक ने उनका हाथ पकड़ कर खींच लिया। उन्होंने किसी तरह हाथ छुड़ाकर अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी और पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया था। मामला तूल पकड़ता देख मेडिकल कालेज प्रबंधन ने आरोपी लिपिक को निलंबित कर दिया। जबकि घटना के बाद से ही महिला डॉक्टर अपने घर आगरा में है। चौकी प्रभारी महिला डॉक्टर का बयान दर्ज करवाने के लिए आगरा गए हैं।

कोतवाल अजय ब्रह्म तिवारी का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्जकर ली गई है। एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि महिला डॉक्टर द्वारा शिकायत की गई थी, जिस पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन द्वारा आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। जांच में अन्य कोई वजह सामने नहीं आई है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी का कहना है कि घटना पुलिस के संज्ञान में हैं, जांच चल रही है। किसी भी तरह का बयान देना उचित नहीं है। मेडिकल कालेज में जूनियर डॉक्टर के साथ हुई अभद्रता की घटना कालेज प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है। आनन फानन में बाबू का निलंबन कर पूरे मामले में पर्दा डालने की कोशिश की गई। लेकिन मामला उजागर होने पर मेडिकल प्रशासन की खूब किरकिरी हो रही है।

जिले के मुख्यालय उरई स्थित राजकीय मेडिकल कालेज परिसर में यहां पढ़ने वाले छात्र छात्राएं रहते हैं। 19 अगस्त को एक जूनियर डॉक्टर अपने रूम में थी। तभी वहां तैनात लिपिक ललित कुमार ने जाकर उसका दरवाजा खटखटाया। जैसे ही डॉक्टर ने दरवाजा खोला तो उसने महिला डॉक्टर के साथ अभद्रता कर दी।

उपराष्ट्रपति करेंगे पूर्वी यूपी के पहले सैनिक स्कूल का लोकार्पण

सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक है गोरखपुर का सैनिक स्कूल

गोरखपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक और पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सैनिक स्कूल का लोकार्पण उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ करेंगे। सैनिक स्कूल गोरखपुर के लोकार्पण के लिए 7 सितंबर की तारीख संभावित है। इस अवसर पर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी उपस्थित रहेंगी। लोकार्पण को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू हो गई हैं।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल खाद कारखाना परिसर में आवंटित 49 एकड़ भूमि पर बना है। 176 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले इस स्कूल का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 23 जुलाई 2021 को किया था। युवाओं को शिक्षा, देश की रक्षा के ध्येय से इस शैक्षिक प्रकल्प में कक्षा 6 से 12 तक बालक-बालिकाओं को आवासीय व्यवस्था के तहत शिक्षा प्रदान की जाने की व्यवस्था है। प्रवेश परीक्षा के जरिये कक्षा 6 और 9 में दाखिला लेने के बाद इस सैनिक स्कूल में पहली जुलाई से पढ़ाई शुरू हो चुकी है। प्रथम चरण में इस स्कूल में कक्षा 6 और 9 में 84-84 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। इनमें कुल मिलाकर 40 छात्राएं और 128 छात्र हैं। यहां छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग कैंपस हैं। स्कूल का प्रशासनिक भवन प्राचीन भारतीय संस्कृति व परंपरा का दर्शन कराते है। सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों के खेलकूद की गतिविधियों के लिए खेलों के कई कोर्ट व मैदान भी विकसित किए गए हैं।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल सीएम योगी के दिल के बहुत करीब है। इसके शिलान्यास के बाद भी वह कई बार इसके निर्माण कार्यों का भौतिक निरीक्षण करने आते रहे हैं। उन्होंने सैनिक स्कूल का उपहार देकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के मेधावियों को सैन्य सेवाओं में जाने के लिए एक सशक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराया है। पूर्वी उत्तर के इस सैनिक स्कूल से सैन्य सेवाओं में अवसर के लिए क्षेत्रीय संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

सैनिक स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कर उन्हें भारतीय सशस्त्र सेनाओं के अधिकारी वर्ग में चयन के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के लिए तैयार करना होता है। सामान्य विद्यालयों से अलग संकल्पना वाले इस स्कूल में प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया में बच्चों की बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और चिकित्सकीय क्षमता का भी विशिष्ट रूप से आकलन किया जाता है। इसका पूरा पैटर्न सैन्योन्मुखी शिक्षा पर आधारित है। सैनिक स्कूल की समय सारिणी सेना में होने वाले प्रशिक्षण के अनुरूप होती है।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल यूपी सैनिक स्कूल सोसाइटी के अंतर्गत स्थापित होने वाला दूसरा विद्यालय है। यहां 20 क्लासरूम, 4 लैब्स, छात्रावास, डायनिंग हाल, मल्टीपर्पज हाल, कॉन्फ्रेंस हाल, 1014 सीटेड ऑडिटोरियम, योग सेंटर, इंडोर शूटिंग रेंज, इंडोर स्विमिंग पूल और सीएसडी कैंटीन की सुविधा है। इस सैनिक स्कूल में कुल प्रवेशित विद्यार्थियों को चार सदनों (हॉस्टल) में रखा गया है। इन सदनों का नामकरण शहीद भगत सिंह, शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, शहीद बंधु सिंह और रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर किया गया है। विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यवस्था अन्नपूर्णा भवन में की गई है। परिसर में क्रीड़ा गतिविधियों के लिए बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल, टेनिस, बैडमिंटन कोर्ट बनाए गए हैं।

अस्सी और नब्बे के दशक में गोरखपुर की पहचान अपराध की नर्सरी के रूप में रही है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में हासिल उपलब्धियों से बदनाम पहचान बदल गई है। अब गोरखपुर की पहचान विकास के मॉडल रूप में होती है। इस मॉडल में सैनिक स्कूल भी एक नगीने के रूप में है। यह स्कूल राष्ट्र रक्षा की नर्सरी बनेगा। इसके जरिये छात्र फौज में अफसर बनेंगे। देश की सीमाओं की रक्षा करेंगे।

नमामि गंगे के तहत यूपी के लिए मिली 5 परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली/लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में गंगा नदी के संरक्षण और सफाई के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रही योगी सरकार के प्रयासों को एक और कामयाबी मिली है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की 56वीं कार्यकारी समिति की बैठक में उत्तर प्रदेश के लिए 73.39 करोड़ रुपए की लागत वाली 5 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण और सफाई के लिए कदम उठाना है। ये परियोजनाएं गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और उसके इको-सिस्टम को सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

नमामि गंगे और आईआईटी बीएचयू के बीच संस्थागत ढांचे के तहत वाराणसी में स्मार्ट लैबोरेटरी फॉर क्लीन रिवर परियोजना के सचिवालय की स्थापना की जाएगी। यह परियोजना भारत में छोटी नदियों के कायाकल्प के लिए एक महत्वाकांक्षी और महत्त्वपूर्ण पहल है। इस तरह की परियोजना का उद्देश्य नदियों को उनके प्राकृतिक रूप में वापस लाना, जलस्रोतों की रक्षा करना और पर्यावरणीय संतुलन को बहाल करना है। इसमें विश्वव्यापी विशेषज्ञता और संधारणीय प्रथाओं का उपयोग करके पानी की गुणवत्ता में सुधार, जल प्रबंधन के स्थायी तरीके और स्थानीय समुदायों की भागीदारी जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के गुलावठी में एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय परियोजना को मंजूरी दी गई है, जिसका उद्देश्य गंगा की सहायक पूर्वी काली नदी के प्रदूषण को रोकना है। इस परियोजना के अंतर्गत इंटरसेप्शन एवं डायवर्जन के साथ ही 10 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रति दिन) क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का भी निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 50.98 करोड़ रुपए है, जिसमें अगले 15 वर्षों के लिए रखरखाव और प्रबंधन भी शामिल है। परियोजना की समयसीमा के अनुसार, राज्य सरकार को अगले 4 महीनों के भीतर इस परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करानी होगी।

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत रायबरेली के डलमऊ में गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने के लिए फीकल स्लज मैनेजमेंट परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के तहत 8 केएलडी क्षमता वाले प्लांट के साथ 15 किलोवाट के सोलर पॉवर प्लांट की भी स्थापना की जाएगी। यह परियोजना डीबीओटी मॉडल पर आधारित है, जिसकी कुल लागत 4.40 करोड़ रुपए है। परियोजना में इसके रखरखाव और प्रबंधन के लिए पांच साल तक की अवधि भी शामिल है। यह पहल गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने और स्थानीय समुदाय को स्वच्छता सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन पर अर्थ गंगा केंद्र की स्थापना और स्टेशन की ब्रांडिंग की परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की कुल लागत 1.80 करोड़ रुपए होगी, जिसमें 68.70 लाख रुपए अगले पांच सालों तक इसके रखरखाव और प्रबंधन के लिए खर्च किए जाएंगे। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि गंगा बेसिन के हर राज्य में अर्थ गंगा केंद्रों का निर्माण किया जाना चाहिए। इस अर्थ गंगा केंद्र का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ मेला और उसके बाद लोगों में गंगा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है।

वहीं, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से ऊपरी गोमती नदी बेसिन में निचले क्रम की धाराओं और सहायक नदियों के कायाकल्प की योजना को भी मंजूरी दी गई। इस परियोजना की अनुमानित लागत 81.09 लाख रुपए है। यह परियोजना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि छोटी नदियां और धाराएं बड़ी नदियों के जल प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण होती हैं।

बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने की। बैठक में एनएमसीजी के उपमहानिदेशक नलिन श्रीवास्तव, ईडी (प्रोजेक्ट) ब्रिजेन्द्र स्वरूप, ईडी (तकनीकी) अनिल कुमार सक्सेना, ईडी (एडमिन) एसपी वशिष्ठ, ईडी (फाइनेंस) भास्कर दासगुप्ता और जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण, जल शक्ति मंत्रालय की संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार ऋचा मिश्रा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे

पृथ्वी का स्वर्ग हांग चओ शहर

चीन एक बहुत प्राचीन देश है और बहुत से शहर हजारों वर्षों के विकास के चलते अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं । प्राचीन शहर हांग चओ उन में से एक माना जाता है । इसी शहर के दौरे से आप को गाढे प्राचीन चीनी सांस्कृतिक वातावरण का आभास अवश्य ही महसूस हो सकता है ।

हांग चओ शहर दक्षिण पूर्वी चीन के समुद्रतट पर स्थित है , उस का इतिहास आज से कोई दो हजार दो सौ वर्ष पुराना है । चीन में यह कहावत आज तक भी लोगों के जुबान पर है कि आकाश पर स्वर्ग है , जबकि पृथ्वी पर हांग चओ शहर मौजूद है , मतलब है कि हांग चओ शहर चीनी लोगों के दिलों में एक कितना सुंदर शहर है । पर आज के इस कार्यक्रम में हम आप के साथ इस पूरे शहर के दौरे के बजाये सिर्फ एक पुरानी सड़क हो फांग देखने जा रहे हैं । हो फांग सड़क हांग चओ शहर के प्रसिद्ध पर्वत ऊ शान की तलहटी में खडी हुई है और वह हांग चओ शहर की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सूरत की अभिव्यक्ति करने वाली सड़कों में से भी है ।

हो फांग सड़क की लम्बाई 460 मीटर है और चौड़ाई 12 मीटर । यह शहर आज से कोई 880 साल पहले के दक्षिण सुंग राजवंश की राजधानी था और हो फांग सड़क तत्कालीन सांस्कृतिक व व्यापारिक केंद्र रहा था । अत: आज भी इस हो फांग सड़क के दोनों किनारों पर प्राचीन वास्तु शैलियों से संपन्न निर्माण शान से दिखाई देते हैं , और तो और काष्ठ से बनवाये गये मकान बहुत सुसंगठित रूप से खड़े हुए हैं । सड़क के दोनों किनारों पर डिपार्टमेंट स्टोर और दवा दारू दुकानें केंद्रित रूप से नजर आती हैं , इस के अतिरिक्त लोक कलाकार तत्स्थल पर अपनी कुशलता दिखाते हैं । हो फांग मोहल्ला प्रबंधन कमेटी में कार्यरत सुश्री शान श्येन फिंग ने इस सड़क का परिचय देते हुए कहा

हमारी मोहल्ला प्रबंधन कमेटी भिन्न भिन्न मौसम के मुताबिक विशेष मनोरंजक गतिविधियां चलाती है । समलन वसंतोत्सव के उपलक्ष में मंदिरों में मेला आयोजित होने की परम्परा बनी हुई है , आम तौर पर वसंतोत्व के प्रथम दिन से 15वें दिन तक के दौरान बराबर नाना प्रकार वाली गतिविधियां होती रही हैं । ऐसे मौके पर परम्परागत संस्कृतियां और विशेष रीति रिवाज देखने को मिलते हैं । पर्यटक सकड़ पर घुमते हुए रंगीन पुराने सांस्कृतिक वातारण में रंगे भी हो जाते हैं ।

हो फांग मोहल्ले में कुछ चाय घर अपनी विशेष पहचान बना लेते हैं , ऐसे चाय घरों में कार्यरत सेवक पुराने जमाने के लम्बे पोशाक पहनकर लम्बे मुंह वाले कांस्य केटली लिये ग्रहकों की सेवा करने में क्रियाशील दिखाई देते हैं । जबकि कपड़ों से सुसज्जित चाय घरों के मालिक तत्स्थल पर ग्राहकों के लिये लकड़ी चरखे से कातते हुए नजर आते है । इतना ही नहीं , मीठाई बेचने वाले भी पुराने जमाने के लम्बे कपड़े पहनकर सड़क पर चिल्लाते हुए भी ग्राहकों को मोह लेते हैं ।

पोताला महल के तलहटी में स्थित प्राचीन बर्फीला शहर

तिब्बती भाषा में बर्फका अर्थ है नीचला स्थान , पर यहां पर विशेष तौर पर पहाड़ी गढ़ के ठीक नीचे खड़े गांव को कहा जाता है । बर्फीला शहर पोताला महल के ठीक नीचे स्थित भवन निर्माण समूह ही है । जबकि बर्फीला शहर पोताला महल के पूरे भवन निर्माण समूह का एक संगठित भाग ही है , अत: उस का इतिहास पोताला महल जितना बराबर पुराना है ।

बर्फीले शहर का क्षेत्रफल करीब 50 हजार वर्गमीटर विशाल है , उस के प्रमुख भवनों में पुराने तिब्बत की स्थानीय सरकारी दफ्तर इमारत , लामाओं और कुलीनों के निवास स्थान , नीचले स्तर वाले कर्मचारियों , मजदूरों व नौकरों के मकान और कुछ सेवा संस्थापन व सहायक निर्माण शामिल हैं । तिब्बत स्वायत्त प्रदेश के सांस्कृतिक अवशेष ब्यूरो के उप प्रधान तान चंग लांग चेह ने इस का परिचय देते हुए कहा बर्फीला शहर विश्व सांस्कृतिक विरासतों में से एक पोताला महल का एक संगठित भाग ही है , इस में अत्यंत समृद्ध वास्तु निर्माण कला व सांस्कृतिक महत्व गर्भित है , साथ ही वह मेहनतकश जनता द्वारा इतिहास का सृजन किये जाने की सजीव अभिव्यक्ति ही नहीं , वह पुराने तिब्बती समाज , अर्थतंत्र व संस्कृति को पहचानने का महत्वपूर्ण ठोस नमूना और पुराने तिब्बत की सामंती भूदास व्यवस्था का प्रतिबिंब करने वाला एक झरोखा भी है । इधर सालों में संबंधित विभागों ने लगभग सात करोड़ चीनी य्वान जुटाकर बर्फीले शहर के 22 प्राचीन भवनों का संरक्षण किया या उन की मरम्मत की , साथ ही पोताला महस बर्फीले शहर की संरक्षण व प्रयोग रुपरेखा तैयार किया और जनसमुदाय के बीच हजार से अधिक प्राचीन सांस्कृतिक अवशेष और नाना प्रकार के तीन सौ तीस से अधिक मूल्यवान चित्र खरीद लिये हैं ।

रिपोर्ट के अनुसार बर्फीले शहर की प्रथम चरण की परियोजना पूरी होने के बाद बर्फीले शहर में पुराने तिब्बत की स्थानीय सरकारी संस्थाएं , जेल , कारावास और मौत की सजा देने के स्थल , कुछ उच्च स्तरीय अधिकारियों और कुलीनों समेत 11 प्राचीन भवन निर्माण पर्यटकों के लिये खुल गये हैं , जिस से बड़ी तादाद में देशी विदेशी पर्यटकों को मोह लिया जाता है । पोताला महल के बर्फीले शहर की अधिकारी सुश्री यांगचिनचोका ने इस का उल्लेख करते हुए कहा हम ने क्रमश: पोताला महल के बेमिसाल दुर्लभ वस्तु भवन , पश्चिम भारतीय सूत्र भवन और अनाज गोदाम जैसे तीन प्राचीन निर्माणों को पर्यटकों के लिये खोल दिया है । इसी बीच उक्त प्राचीन सांस्कृतिक अवशेषों का सहायत काम भी पूरा कर लिया है । नवनिर्मित बर्फीला शहर प्रदर्शन क्षेत्र उक्त प्राचीन भवनों के मूल रूपों को हू ब हू पुनर्निर्मित करने के सिद्धांत के अनुसार ऐतिहासिक सूरत को बनाये रखने के साथ साथ निखार में आया है , प्रदर्शनी भवनों व हालों में प्रदर्शित वस्तुओं व चित्रों ने तिब्बत में जमीन आस्मान का बड़ा परिवर्तन दर्शाया है । अभी तक हम ने विभिन्न क्षेत्रों से आये करीब एक लाख पर्यटकों का सत्कार किया है ।

अगर आप कुशल और बुद्धिमान हैं तो यहां दिए गए चित्रों को देखिए और लड़की को स्पोर्ट्स कार तक पहुंचने में मदद कीजिए।

अंतर बताओ

प्यारे बच्चों अगर आप बुद्धिमान हैं तो यहां दिए गए दोनों चित्रों में से कम से कम छह अंतर ढूंढ़ निकालो।

बोध कथा

सबसे बड़ा मूर्ख

एक राजा ने अपने मंत्री को सोने का एक डंडा देकर कहा, 'जो व्यक्ति तुम्हें मूर्ख दिखाई दे, उसे यह थमा देना।' मंत्री डंडा लेकर चल पड़ा। बहुत तलाश के बाद उसे एक भोला-भाला व्यक्ति दिखाई पड़ा, जिसे मूर्ख समझकर मंत्री ने वह डंडा पकड़ा दिया। मंत्री ने उससे कहा, 'यदि तुम्हें कोई अपने से ज्यादा मूर्ख मिले, तो उसे यह डंडा दे देना।' वह व्यक्ति भी अपने से ज्यादा मूर्ख की तलाश में स्थान-स्थान पर घूमता रहा पर उसे ऐसा कोई व्यक्ति न मिला। इस प्रकार भटकते हुए वह राजदरबार में पहुंचा। उसने सोचा कि राजा का दर्शन किया जाए। उसे इसकी अनुमति मिल गई। जब वह राजा के पास पहुंचा तो उसने देखा कि राजा बीमार पड़े हैं। राजा ने उससे कहा, 'मेरा अंत समय आ गया है। अब मैं इस संसार को छोड़कर जा रहा हूं।' उस व्यक्ति ने पूछा, 'फिर आपकी सेना, हाथी-घोड़े, महल आदि का क्या होगा?'

राजा ने कहा, 'ये सब यहीं रहेंगे और क्या।' इस पर उस व्यक्ति ने कहा, 'उस धन-दौलत का क्या होगा, जिसे आपने बड़ी मेहनत से अनेक युद्धों में हासिल किया है?' राजा ने कहा, 'वे सब भी यहीं रहेंगे।' यह सुनकर उस व्यक्ति ने सोने का वह डंडा राजा की ओर बढ़ाते हुए कहा, 'संभालिए इसे। मुझसे कहा गया था कि इसे मैं उस व्यक्ति को सौंपूं जो मुझे स्वयं से ज्यादा मूर्ख दिखाई दे। आप इसके योग्य पात्र हैं। जब आपको पता था कि आपके साथ कोई भी चीज नहीं जाएगी तो आपने उन्हें हासिल करने के लिए अपना पूरा जीवन क्यों लगा दिया? इसके कारण कई लोगों की जानें तक आपने ले लीं। क्या मिला आपको यह सब हासिल करके? मेरे विचार से इससे बड़ी मूर्खता दुनिया में कोई और नहीं हो सकती। इसलिए ये डंडा आप रखेंगे।' राजा अपने डंडे को देखकर हैरत में पड़ गया। उसने मन ही मन सोचा कि वह वास्तव में सबसे बड़ा मूर्ख है।

क्या आप जानते हो

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने बनाया सबसे तेज कैमरा

मोतियाबिंद पकड़ने के लिए आसान उपकरण बनाने वाले भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने दुनिया का सबसे तेज कैमरा बनाया। रमेश रासकर ने ऐसा कैमरा बनाया है जो बढ़ते प्रकाश की गति को तस्वीर में कैद कर रहा है। इसे बड़ी खोज कहा जा रहा है।

70 साल पहले एमआईटी के इलेक्ट्रिक इंजीनियर हैरॉल्ड एडगेर्टन ने खास किस्म की लाइट का इस्तेमाल कर दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने सेब पर टकराती गोली की साफ तस्वीर खींच ली। बूंद के टपकते ही उठने वाले कई छीटों को उन्होंने कैमरे में कैद कर लिया। एडगेर्टन की इस खोज ने विज्ञान को एक नई दिशा दी। पता चला कि तेज रफ्तार चीजें कैसा व्यवहार करती है। उनके टकराने से आस पास मौजूद चीजों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

अब भारत में पैदा हुए एमआईटी के वैज्ञानिक डॉक्टर रमेश रासकर, एडगेर्टन की खोज से भी आगे जा रहे हैं। वह बता रहे हैं कि कैसे आगे बढ़ते प्रकाश को भी तस्वीर में कैद किया जा सकता है। तकनीक को अल्ट्राफास्ट इमेजिंग सिस्टम नाम दिया गया है। यह सिस्टम एक सेकेंड के 1000अरब वें हिस्से को कैद कर सकता है।

बड़ी उपलब्धि : विज्ञान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अल्ट्राफास्ट इमेजिंग सिस्टम के जरिए वे प्रकाश के असर का बारीकी से पता लगा सकेंगे। प्रकाश में कई तत्व होते हैं। नई तकनीक बताएगी कि प्रकाश के यह तत्व ठोस, द्रव और गैस से टकराने पर कैसा असर डालते हैं।

प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों ने लाइट जलाई और अल्ट्राफास्ट इमेजिंग सिस्टम की मदद से कई तस्वीरें बनाई। लाइट बुझाने पर वैज्ञानिकों ने प्रकाश के लौटने की प्रक्रिया और उसका रास्ता भी देखा। तकनीक ईजाद करने वाले डॉक्टर रमेश रासकर मीडिया आर्ट्स एंड साइंस लैब में सहायक प्रोफेसर हैं।

वह कहते हैं, 'जब मैंने यह कहा कि मैं एक कैमरा बनाना चाहता हूं जो आस पास के कोनों के देखे तो मेरे साथियों ने कहा कि अपने कांट्रैक्ट की खातिर कुछ सुरक्षित प्रयोग करो। अब मेरे पास कांट्रैक्ट है और मैं कह सकता हूं कि यह फितूर नहीं है।'

डॉक्टर रमेश और उनकी टीम ने लैब के एक अति संवेदनशील उपकरण 'स्ट्रीक ट्यूब' में कुछ बदलाव किए। इस तरह बना नया उपकरण प्रकाश की चाल को कैद कर सकता है और उसका पीछा भी कर सकता है। स्ट्रीक ट्यूब को नाभिकीय तत्वों की गति को स्कैन करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

सबको फायदा : टीम ने एक बोतल में धुंआ भरा और फिर उसमें लेजर लाइट डाली। अल्ट्राफास्ट इमेजिंग की मदद से वैज्ञानिकों को पता चला कि लेजर बीम किस तरह धुएं को चीरती हुई बोतल में घुसती है। यह सब एक सेकेंड के 1000अरब वें हिस्से में हुआ। वैज्ञानिक इस प्रयोग को एक बड़ी सफलता मान रहे हैं। उम्मीद है कि इसकी मदद से प्रकाश के अनसुलझे राज सुलझाए जा सकेंगे। भौतिक, रसायन और जीव विज्ञान सभी को इससे फायदा होगा। यह पहला मामला नहीं है जब डॉक्टर रमेश रासकर ने बड़ा प्रयोग किया है। जुलाई में डॉक्टर रासकर ने एक ऐसा सस्ता और आसान उपकरण बनाया जो आसानी से मोतियाबिंद की पहचान कर सकता है। उपकरण को आईफोन या किसी भी उपकरण में लगाकर कर आंख के सामने लाना है। कुछ ही मिनटों में उपकरण मोतियाबिंद को पकड़ लेगा।

अंटार्कटिका पर था डायनासोर का राज

पृथ्वी के दक्षिणी गोलार्ध पर स्थित अंटार्कटिका महाद्वीप को लंबे समय से बंजर माना जाता रहा है लेकिन अर्जेंटिना के वैज्ञानिकों का दावा है कि यह महाद्वीप हमेशा ही बर्फकी मोटी चादर के नीचे दफ्न और बंजर नहीं था और किसी समय में पेड़-पौधों से भरपूर इस महाद्वीप पर शाकाहारी डायनोसोरों का राज रहा होगा। द साईंस ऑफनेचर पत्रिका के ताजा अंक में प्रकाशित हुए अर्जेंटिना की राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं तकनीकि शोध परिषद के डॉ. इग्नासियो अलेक्सान्द्रो सेर्दा के शोध में इस बात का खुलासा किया गया है।

डॉक्टर सेर्दा ने बताया है कि सौरापोडा कहलाने वाले ये शाकाहारी डायनोसोरों का उद्भव क्रेटेशियस काल में हुआ था और जल्द ही ये दुनिया के तमाम महाद्वीपों में फैल गए थे। यह पहली बार है जब अंटार्कटिका से सौरापोडा के अवशेष बरामद किए गए हों। डॉक्टर सेर्दा के शोधपत्र में बताया गया है कि ध्यान से अध्ययन करने पर पता चला कि सौरापोडा श्रेणी के ये डायनोसोर टाईटेनोसोरस नामक एक काफी विकसित डायनोसोर प्रजाति के सदस्य थे। इन्हें डायनोसोरों का आखिरी वंशज भी करार दिया जा सकता है क्योंकि लगभग 6.5 करोड़ वर्ष पहले एक बड़े उल्कापात में डायनोसोरों का खात्मा होने के समय ये मौजूद थे।

जिज्ञासा

कीड़े बताएंगे दूसरे ग्रह इंसान के काबिल है या नहीं

मंगल या फिर दूसरे ग्रह पर इंसानी बस्तियां बसाने की परिस्थिति का पता लगाने के लिए ऐसे छोटे जीव बड़ी भूमिका निभा सकते हैं जो जैविक रूप से मानव जैसे है। ब्रिटेन के कुछ वैज्ञानिकों का तो यही मानना है। नॉटिंघम यूनिवर्सिटी के नाथानियल स्जेव्क्जिक के नेतृत्व में वैज्ञानिक 4,000 कीड़ों को डिस्कवरी यान में बिठाकर अंतरिक्ष में भेज चुके हैं। इन कीड़ों को कायनोरहैबिट्स एलेगन्स या सी एलेगन्स कहते हैं। इसके बाद इन कीड़ों पर क्या बीती इसका अध्ययन किया जा रहा है। मशहूर वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग्स समेत कई जानकारों का मानना है कि चरम स्थिति में मानवता का अस्तित्व इस बात पर निर्भर करेगा कि दूसरे ग्रहों पर इंसान की बस्तियों का बनना संभव है या नहीं।

स्जेव्क्जिक ने इस रिसर्च के बारे में दिए एक बयान में कहा है, 'हालांकि यह विज्ञान से जुड़ी कल्पना की तरह लगता है, लेकिन यह सच है कि अगर इंसान लुप्त होने के प्राकृतिक चक्र से बचना चाहता है तो उसे दूसरे ग्रहों पर जिंदा रहने के तरीके ढूंढने होंगे।' वैसे एक सच्चाई यह भी है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने की स्थिति में कुछ चुनौतियां भी हैं। इनमें हड्डियों की ताकत का लगातार खत्म होना और उच्च विकिरण के संपर्क में आना शामिल है।

रॉयल सोसायटी के जर्नल इंटरफेस में छपी रिपोर्ट में स्जेव्क्जिक की टीम ने बताया है कि अंतरिक्ष में ये कीड़े अंडे से निकल कर विकास करते गए और व्यस्क कीड़े बन गए। इसके बाद इन्होंने पृथ्वी के जैसे ही वहां प्रजनन भी किया। इस तरह से दूर अंतरिक्ष में मानव जीवन पर पड़ने वाले असर के अध्ययन के लिए एक आसान और सस्ता तरीका मिल गया। वैज्ञानिकों ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के छह महीने की यात्रा के पहले तीन महीनों में सी एलेगन्स की 12 पीढ़ियों पर पड़ने वाले असर का सफल अध्ययन किया।

स्जेव्क्जिक ने बताया, 'हालांकि यह हैरान करने वाली बात है, लेकिन मानव और इन कीड़ों की अंतरिक्ष यात्रा के दौरान हुए जैविक बदलाव एक ही तरह के थे। हम यह दिखा सकते हैं कि कीड़े अंतरिक्ष दूसरे ग्रह तक जाने के लिए पर्याप्त विकास और प्रजनन कर सकते हैं और हम दूर रह कर भी उनकी सेहत पर निगरानी रख सकते हैं।'

सी एलेगन्स पहला बहुकोशिकीय जीव है जिसकी जेनेटिक संरचना का पूरी तरह से नक्शा बनाया गया और इसके 20 हजार जीनों में कई ऐसे हैं जो मानव जीन की तरह काम करते हैं। इनमें से 2,000 जीन ऐसे हैं जो मांसपेशियों की गतिविधि को नियंत्रित करते हैं और इनमें से 50 से 60 फीसदी ऐसे हैं जिनका इंसानी संस्करण होता है। सी एलेगन्स लंबे समय से वैज्ञानिकों को इंसान की जैविक संरचना समझने में मदद करता रहा है। अब स्जेव्क्जिक जैसे वैज्ञानिकों को यह लग रहा है कि यही जीव मंगल और दूसरे ग्रह पर इंसान की अनुकूलता के बारे में जानकारी जुटाने में भी मददगार होगा। स्जेव्क्जिक की टीम कई और देशों के वैज्ञानिकों के साथ काम कर रही है। इनमें अमेरिका की पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी और कोलोराडो यूनिवर्सिटी, कनाडा की फ्रेजर यूनिवर्सिटी भी शामिल है। ये लोग सी एलेगन्स का एक सघन और स्वचालित उन्नति तंत्र बनाना चाहते हैं जिसके जरिए दूर रह कर भी पर्यावरण में मौजूद विषैले तत्वों और विकिरण के असर को महसूस किया जा सके। स्जेव्क्जिक का कहना है, 'मंगल ग्रह पर भेजे गए मिशनों की असफलता को देखते हुए इन कीड़ों का इस्तेमाल हमें मानव मिशनों से पहले सुरक्षित तरीके से कम खर्च में स्पेसक्राफ्ट तंत्र को परखने में मदद करेगा।'

मिर्ची क्यों है इतनी तीखी ?

वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने इस पहेली का हल ढूंढ़ निकाला है कि कुछ मिर्च बहुत तीखी क्यों होती हैं और कुछ कम तीखी? जीव विज्ञान संबंधी पत्रिका 'बॉयलाजिकल साइंसेज' के अनुसार इसका मुख्य कारण मिर्च के पौधे का जल के संपर्क में आने से है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके कसैलेपन के पीछे 'कैपसाईपिनोइड' पदार्थ है जो मिर्च को फफूंद से बचाता है।

इंडियाना यूनिवर्सिटी के डेविड हाक के नेतृत्व में शोध करने वाले दल ने बोलिविया जाकर मिर्च के पौधे में 'कैपसाईपिनोइड' तत्व की जांच की।

उन्होंने पाया कि उत्तरी क्षेत्र में मात्र 15 से 20 प्रतिशत मिर्च में ही यह तीखा पदार्थ मौजूद था। वहीं दूसरी ओर दक्षिणी हिस्से में स्थिति अलग थी। इस इलाके में करीब 100 प्रतिशत मिर्च के पौधों में इस तीखे पदार्थ के होने से मिर्च बहुत तीखी और कसैली थी। निष्कर्ष निकाला गया कि मिर्च का तीखापन फफूंद से बचने के लिए इस तत्व के विकास से पनपता है।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में जेल में बंद इमरान खान के इलाज में कोताही के सवाल पर हंगामा

इस्लामाबाद, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में लंबे समय से अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता इमरान खान के इलाज में कोताही के सवाल पर शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच मौखिक झड़प के बाद नेशनल असेंबली में अराजकता फैल गई। इस दौरान योजना एवं विकासमंत्री अहसान इकबाल और हनीफ अब्बासी ने अपने तीखे भाषणों में इमरान खान कार्यकाल में विरोधियों पर दमन का आरोप लगाया। इस पर विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और जोरदार नारे लगाए। अब्बासी के भाषण के दौरान सदन के गलियारे में दोनों पक्ष के सदस्यों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। यह देख स्पीकर अयाज सादिक ने बैठक सोमवार शाम तक के लिए स्थगित कर दी। व्यवस्था के प्रश्न पर नेता विपक्ष उमर अयूब खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में पीटीआई संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान के साथ कथित दुर्व्यवहार की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि खान को उनके परिवार और पार्टी नेताओं से मिलने नहीं दिया जा रहा है। उन्हें विदेश में रहने वाले अपने बेटों से फोन पर बात करने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है।

जेल अधिकारी और सुरक्षाकर्मी पार्टी सांसदों का अपमान करते हैं। पीटीआई सांसदों को जेल में बंद अपने नेता से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। नेता विपक्ष ने अपने भाषण में जेल में इमरान की सुविधाएं बंद करने के सरकार के फैसले, बलूचिस्तान में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति, पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के कथित राजनीतिक उत्पीड़न और यूटिलिटी स्टोर्स कॉरपोरेशन के कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन का मुद्दा भी उठाया। इसका जवाब देते हुए योजना और विकासमंत्री अहसान इकबाल ने नेता विपक्ष खान से मीडिया के सामने हंगामा करने के बजाय अदालतों में अपनी बेगुनाही साबित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित पीएमएल-एन के लगभग सभी वरिष्ठ नेता जेल में रहे और अदालतों के समक्ष अपनी बेगुनाही साबित की है। अहसान इकबाल के जवाब पर नेता विपक्ष और कई सदस्य खड़े हो गए और स्पीकर से मंत्री के दावे का जवाब देने के लिए उन्हें बोलने का मौका देने के लिए कहा। मगर स्पीकर ने पीएमएल-एन एमएनए हनीफ अब्बासी को बोलने का मौका दिया। हनीफ अब्बासी ने इमरान खान के खिलाफ कुछ व्यक्तिगत टिप्पणी से अपनी बात शुरू की। पीटीआई सदस्यों के कड़े विरोध के कारण वह अपना भाषण पूरा नहीं कर सके।

न्यूज ब्रीफ

सुनीता विलियम्स की वापसी में देरी- जिस वजह से कल्पना की जान गई थी वही गलती दोहराना नहीं चाहता नासा

वॉशिंगटन। एस्ट्रोनॉट कल्पना चावला की दक्षिणी अमेरिका में आसमान में उस समय मौत हो गई जब अंतरिक्ष यान कोलंबिया और उसके चालक दल के सदस्य निर्धारित लैंडिंग से 16 मिनट पहले फिर से प्रवेश के दौरान अलग हो गए। नतीजा ये हुआ कि 1 फरवरी, 2003 को कल्पना चावला को लेकर लौट रहा स्पेस शटल धरती की परिधि में आते ही आग के गोले में बदल गया था। इस स्पेस शटल में छह अन्य अंतरिक्ष यात्री भी थे। उससे पहले 26 जनवरी, 1986 को स्पेस शटल चैलेंजर के फटने से भी 14 अंतरिक्ष यात्रियों ने जान गंवा दी थी। नासा अब इस तरह की ऐसी कोई गलती दोहराना नहीं चाहता जिसके किसी तरह का कोई हादसा हो। अब नासा के जेहन में चल रहा है कि कहीं सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को जल्दबाजी भी उनकी जान पर भारी न पड़ जाए। यही वजह है कि नासा इस मामले में फूंक-फूंककर कदम रख रहा है। बता दें कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर पिछले आठ महीने से अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। बता दें कि सुनीता विलियम्स पिछले एक अरसे से अंतरिक्ष में फंसी हुई हैं। उनके साथ बुच विल्मोर भी वहीं पर हैं। आखिर दोनों को स्पेस से वापस लाने में हो रहे विलंब ने सभी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। नासा के चीफ बिल नेल्सन ने कहा कि यह दो हादसे हमारे फैसलों पर बहुत असर डाल रहे हैं। यही वजह रही कि हमने बोइंग स्टारलाइनर को खाली ही वापस लाने का फैसला किया। नेल्सन खुद भी एस्ट्रोनॉट हैं और पहले के दो हादसों को लेकर हुई जांच का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नासा ने कुछ गलतियां की थीं। नेल्सन ने कहा कि नासा का कल्चर ऐसा था कि जूनियर फ्लाइट इंजीनियर खतरे की बात करते थे तब भी उन्हें नहीं सुना जाता था। आज लोगों को अपने मन की बात कहने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे और अन्य नेताओं से एनएसए अजीत डोभाल ने की मुलाकात

कोलंबो। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और राष्ट्रपति चुनाव के लिए कई दावेदार नेताओं समेत अन्य नेताओं के साथ व्यापक राजनीतिक विचार-विमर्श किया। डोभाल का श्रीलंका दौरा 21 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले होने से कई मायनों में महत्वपूर्ण है। हालांकि अजीत डोभाल 'कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव' (सीएससी) में शामिल होने श्रीलंका पहुंचे हैं। इसी दौरान डोभाल ने विक्रमसिंघे, प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने, मुख्य विपक्षी नेता सजित प्रेमदास और मार्क्सवादी जेवीपी के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। ज्ञात रहे कि गुणवर्धने को छोड़कर सभी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग (पीएमडी) ने कहा कि डोभाल ने आज सुबह राष्ट्रपति सचिवालय में विक्रमसिंघे से मुलाकात की।

जानवरों के दिमाग को जूस में कच्चा मिलाकर ही पी रहे चाइनीज

बीजिंग। पडोसी देश चाइना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, वो भी भयंकर घिनौना है। इस वीडियो में लोग जानवरों का भेजा खा रहे हैं और उसे कढाई में भी पकाते हैं। वायरल हो रहे वीडियो में कुछ लोग जानवरों के दिमाग को जूस में कच्चा मिलाकर ही पी रहे हैं, तो कुछ लोग कढ़ाही में उबालकर नूडल्स के साथ खा रहे हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि सबसे पहले बर्फ के टुकड़े ग्लास में डाले गए, उसके बाद जानवरों के दिमाग को डाला गया। फिर उसके ऊपर गुलाब का फूल सजा दिया गया। इन दोनों को मिक्स करने के बाद उसमें कोई सफेद पेय पदार्थ डाला गया और लोगों को पीने के लिए दे दिया गया। लोग मजे से उसे एन्जॉय कर पी रहे हैं। वहीं, इसके बाद कढ़ाही में दिमाग को डालकर पकाया गया और उसे नूडल्स में मिक्स कर दिया जाता है। नूडल्स के साथ लोग भेजा फ्राई को खूब मजे से खाते हैं।

रूसी सेना के खार्कीव हमले में सात की मौत

यूक्रेन की सेना रूस के कुर्स्क में अब 35 किलोमीटर अंदर तक पहुंची

कीव, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन की सेना लगातार आगे बढ़ रही है। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसकी सेना अब दो किलोमीटर आगे बढ़ने के साथ रूस की सीमा में 35 किलोमीटर अंदर तक पहुंच चुकी है। उल्लेखनीय है कि छह अगस्त को यूक्रेन ने रूसी सीमा में दाखिल होने का दावा किया था।

वहीं रूस की तरफ से दूसरे मोर्चे पर जारी हमले में यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खार्कीव पर गाइडेड बम से एक बिल्डिंग पर किए हमले में 7 लोग मारे गए हैं और 77 से अधिक घायल हुए हैं। रूसी हमले से 12 मंजिली इमारत में आग लग गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के अनुसार मारे जाने वालों में एक 14 साल की बच्ची भी शामिल है।

यूक्रेनी सेनाओं के प्रमुख कर्नल जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की ने बताया है कि रूसी भूमि पर कब्जे का विस्तार करते हुए उनकी सेना कुर्स्क में दो किलोमीटर और आगे पहुंच गई है। इस प्रकार से करीब 1,300 वर्ग किलोमीटर रूसी इलाका यूक्रेन के कब्जे में आ गया है।

ताजा कार्रवाई में करीब 100 रूसी भवन यूक्रेनी सेना के कब्जे में आए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ज्यादा रूसी क्षेत्र पर कब्जे और यूक्रेनी जनता की रक्षा के लिए सहयोगी देशों से लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों और एयर डिफेंस सिस्टम की मांग की है। जबकि सहयोगी यूरोपीय संघ के देशों ने यूक्रेनी सैनिकों को नए हथियार चलाने और युद्ध कौशल का प्रशिक्षण जल्द शुरू करने की घोषणा की है। कहा है कि यह प्रशिक्षण यूक्रेन में नहीं बल्कि उसके नजदीक मित्र देश में होगा।

यूक्रेन ने मंगोलिया से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को गिरफ्तार करने की अपील की है। पुतिन तीन सितंबर को मंगोलिया की यात्रा पर जाने वाले हैं। यूक्रेन ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने युद्ध अपराध और सैकड़ों यूक्रेनी बच्चों को गैरकानूनी तरीके से रूस ले जाने के लिए पुतिन के खिलाफ वारंट जारी किया है, इसलिए मंगोलिया को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। जवाब में रूस ने कहा है कि उसे पुतिन के दौरे को लेकर कोई चिंता नहीं है।

इस बीच, अमेरिकी रक्षा लॉयड जे ऑस्टिन ने यूक्रेन का समर्थन करने के लिए देश के समर्पण की पुष्टि की और कहा कि कीव की लचीलापन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आक्रामकता और अत्याचारों पर काबू पाने में मदद करेगी। ऑस्टिन की यह टिप्पणी तब आई जब उन्होंने आज पेंटागन में यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव से मुलाकात की।

पेंटागन की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऑस्टिन ने इस सप्ताह की शुरुआत में यूक्रेन के महत्वपूर्ण नागरिक बुनियादी ढांचे पर रूस के हमले की भी निंदा की और कहा कि अमेरिका यूक्रेन को अपनी रक्षा में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण क्षमताएं प्रदान करने में सहयोगियों और भागीदारों का नेतृत्व करना जारी रखेगा।

अमेरिका के ह्यूस्टन में नेपाली छात्रा की हत्या के आरोप में भारतीय मूल का 51 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

ह्यूस्टन, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिका में टेक्सास के ह्यूस्टन में पुलिस ने एक नेपाली छात्रा की हत्या के आरोप भारतीय मूल के 51 वर्षीय बॉबी सिंह शाह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया है कि आरोपित शाह चोरी के इरादे से नेपाली छात्रा के फ्लैट में घुसा। पकड़े जाने के डर से उसने छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी।

नेपाल मूल की छात्रा की पहचान मुना पांडे के रूप में हुई है। मुना ह्यूस्टन के सामुदायिक कॉलेज में नर्सिंग की छात्रा थी। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मुना के ह्यूस्टन स्थित अपार्टमेंट से उसका शव बरामद हुआ। मुना के शरीर पर गोलियों के कई निशान मिले हैं। शुगर डैडी बेवसाइट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान अपार्टमेंट से निकलते हुए हथियारबंद बॉबी सिंह शाह की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपित की तस्वीर जारी की गई। इसके बाद आरोपित को बुधवार को एक ट्रैफिक स्टॉप से गिरफ्तार कर लिया गया। एक सीसीटीवी फुटेज में मुना आरोपित से संघर्ष करती भी दिख रही है।मुना पांडे साल 2021 में नेपाल से यहां पढ़ने आई थी। नेपाली एसोसिएशन ऑफ ह्यूस्टन के एक सदस्य ने बताया कि मुना की मां अपनी बेटी से कई दिनों से संपर्क करने की कोशिश कर रहीं थी। मुना अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। एसोसिएशन ऑफ नेपाल, नेपाली वाणिज्य दूतावास के साथ मिलकर मुना की मां को ह्यूस्टन लाने की व्यवस्था कर रहा है। इसके लिए फंड भी जुटाया जा रहा है।

दोस्तों ने मुना को जीवंत और खुशहाल व्यक्ति बताया है। उसकी पूर्व रूममेट ओरुशा निरौला ने सोशल मीडिया पर लिखा है, उसे इतने हिंसक तरीके से खोने का दर्द असहनीय है। इस हत्याकांड ने स्थानीय समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। ह्यूस्टन में एक सप्ताह के भीतर किसी स्टूडेंट की यह दूसरी हत्या है।

मिस्र और ग्रीस के विदेश मंत्रियों ने मध्य पूर्व में जारी हिंसा को लेकर बातचीत की

काहिरा ।

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस के बीच मध्य पूर्व में जारी हिंसा को लेकर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच मध्य पूर्व में अस्थिरता को बढ़ने से रोकने के प्रयासों पर जोर दिया गया।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों मंत्रियों ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत के दौरान मध्य पूर्व में तेजी से बदल रहे घटनाक्रम की गंभीरता पर चर्चा की। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार अब्देलती ने ग्रीस के विदेश मंत्री को बताया कि मिस्र इस क्षेत्र के कई देशों, अमेरिका और कई यूरोपीय देशों के साथ संपर्क कर रहा है, ताकि क्षेत्रीय तनाव और वृद्धि की मौजूदा स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। ग्रीस के विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय दोनों स्तरों पर मिस्र और ग्रीस के बीच रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की है। बयान में कहा गया कि दोनों मंत्रियों ने क्षेत्र के लोगों के हित में परामर्श और समन्वय बनाए रखने पर सहमति जताई है। इससे पहले मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली के बीच गाजा में युद्ध विराम को लेकर चर्चा हुई थी।

मिस्र के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि फोन पर बातचीत के दौरान दोनों मंत्रियों ने मिडिल ईस्ट के घटनाक्रम, खासकर गाजा पट्टी की स्थिति पर चर्चा की। साथ ही युद्ध विराम पर भी जोर दिया। रिपोर्ट के अनुसार अब्देलती ने मध्य-पूर्व देशों में जारी तनाव को रोकने और गाजा में युद्ध विराम का समाधान निकालने के लिए मिस्र के प्रयासों की समीक्षा की।

किम की तरह दिखने के जुनून में कराई सर्जरी, अब हुई दिक्कत

महिला ने कुल 8 करोड़ से ज्यादा रुपए कर दिए खर्च

सैन फ्रांसिस्को, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

ब्राजील की रहने वाली 31 साल की जेनिफर पैम्प्लोना के ऊपर अमेरिकी मॉडल किम कार्दशियन की तरह दिखने का जुनून सवार है। ऐसे में किम की तरह दिखने के लिए जेनिफर ने कई बार सर्जरी करवाई। पानी की तरह पैसे बहाए। कुल 8 करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च करने के बाद वो सुंदर दिखने लगीं, लेकिन सर्जरी करवाना बंद नहीं किया। हाल ही में किम कार्दशियन की हमशक्ल ने खुलासा किया है कि फिलर इंजेक्शन की लत के कारण मां बनने का उनका सपना टूट गया है। जेनिफर ने स्वीकार किया है कि उन्हें 'सर्जरी की लत' है, लेकिन जब उन्हें पता चला कि उनके गर्भधारण की संभावना बहुत कम है तो वे बहुत दुखी हुईं। बता दें कि जेनिफर पैम्प्लोना पेशेवर मॉडल और सफल महिला हैं, जो अपनी लाइफस्टाइल की वजह से भी अक्सर चर्चा में रहती हैं।

जेनिफर ने पहले कबूल किया था कि वो अपनी आदर्श, किम कार्दशियन की तरह दिखने के लिए 1 मिलियन डॉलर यानी 8 करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च किए। लेकिन जेनिफर को तब करारा झटका लगा, जब उसे बताया गया है कि लगातार कई सर्जरी के कारण उनके मां बनने की संभावना बहुत कम है। जेनिफर ने कहा, 'मैंने हमेशा मां बनने का सपना देखा है।

जब से मैं छोटी बच्ची थी, तब से मैं उस दिन के बारे में कल्पना करती रही हूं, जब मेरे अपने बच्चे होंगे और मैं एक परिवार शुरू करूंगी। लेकिन सर्जरी के कारण हुई जटिलताओं की वजह से मेरा यह सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। मैं अपने सपने को उस चीज के कारण टूटता हुआ देख रही हूं, जिसके बारे में मैंने सोचा था कि वह मेरे रूप को निखार देगी। मेरा यह दर्द असहनीय है।' साउ पाउलो की रहने वाली जेनिफर ने कभी कहा था, 'मेरा एक ही लक्ष्य है किम कार्दशियन की तरह बॉडी पाना। इसके लिए जितनी बार सर्जरी करवानी पड़ेगी मैं तैयार हूं।' लेकिन यही सर्जरी जेनिफर की प्रेग्नेंसी का सबसे बड़ा रोड़ा बन गया।

मस्क ने कहा–यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सबसे बड़ा हमला

ब्राजील में एक्स पर प्रतिबंध, आदेश के उल्लंघन पर भरना होगा जुर्माना

वाशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

ब्राजील के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिबंध लगाने पर एलन मस्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। एक्स आज के दौर में दुनिया का सर्वाधिक लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है। चर्चित अरबपति अमेरिकी उद्यमी एलन मस्क एक्स के मालिक हैं। मस्क ने ब्राजील में एक्स के प्रतिबंध (निलंबन) करने के फैसले पर टिप्पणी करते हुए इसे 21वीं सदी में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अभूतपूर्व हमलों में से एक कहा है।

उल्लेखनीय है कि ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट के न्यायाधीश डी मोरेस ने शुक्रवार को देश में एक्स को निलंबित (प्रतिबंध) करने का आदेश दिया। न्यायाधीश मोरेस ने इससे पहले मस्क को 24 घंटे के अंदर अदालत को सूचित करने का आदेश दिया था कि ब्राजील में एक्स का नया कानूनी प्रतिनिधि कौन होगा। उन्होंने चेताया था कि यह जानकारी न देने पर एक्स को निलंबित कर दिया जाएगा। मस्क के जवाब देने की समय सीमा गुरुवार शाम खत्म हो गई। एक्स ने शुक्रवार को कहा कि वह ब्राजील की एक अदालत के अवैध आदेशों का पालन करने से इनकार करता है। साथ ही तंज कसा कि वह एक्स के ब्राजील में बंद होने की उम्मीद करता है।

सनद रहे इस माह के मध्य में एक्स ने सेंसरशिप और उपयोगकर्ता अकाउंट की जानकारी की मांग के साथ मोरेस का एक पत्र प्रकाशित किया था। इसमें कहा गया था कि यह न केवल ब्राजील में, बल्कि अमेरिका और अर्जेंटीना में भी उपयोगकर्ताओं को प्रभावित कर सकता है। इससे कुछ समय पहले एक्स ने

ब्राजील में कुछ अकाउंट्स की सेंसरशिप का अनुरोध करते हुए न्यायाधीश का एक पत्र भी भेजा था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क ने पिछले सप्ताह ब्राजील में एक्स का कार्यालय बंद कर दिया था। इससे पहले न्यायमूर्ति मोरेस ने एक्स खातों को हटाने के उनके आदेशों की अनदेखी करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी थी। न्यायाधीश ने कहा था कि आदेश की अनदेखी करना ब्राजीलियाई कानूनों का उल्लंघन है। एक्स ने कहा है वह जस्टिस मोरेस के सीलबंद आदेशों को अवैध मानता है और उसने उन्हें प्रकाशित करने की योजना तैयार की है। मस्क ने शुक्रवार को कहा, स्वतंत्र भाषण लोकतंत्र का आधार है और ब्राजील में एक अनिर्वाचित छद्म न्यायाधीश इसे राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नष्ट कर रहा है।

सूत्रों के अनुसार, न्यायाधीश मोरेस ने एक्स पर प्रतिबंध लगाते हुए यह भी कहा कि ब्राजील में कोई भी व्यक्ति वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या वीपीएन नामक सामान्य गोपनीयता सॉफ्टवेयर के माध्यम से एक्स का उपयोग करने की कोशिश करता है, उस पर प्रतिदिन लगभग 9,000 डॉलर का जुर्माना लगाया जा सकता है।

साथ ही जस्टिस मोरेस ने ब्राजील में मस्क के दूसरे व्यवसाय स्पेसएक्स की स्टारलिंक उपग्रह-इंटरनेट सेवा की बड़ी धनराशि को भी जब्त कर लिया है। इसका मकसद एक्स के खिलाफ लगाए गए जुर्माना तीन मिलियन डालर इकट्ठा किया जा सके। उल्लेखनीय है कि स्टारलिंक के ब्राजील में 250,000 से अधिक ग्राहक हैं। स्टारलिंक ने कहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो ब्राजील में अपनी सेवा नि:शुल्क कर देगा।

यूपी वॉरियर्स टीम ने अली फजल, श्वेता त्रिपाठी के साथ लखनऊ के 6,000 से अधिक छात्रों से की मुलाकात

लखनउ, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

देश की सबसे वाइब्रेंट महिला क्रिकेट टीमों में से एक यूपी वॉरियर्स ने अभिनेता अली फजल और श्वेता त्रिपाठी शर्मा के साथ खूबसूरत शहर लखनऊ का दौरा किया। इनके साथ टीम की उप-कप्तान दीप्ति शर्मा, साथी साइमा ठाकोर और अंजलि सरवानी भी मौजूद थीं।

72 घंटों के दौरान, क्रिकेटरों और अभिनेताओं ने बहु-सांस्कृतिक शहर लखनऊ में 6,500 छात्रों से मुलाकात की और क्रिकेट में महिलाओं, महिला सशक्तिकरण और निश्चित रूप से खेल और सामान्य रूप से समावेशिता के महत्व जैसे विषयों पर उनसे विस्तार से बातचीत की। 28 अगस्त को यह कारवां नवाबों के शहर की सड़कों पर निकला और ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज, लाल बहादुर शास्त्री गर्ल्स कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, एरा यूनिवर्सिटी, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और एमिटी यूनिवर्सिटी में रुका।

इस अवसर पर दीप्ति शर्मा ने कहा, उत्तर प्रदेश मेरा प्रदेश है और मेरी यह घर वापसी मेरे लिए कुछ दिनों के लिए बहुत अलग लेकिन दिल को छू लेने वाली रही। अंजलि, साइमा, अली और श्वेता जैसे कई होशियार छात्रों से मिलना, जिनकी कहानियां उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाली हैं। यूपी में अपार प्रतिभा है और मुझे विश्वास है कि ये युवा अपनी छाप छोड़ेंगे।

टीम की उप-कप्तान दीप्ति शर्मा और साथी साइमा ठाकोर और अंजलि सरवानी भी रहीं मौजूद

अंजलि सरवानी ने कहा, इतने सारे छात्रों के साथ यह कुछ दिन बहुत ही मजेदार रहे। यूपी वॉरियर्स के खिलाड़ी के रूप में हम अपने गृह राज्य से मिली प्रशंसा देखकर अभिभूत हैं। युवा दिमागों से मिलना और उन्हें दीप्ति, अली, श्वेता और साइमा के साथ बातचीत में शामिल होते देखना बहुत उत्साहजनक था।

साइमा ठाकोर, जो उस भारतीय दल का भी हिस्सा हैं, जो यूएई में महिला टी20 विश्व कप में खेलेगी, ने कहा, दो दिनों में सभी 6,000 से अधिक छात्रों से मिलने से जो बात सामने आई, वह यह है कि उनमें सीखने का उत्साह है और ऐसा करते हुए अच्छा समय भी है। और मुझे उम्मीद है कि हम सभी, दीप्ति, अली, श्वेता और अंजलि, मिलकर उन्हें वह देने में सक्षम हैं जो वे चाहते थे। मुझे लगता है कि लखनऊ के साथ यह एक ऐसा रिश्ता है जो समय के साथ समृद्ध होने जा रहा है।

कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक जिनिशा शर्मा ने कहा, हमारे लिए यूपी वॉरियर्स टीम को अपने ही शहर लखनऊ और यहां के तेज युवा दिमागों से परिचित कराना एक खास पल था। दीप्ति शर्मा, अंजलि सरवानी, साइमा ठाकोर और अली फजल और श्वेता त्रिपाठी शर्मा जैसे प्रिय स्थानीय आइकन के साथ छात्रों को प्रेरित करने और उनसे जुड़ने के लिए यह तीन दिन यादगार थे। हमारा लक्ष्य लखनऊ के युवाओं में गर्व और महत्वाकांक्षा की भावना जगाना है, उन्हें दिखाना है कि समर्पण और जुनून के साथ, वे भी महान चीजें हासिल कर सकते हैं, चाहे खेल में या किसी अन्य क्षेत्र में।

न्यूज ब्रीफ

पहली सब जूनियर पुरुष, महिला अंतर क्षेत्रीय चैंपियनशिप रविवार से

नई दिल्ली। पहली सब जूनियर इंटर-जोन चैंपियनशिप 2024 , एक सितंबर से शुरू हो रही है। रांची, सब जूनियर पुरुष इंटर-जोन चैंपियनशिप और हरियाणा का नरवाना सब जूनियर महिला इंटर-जोन चैंपियनशिप 2024 की मेजबानी करेगा। हॉकी इंडिया (एचआई) की विज्ञप्ति के अनुसार, पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष अंतर-जोन चैंपियनशिप 2024 में, छह टीमों को दो पूलों में बांटा गया है, इसमें पूल ए में उत्तर क्षेत्र, दक्षिण क्षेत्र और साई, पूल बी में पूर्व क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र और अकादमी शामिल हैं। सात दिवसीय टूर्नामेंट मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जिसने अतीत में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है, जिससे युवा हॉकी खिलाड़ियों को एक अंतरराष्ट्रीय स्थल का अनुभव करने का अवसर मिलेगा। इस बीच, नरवाना में पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला अंतर-क्षेत्रीय चैंपियनशिप 2024 में पूल ए में उत्तर क्षेत्र, पूर्व क्षेत्र, साई बाल और पूल बी में दक्षिण क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र, साई शक्ति और अकादमी शामिल होंगे। इस आयोजन को लेकर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हमें राष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला अंतर-क्षेत्रीय चैंपियनशिप शुरू करने की खुशी है। यह महत्वाकांक्षी हॉकी खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा, और उनके लिए जूनियर टूर्नामेंट में आगे बढ़ने का रोड मैप तैयार करेगा। इस टूर्नामेंट के माध्यम से, हम न केवल युवाओं को चमकने का मौका देना चाहते हैं, बल्कि उन्हें कम उम्र से ही प्रतिस्पर्धी हॉकी में निपुण बनाना चाहते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी इस टूर्नामेंट के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सब-जूनियर के लिए इस शानदार टूर्नामेंट की शुरुआत करके हमें बेहद खुशी हो रही है। यह पहल हमारे जमीनी स्तर के विकास कार्यक्रम का हिस्सा है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि अधिक खिलाड़ियों को पहचान मिलेगी और हम कम उम्र में ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज कर सकेंगे। हॉकी झारखंड और हॉकी हरियाणा का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा, जिन्होंने इन चैंपियनशिप की मेजबानी की जिम्मेदारी ली है।

आर्सेनल ने चेल्सी फॉरवर्ड रहीम स्टर्लिंग को एक सत्र के लिए ऋण पर किया अनुबंधित

नई दिल्ली। आर्सेनल ने शेष सत्र के लिए चेल्सी फॉरवर्ड रहीम स्टर्लिंग को ऋण पर अनुबंधित किया है, क्लब ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

स्टर्लिंग के पास चेल्सी में अपने मौजूदा अनुबंध में तीन साल बाकी हैं, लेकिन स्टैमफोर्ड ब्रिज में उन्हें ज़रूरतों के हिसाब से अतिरिक्त माना गया था। इससे पहले मैन यूनाइटेड के साथ जुड़े रहने के बाद, स्टर्लिंग ने समर ट्रांसफर विंडो के बंद होने से ठीक पहले आर्सेनल में अपना कदम पूरा किया। आर्सेनल के बॉस मिकेल आर्टेटा ने पिछले सप्ताह स्टर्लिंग के स्थानांतरण से क्लब को दूर रखा था, हालांकि उन्होंने मैनचेस्टर सिटी में तीन साल तक साथ काम करने के बाद उनके चरित्र के बारे में सकारात्मक बात की थी। आर्सेनल ने पूरे विंडो में एक आक्रामक खिलाड़ी को साइन करने के लिए खुला रुख अपनाया है और अपने विकल्पों पर चर्चा कर रहा है, साथ ही बायर्न म्यूनिख के विंगर किंग्सले कोमन के लिए देर से स्थानांतरण के साथ भी जोड़ा गया है।

मीरवाइज अशरफ का एसीबी अध्यक्ष बने रहना तय

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के अध्यक्ष मीरवाइज अशरफ अगले तीन वर्षों तक बोर्ड का कार्यभार संभालेंगे। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, एसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने नाम न बताने के अनुरोध पर शुक्रवार को से इस घटनाक्रम की पुष्टि की। 2021 में एसीबी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए गए अशरफ का कार्यकाल अगस्त 2023 में समाप्त होने की उम्मीद थी। एसीबी अधिकारी ने कहा, फ्रपिछले तीन वर्षों के उनके प्रदर्शन के कारण, तालिबान सरकार ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में मीरवाइज अशरफ के नए कार्यकाल को तीन और वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, देखिए स्थिरता हमारी सफलता की कुंजी है और हम इसे महत्व देने की कोशिश करते हैं। पिछले तीन वर्षों में हमारे पास एक अध्यक्ष, एक सीईओ और एक कोच था और हमने अपना कप्तान केवल एक बार बदला क्योंकि हमें लगता है कि अगर हम एक क्रिकेट राष्ट्र के रूप में विकसित होना चाहते हैं तो हमें स्थिरता पर मुख्य ध्यान देने की आवश्यकता है और काट-छांट और बदलाव करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप

आरती ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ 10,000 मीटर रेस वॉक में जीता कांस्य

लीमा,31 अगस्त (एजेंसियां)।

आरती ने यहां विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ कांस्य पदक जीतकर भारत का पदक खाता खोला।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन 17 वर्षीय आरती ने 44 मिनट 39.39 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। चीनी रेस वॉकर झूओमा बाइमा (43:26.60) और माइलिंग चेन (44:30.67) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। इससे पहले गुरुवार की रात, पूजा सिंह ने ऊंची कूद में राष्ट्रीय अंडर 20 महिला राष्ट्रीय रिकॉर्ड को फिर से लिखा और क्वालीफिकेशन राउंड में नौवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। हरियाणा के फतेहबाद जिले की रहने वाली 17 वर्षीय पूजा ने 1.83 मीटर की ऊंचाई पार करके क्वालीफिकेशन राउंड ग्रुप बी में दूसरा और कुल मिलाकर नौवां स्थान प्राप्त किया और शनिवार को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। राजमिस्त्री की बेटी पूजा ने पिछले साल कोरिया में बनाए गए 1.82 मीटर के अपने ही राष्ट्रीय अंडर 20 रिकॉर्ड को तोड़ दिया ।

बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम और नितेश सेमीफाइनल में पहुंचे, मनदीप कौर भी आगे बढ़ने में सफल रहीं

पेरिस । भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम और नितेश कुमार पुरुष एकल के अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गए, जबकि मनदीप कौर ने महिला एकल एसएल3 स्पर्धा में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की विनोट सेलीन ऑरेली को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले एसएल 3 वर्ग के खिलाड़ी नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच जगह बना ली है। नितेश ने थाईलैंड के बुनसुन मोंगखोन को सीधे गेम में 21-13, 21-4 से हराया और अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहे। भारत के एक अन्य बैडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने पुरुष एकल एसएल4 स्पर्धा का ग्रुप चरण मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सुकांत ने थाईलैंड के सिरिपोंग को 21-12, 21-12 से हराया। तीन खिलाड़ियों के ग्रुप में यह उनकी लगातार दूसरी जीत थी।

सुकांत ने पिछले साल चीन में एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता था। एक अन्य मुकाबले में टोक्यो पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता मनोज सरकार ने चीन के यांग जियानयुआन को 21-1, 21-11 से हराया। मनोज इससे पहले बुनसुन और नितेश से हारने के बाद सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गए थे। मनदीप ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ग्रुप बी में अपना आखिरी मैच 21-23, 21-10, 21-17 से जीता। वह अपना पहला मैच नाइजीरिया की बोलाजी मरियम से हार गई थीं। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय खिलाड़ी के लिए यह मैच जीतना जरूरी था। उन्होंने तीन खिलाड़ियों के ग्रुप बी में दूसरा स्थान हासिल किया। मरियम ने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एसएल3 मिश्रित युगल के एक अन्य मैच में नितेश कुमार और थुलासिमथी मुरुगेसन को फ्रांस के फॉस्टीन नोएल और लुकास मजूर से 22-24, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। मिश्रित युगल में एकमात्र जीत नित्या सिवान सुमाथी और सिवाराजन सोलाईमलाई ने हासिल की। उन्होंने ग्रुप बी में थाईलैंड के नत्थापोंग मीचाई और चाई सेयांग को 21-7, 21-17 से हराया ।

यूएस ओपन 2024 : एलेक्सी पोपिरिन से हारकर बाहर हुए नोवाक जोकोविच

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में एलेक्सी पोपिरिन के हाथों 6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा, इस हार के साथ ही सर्बियाई खिलाड़ी की 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं।

इस महीने पेरिस में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले जोकोविच, ऊर्जावान ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के खिलाफ़ सुस्त दिखे, जिन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की और पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचे। पोपिरिन का अगला मुकाबला चौथे दौर में अमेरिका के फ्रांसिस तियाफो से होगा।

शुक्रवार देर रात मैच के बाद जोकोविच ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने अब तक का सबसे खराब टेनिस खेला है। मेरी सर्विंग अब तक की सबसे खराब सर्विंग रही है।

यह 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी मेजर में टूर्नामेंट से जोकोविच की सबसे जल्दी विदाई है। वह 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में डेनिस इस्तोमिन से हार गए थे। ओपन युग में यह सिर्फ तीसरी बार है जब यूएस ओपन में शीर्ष तीन पुरुष सीड में से दो चौथे राउंड से पहले हार गए हैं; जोकोविच से पहले कार्लोस अल्कराज भी यूएस ओपन से बाहर हो चुके हैं। इससे पहले यूएस ओपन में 1973 और 2000 में शीर्ष तीन पुरुष वरीय खिलाड़ी में दो बाहर हुए थे।

यूएस ओपन से बाहर होने के बाद दूसरे वरीयता प्राप्त जोकोविच ने कहा, यह मेरे लिए एक भयानक मैच था, मैं अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब भी नहीं खेल रहा था। ऐसी स्थिति में होना अच्छा नहीं है जहाँ आप शारीरिक रूप से ठीक महसूस करते हैं, और निश्चित रूप से आप प्रेरित होते हैं क्योंकि यह एक ग्रैंड स्लैम है, लेकिन आप अपनी लय हासिल नहीं कर पाते।

मुझे लगता है कि आपको यह स्वीकार करना होगा कि इस तरह के टूर्नामेंट होते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में आयरलैंड की कप्तानी करेंगी गैबी लुईस

डबलिन, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

गैबी लुईस इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे में लगी चोट से उबर चुकी हैं और अब वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज़ में आयरलैंड की अगुआई करेंगी। हालांकि नियमित कप्तान लॉरा डेलानी श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में टखने में लगी चोट से अभी तक उबर नहीं सकीं हैं।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे में डेब्यू करने वाली एलिस टेक्टर को पहली बार टी20 टीम में शामिल किया गया है। वह आयरलैंड के पुरुष बल्लेबाज हैरी टेक्टर की बहन हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मैच में चोटिल होने वाली ऊना रेमंड-होए दोनों सफेद गेंद वाली टीमों में वापस आ गई हैं। वह इस महीने की शुरुआत में पांच साल के अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटी थीं।

राष्ट्रीय चयनकर्ता सियारा ओब्रायन ने कहा, हमें निराशा है कि लॉरा की चोट पहले से कहीं ज़्यादा गंभीर है और उनके वर्षों के अनुभव और नेतृत्व की कमी खलेगी। हालांकि, गैबी ने लॉरा की अनुपस्थिति में पहले भी नेतृत्व किया है। हम इंग्लैंड सीरीज़ के लिए उनके नेतृत्व में आने से बहुत सहज हैं और जानते हैं कि वह इस भूमिका में अपने बेहतरीन उच्च मानकों को लेकर आएंगी। यह एक युवा टीम है, जिसकी औसत आयु 22 वर्ष से कम है और हम उम्मीद करते हैं कि सभी आयरिश क्रिकेट प्रशंसक टीम का समर्थन करेंगे।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में अपना पहला शतक बनाने वाली लुईस, टी20आई में आयरलैंड की सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं और डेलानी के बाद दूसरी सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत में आयरलैंड की कप्तानी की, एक ऐसी सीरीज़ जिसने आयरलैंड को महिला चैंपियनशिप 2022-25 में अपना पहला अंक दिलाया।

14 खिलाड़ियों में से 12 खिलाड़ी दोनों सफेद गेंद वाली टीमों में शामिल हैं। अलाना डेलजेल और जोआना लॉघ्रान केवल वनडे का हिस्सा हैं, जबकि एवा कैनिंग और क्रिस्टीना कूल्टर **नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।** में हैं। आयरलैंड और इंग्लैंड तीन वनडे मैच (महिला चैंपियनशिप का हिस्सा) बेलफास्ट में खेलेंगे, उसके बाद तीन टी20आई के लिए डबलिन जाएंगे।

इंग्लैंड के विरुद्ध वनडे के लिए आयरलैंड की टीम- गैबी लुईस (कप्तान), अलाना डेलजेल, सारा फोर्ब्स, एमी हंटर, अर्लीन केली, जोआना लॉघ्रन, एमी मैगुएर, जेन मैगुएर, लीह पॉल, ओरला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल, एलिस टेक्टर।

इंग्लैंड के विरुद्ध टी20 के लिए आयरलैंड की टीम-गैबी लुईस (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टीना कूल्टर रीली, सारा फोर्ब्स, एमी हंटर, अर्लीन केली, एमी मैगुएर, जेन मैगुएर, लीह पॉल, ओरला प्रेंडरगैस्ट, ऊना रेमंड-होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल, एलिस टेक्टर।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में चुने गए समित द्रविड़

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

ऑलराउंडर समित द्रविड़ को सितंबर और अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ होने वाली मल्टी-फॉर्मेट घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। उत्तर प्रदेश के मध्यक्रम के बल्लेबाज मोहम्मद अमान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि मध्य प्रदेश के सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों के लिए टीम की अगुआई करेंगे।

भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे हैं समित द्रविड़-भारत के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे द्रविड़ ने हाल ही में कर्नाटक में अपना पहला सीनियर पुरुष टी20 टूर्नामेंट - महाराजा टी20 ट्रॉफी - खेला, जहाँ वे मैसूर वारियर्स टीम का हिस्सा हैं।

मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए, द्रविड़ ने सात पारियों में 114 की स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए, लेकिन उन्हें मध्यम गति की गेंदबाजी करने के लिए नहीं बुलाया गया। जिस दिन जूनियर चयनकर्ताओं ने भारत की अंडर-19 टीम की घोषणा की, उस दिन मैसूर वारियर्स को टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेलना था।

इस साल की शुरुआत में, 18 वर्षीय द्रविड़ ने कर्नाटक को अंडर-19 क्रिकेटरों के लिए चार दिवसीय प्रारूप टूर्नामेंट कूच बिहार ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने आठ मैचों में 362 रन बनाए और 16 विकेट लिए, जिसमें मुंबई के खिलाफ फाइनल में दो विकेट शामिल हैं।

भारतीय अंडर-19 टीम 21, 23 और 26 सितंबर को पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ तीन 50 ओवर के मैच खेलेगी, इसके बाद 30 सितंबर और 7 अक्टूबर को चेन्नई में दो चार दिवसीय मैच खेले जाएँगे।

भारतीय अंडर-19 पचास ओवर टीम- रुद्र पटेल (उपकप्तान), साहिल पारख, कार्तिकेय केपी, मोहम्मद अमान (कप्तान), किरण चोरमले, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), समित द्रविड़, युधाजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित राजावत, मोहम्मद एनान।

भारतीय अंडर-19 चार दिवसीय टीम-वैभव सूर्यवंशी, नित्या पंड्या, विहान मल्होत्रा (उपकप्तान), सोहम पटवर्धन (कप्तान), कार्तिकेय केपी, समित द्रविड़, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह पंगालिया (विकेटकीपर), चेतन शर्मा, समर्थ एन, आदित्य रावत, निखिल कुमार, अनमोलजीत सिंह, आदित्य सिंह, मोहम्मद एनान।

दो सौ का स्कोर करने से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास : वंश बेदी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

पुरानी दिल्ली 6 के बल्लेबाज वंश बेदी का मानना है कि हालिया मैच में ईस्ट दिल्ली राइडर्स के खिलाफ उनके हार्ड हिटिंग प्रदर्शन ने टीम को आगे बढ़ने के लिए जरूरी आत्मविश्वास प्रदान किया है।

दिल्ली के श्री अरूण जेटली स्टेडियम में आयोजित दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के इस मैच में ईस्ट दिल्ली के 241 रनों के विशालकाय स्कोर का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 की टीम 27 रन से यह मैच हार गई थी, लेकिन गुरुवार को खेले गए इस मैच में उन्होंने अपने 20 ओवरों में 215 रन बनाकर बहादुरी से संघर्ष किया।

मैच के बाद वंश बेदी ने कहा कि, एक पारी में 200 रन बनाना निश्चित रूप से पुरानी दिल्ली 6 के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है और आगे भी इसी तरह का खेल जारी रखेंगे।

सिर्फ 41 गेंदों पर 96 रनों की तूफानी पारी खेलने वाले वंश के दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हो जाने के कारण पुरानी दिल्ली 6 इस करीबी मुकाबले को हार गई थी। युवा बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान 11 छक्के लगाए और टीम को विशालकाय स्कोर का पीछा करते हुए कभी भी पिछड़ने नहीं दिया।

वंश ने आगे कहा कि, यहां बल्लेबाजी करना शानदार था, यह विकेट बल्लेबाज के लिए अपने शॉट्स खेलने और जहां चाहे वहां छक्का लगाने के लिए एकदम सही था और मैंने वैसा ही किया।

उन्होंने आगे कहा, जब मैं क्रीज पर था तो मुझे पूरा यकीन था कि हम मैच जीत लेंगे, लेकिन दुर्भाग्य से मेरे आउट होने के बाद ऐसा संभव न हो सका।

मैच की बात करें तो पुरानी दिल्ली 6 को शुरुआत में थोड़ी परेशान जरूर हुई और उसने 5.3 ओवर में सिर्फ 34 रन पर तीन विकेट खो दिए, लेकिन चौथे विकेट के लिए वंश बेदी और अर्पित राणा के बीच 47 गेंदों में 98 रन की शानदार साझेदारी ने उम्मीदों को फिर से जगा दिया।

वंश ने आसानी से बाउंड्री लगाई, जिससे टीम मुकाबले में बनी रही, लेकिन जैसे-जैसे आवश्यक रन रेट बढ़ता गया, वंश ने अतिरिक्त जोखिम उठाया और अंततः शानदार 96 रन के व्यक्तिगत स्कोर पर आउट हो गए।

अंतिम चरण में अर्नव बुग्गा ने बहुमूल्य 28 रन जोड़े, लेकिन पुरानी दिल्ली 6 सिर्फ 215 रन ही बना सकी। टीम अब शनिवार को वेस्ट दिल्ली लायंस से भिड़ेगी।

कमर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए शोरिफुल इस्लाम

रावलपिंडी। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम कमर की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए। टॉस जीतने के बाद, जो आज दूसरे दिन ही हुआ, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा कि शोरफुल की जगह तस्कीन अहमद को अंतिम 11 में शामिल किया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को एक बयान में कहा, बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम की कमर में खिंचाव है और पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में शुरू हुए दूसरे टेस्ट मैच में चयन के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जा सका।

केंद्र सरकार ने एनएचपीसी लिमिटेड को 'नवरत्न' कंपनी का दर्जा प्रदान किया

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां) । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएचपीसी लिमिटेड को केंद्र सरकार ने 'नवरत्न' कंपनी का प्रतिष्ठित दर्जा प्रदान किया है। इसके अलावा सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य उपक्रमों एसजेवीएन और एसईसीआई को भी 'नवरत्न' का दर्जा दिया है।

विद्युत मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि सार्वजनिक उद्यम विभाग (वित्त मंत्रालय) द्वारा 30 अगस्त, 2024 को जारी आदेश के मुताबिक एनएचपीसी को 'नवरत्न' कंपनी घोषित किया गया है, जिससे इसे अधिक परिचालन और वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त हुई है।

एनएचपीसी के सीएमडी आरके चौधरी ने जारी बयान में कहा कि यह एनएचपीसी परिवार के लिए वास्तव में ऐतिहासिक क्षण है। ये हमारी उल्लेखनीय वित्तीय और परिचालन उपलब्धियों की मान्यता है। उन्होंने एनएचपीसी परिवार की ओर से विद्युत मंत्रालय के प्रति उनके अटूट विश्वास और उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

नवरत्न का दर्जा मिलने से एनएचपीसी को कई प्रमुख लाभ प्राप्त हुए हैं। इससे निर्णय लेने में तेजी आएगी, कार्यकुशलता बढ़ेगी और कर्मचारी सशक्त बनेंगे। यह प्रमुख पूंजीगत व्यय और निवेश योजनाओं को समर्थन देगा। इसके अलावा यह विकास को गति देगा, बाजार पहुंच का विस्तार करेगा और दीर्घकालिक लाभ प्राप्त करेगा। गौरतलब है कि वर्तमान में, एनएचपीसी की कुल स्थापित क्षमता 7144.20 मेगावाट है। कंपनी वर्तमान में कुल 10442.70 मेगावाट की परियोजनाओं के निर्माण में लगी हुई है।

मासेराती दिल्ली और बेंगलूरु में दो नई डीलरशिप शुरू करेगी

नई दिल्ली। इटली की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मासेराती को उम्मीद है कि भारत में अगले तीन से पांच वर्षों के दौरान उसकी वृद्धि तीन अंकों में हो जाएगी। फिलहाल भारत में एक डीलरशिप वाली मासेराती ने पिछले साल देश भर में 50 से भी कम कारों की बिक्री की थी। कंपनी अगले साल की शुरुआत तक दिल्ली और बेंगलूरु में दो नई डीलरशिप शुरू करने की योजना बना रही है। यह जानकारी कंपनी की सेकंड जेनरेशन ग्रैन टूरिस्मो पेश करने के दौरान दी गई है। इस गाड़ी की शुरुआती कीमत 2.72 करोड़ रुपये एक्स-शोरूम है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आईएसआई और...

इस पर ट्रंप ने नए साल पर कहा था कि अमेरिका ने पिछले 15 वर्षों में पाकिस्तान को मूर्खतापूर्ण तरीके से 33 अरब डॉलर से अधिक की सहायता दी है। वहीं, उन्होंने हमारे नेताओं को मूर्ख समझते हुए हमें झूठ और धोखे के अलावा कुछ भी नहीं दिया। वे उन आतंकवादियों को पनाह देते हैं, जिनकी हम अफगानिस्तान में तलाश कर रहे। अब और नहीं!

मैकमास्टर ने बताया, पाकिस्तान ने अपने व्यवहार में कोई बदलाव नहीं किया था। बल्कि उसकी सरकार ने अपमान करते हुए मैटिस की यात्रा की पूर्व संध्या पर साल 2008 के के मुंबई आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद को रिहा कर दिया था। इसके अलावा, पाकिस्तान में बंधकों के साथ हाल ही में हुई एक घटना ने आतंकवादियों के साथ पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस की निर्विवाद मिलीभगत को उजागर कर दिया है।

उन्होंने देखा कि उस समय की समाचार रिपोर्टों ने राष्ट्रपति के ट्वीट की आलोचना की थी और एक सुसंगत नीति से रहित बताया। मगर सहायता रोकना दक्षिण एशिया रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसे ट्रंप ने अगस्त में कैंप डेविड में मंजूरी दी थी। मैकमास्टर ने कहा, राष्ट्रपति ने 14 दिसंबर को उपराष्ट्रपति, टिलरसन, मैटिस, केली और मेरे साथ दोपहर भोज किया था, जिससे मुझे यह समझने में मदद मिली कि पाकिस्तान पर ट्रंप के दिशानिर्देश को लागू करना या उत्तर कोरिया के लिए आकस्मिक योजनाओं पर सहयोग को बढ़ावा देना क्यों मुश्किल था।

महिलाओं के ...

बल्कि यह यात्रा भारतीय संविधान और उसके संवैधानिक मूल्यों की है। इस 75 साल की यात्रा में हमारे संविधान निर्माताओं और न्याय तंत्र से जुड़े अनेक लोगों महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके साथ ही देश के करोड़ों लोगों का भी योगदान है। जिन लोगों ने हर परिस्थिति में भारतीय न्यायपालिका पर अपना विश्वास और भरोसा अडिग रखा है। देश संविधान की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह भी गर्व और प्रेरणा का विषय है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय का जिला न्यायपालिका का छह सत्रों वाला दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार से शुरू हुआ। इसके उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं के खिलाफ अपराध और बच्चों की सुरक्षा पर भी प्रतिक्रिया दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से न्याय मिलेगा, उतनी जल्दी आधी आबादी को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल भी इस समारोह का हिस्सा बने।

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर और हमारी न्यायपालिका पर कभी अविश्वास नहीं किया। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष, मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। प्रधानमंत्री ने कहा, न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक संरचना के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक संरचना पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। इन कानूनों की भावना है नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले. हमारे आपराधिक कानून शासक और गुलाम वाली औपनिवेशिक सोच से आजाद हुए हैं।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर भी पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा।

कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय अपने स्थापना के 75 वर्ष मना रहा है और देश संविधान लागू होने के 75 वर्ष मना रहा है। यह बहुत ही सुखद संयोग है। मुझे इस अवसर में शामिल होकर अत्यंत गर्व और हर्ष की अनुभूति हो रही है। मेरा मानना है कि जिला न्यायालय हमारी न्यायपालिका का दर्पण हैं और इन्हीं के माध्यम से आम जनता अपने मन में न्यायपालिका की छवि का निर्माण करती है। ये चारों ओर एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं जो कि प्रत्येक कार्य के लिए जरूरी है। हमारे लिए गर्व का विषय है कि सरकार द्वारा न्यायपालिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पिछले एक दशक में ईज ऑफ लिविंग के साथ-साथ ईज ऑफ जस्टिस को बढ़ावा देने के लिए सार्थक प्रयास किए गए जिसका प्रणाम हमें देखने को मिल रहा है।

गलत जानकारी...

देरी को छिपाना है। उन्होंने ममता बनर्जी को जवाब देते हुए लिखा, इस संबंध में आपके पत्र में दी गई जानकारी तथ्यात्मक रूप से गलत है और यह राज्य द्वारा एफटीएससी के संचालन में देरी को छिपाने की दिशा में एक कदम प्रतीत होता है।

पश्चिम बंगाल में फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) और विशेष पॉक्सो कोर्ट की स्थिति के बारे में आपने जो पत्र में बताया है, वह मुझे कलकत्ता उच्च न्यायालय से प्राप्त जानकारी से अलग लगता है। पश्चिम बंगाल ने 88 फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफटीसी) स्थापित किए हैं, जो केंद्र सरकार की योजना के तहत आने वाले फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) के समान नहीं हैं। देवी ने इस बात का उल्लेख भी किया कि 48,600 लंबित मामले होने के बावजूद, पश्चिम बंगाल ने बलात्कार और पॉक्सो मामलों से निपटने के लिए अतिरिक्त फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों का संचालन नहीं किया है।

केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय ने कहा है कि कोलकाता हाईकोर्ट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार ने 88 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए हैं। लेकिन ये फास्ट ट्रैक कोर्ट केंद्र की योजना के तहत आने वाले फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के समान नहीं हैं। राज्य में रेप और पॉक्सो एक्ट के 48, 600 केस लंबित हैं, बावजूद इसके अतिरिक्त 11 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट को चालू नहीं किया गया है। जबकि, प्रदेश की जरूरतों के आधार पर पोक्सो कोर्ट रेप या पोक्सो या दोनों ही मामलों से निपटने वाले संयुक्त एफटीएससी हो सकते हैं। केंद्र सरकार ने ममता बनर्जी के पत्र का जवाब देते हुए स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के पत्र में लिखी गई जानकारियां तथ्यात्मक रूप से गलत है। केंद्र ने ममता बनर्जी के पत्र पर पलटवार करते हुए यह राज्य द्वारा एफटीएससी को शुरू करने में देरी पर पर्दा डालने की दिशा में एक कदम है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने दूसरे पत्र में केंद्र सरकार से बलात्कार और हत्या जैसे मामलों में सख्त कानून और सजा की मांग की गई है। ममता बनर्जी का कहना था कि रेप और हत्या के मामले को समयबद्ध तरीके से निपटाया जाना अनिवार्य है। केंद्र ने उनके झूठ की पोल खोल दी। कोलकाता रेप केस की जांच सीबीआई पहले से ही कर रही है। जबकि, कोलकाता पुलिस और राज्य सरकार पर इस मामले को दबाने की कोशिशें कर रहे हैं।

नाबालिग की रेप ...

घटना उजागर होने के बाद कोलकाता कांड से डरी बंगाल पुलिस ने गिरफ्तारी की कार्रवाई की।

आरोपी की पहचान प्रियनाथ राजबंशी के रूप में हुई है। वह टीएमसी के एक प्रभावशाली स्थानीय नेता नरेश राजबंशी का बेटा है। आरोपी के परिवार के कई सदस्य्य प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ जुड़े हुए हैं। आरोपी का परिवार इलाके के प्रभावशाली परिवारों में से एक माना जाता है। प्रियनाथ राजबंशी ने बुधवार 28 अगस्त 2024 की रात को पीड़िता के घर में जबरन घुस कर लड़की से बलात्कार किया और रेप के बाद उसने नाबालिग लड़की का गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की। इस दौरान नाबालिग चिल्लाई तो उसे बचाने के लिए उसकी मां आ गई। आरोपी प्रियनाथ उस समय घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

इस घटना में नाबालिग लड़की की गर्दन पर चोट के गहरे निशान पड़ गए हैं। उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कहा जा रहा है कि पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका ईलाज गंगारामपुर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना से बंशीहारी इलाके में भय और अफरा-तफरी का माहौल है। घटना की जानकारी पुलिस को गुरुवार 29 अगस्त को मिली। इसके बाद एएसपी इंद्रजीत सरकार और आईसी असीम गोप के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। वहां आरोपी प्रियनाथ के पैंट और जूते बरामद हुए। इसके साथ ही पुलिस ने दबिश देकर आरोपी प्रियनाथ राजबंशी को भी गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीणों के अनुसार, प्रियनाथ इस तरह की कम-से-कम तीन घटनाओं में शामिल रहा है।

इस घटना के बारे में बताते हुए दीप्ति राजबंशी नाम की एक स्थानीय ग्रामीण ने कहा कि उसे न्याय चाहिए। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपित ने पहले भी इसी तरह के अपराध किए हैं। इसलिए उसे इस बार कड़ी-से-कड़ी सजा दी जाए, ताकि भविष्य में वह इस तरह की गलती दोबारा ना करे। चेतावनी देते हुए महिला ने कहा कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है तो उन्हें अपने हाथ में कानून लेना पड़ेगा।वहीं, शिबनाथ पांडे नाम के एक अन्य ग्रामीण ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लड़कियों की कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार कहती है कि वह आदिवासी समुदायों की सुरक्षा कर रही है, लेकिन सुरक्षा कहां है? उनका कहना है कि प्रदेश में इस तरह की घटनाएं आए दिन हो रही है।

मेदिनीपुर में जूनियर...

आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के करीबी मुस्तफिजुर पर रैगिंग में शामिल होने का आरोप है। उसने जूनियर महिला डॉक्टरों को आइटम गानों पर डांस करने के लिए मजबूर किया था। धरना दे रहे मोहम्मद सीबी नाम के एक डॉक्टर के अनुसार, मुस्तफिजुर ने करीब 3 साल पहले मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज से डिग्री ली थी।वह पढ़ाई पूरी होने के बाद भी यहीं जमा हुआ है और हॉस्टल में ही रहता है। मोहम्मद ने बताया वह हमें परेशान करते रहता है और जूनियर डॉक्टरों को हॉस्टल से बाहर निकालने की धमकी देता है। जब हम मुस्ताफिजुर से कहते हैं कि हम उसके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाएंगे तो वह बताता है कि इससे कुछ नहीं होगा। भले ही शिकायत स्वास्थ्य विभाग से ही क्यों ना हो। मोहम्मद ने बताया कहा कि मुस्ताफिजुर ने जूनियर डॉक्टरों को उनके रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट न मिलने की धमकी दी है। मोहम्मद ने आगे कहा, टीएमसी नेता हर चीज को नियंत्रित करके रखता है, परीक्षा में कौन कैसे बैठेगा से लकर से लेकर छात्रों को फेल-पास करने तक।

उन्होंने यह भी बताया कि मुस्ताफिजुर ने प्रत्येक जूनियर डॉक्टर से 2000 भी वसूले और उन्हें जबरन ढचउझ में शामिल किया। प्रदर्शनकारी डॉक्टर ने बताया कि मुस्ताफिजुर एक सिंडिकेट चलाता है और मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में सबकुछ नियंत्रित करता है। श्रेया मंडल नाम की एक मेडिकल छात्रा ने बताया, जब हमने इस कॉलेज में एडमिशन लिया, उस दिन ही शिक्षक क्लास छोड़कर चले गए थे और छात्र क्लास में थे, फिर यह यूनिट आई और हमारे दरवाज़े बंद कर दिए, और इस मुस्ताफिजुर के गुंडे यहां घुस आए और हमारी रैगिंग की। श्रेया मंडल ने बताया, हमें परेशान किया जाता है। जब हम नए थे, तो हमें ऑडिटोरियम में ले जाया जाता था। पूरे ऑडिटोरियम के सामने, वे कहते हैं कि आइटम सॉन्ग बजाओ और डांस करो। उसी दिन से, हम डरे हुए हैं। कई जूनियर्स को धमकाया जाता है कि अगर तुम इसका विरोध करोगे, तो तुम निशाना बन जाओगे!

अब मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के पीड़ित जूनियर डॉक्टरों ने मुस्ताफिजुर रहमान मलिक को हॉस्टल से तत्काल बाहर निकालने की मां को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने मुस्ताफिजुर के कॉलेज में घुसने पर रोक लगा दी है। कॉलेज के प्रिंसिपल ने कहा, हम यहां सुरक्षा सम्बन्धित सभी कमियों को दूर कर रहे हैं। हैं। हम और सीसीटीवी ला रहे हैं और स्वास्थ्य विभाग को इस मामले में सूचित कर दिया है। पुलिस से लेकर कांस्टेबल तक सुरक्षा अधिकारी और सुरक्षा के उपायों पर भी काम किया जा रहा है।

दो से ज्यादा...

वे वरिष्ठता सूची में नीचे चले गए हैं। इसके कारण उनकी पदोन्नति प्रभावित हो रही है। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद राज्य सरकार की अधिसूचना पर अंतरिम रोक लगा दी है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने अदालत में तर्क दिया कि साल 2001 में राज्य सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके तहत 1 जून 2002 के बाद तीसरा बच्चा पैदा होने पर सरकारी कर्मचारियों को 5 साल के लिए प्रमोशन से वंचित करने का नियम लागू कर दिया था। साल 2017 में सरकार ने 5 साल की अवधि को घटाकर 3 साल कर दिया था। इसके बाद कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को अधिसूचना जारी किया था। इसमें कहा गया था कि ऐसे सभी कर्मचारी, जिनकी पदोन्नति दंड स्वरूप रोकी गई थी उन्हें उनकी पदोन्नति वर्ष से ही प्रमोशन का लाभ दिया जाए। ऐसे में राज्य सरकार के करीब 125 विभागों में रिव्यू डीपीसी के माध्यम से कर्मचारियों को प्रमोशन का लाभ दिया जा रहा था।

याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि राज्य सरकार ने सूचना जारी करके दो से अधिक बच्चों वाले कर्मचारियों को लेकर अयोग्य घोषित करके प्रमोशन से वंचित कर दिया था। ऐसे में अब उन्हीं कर्मचारियों को फिर से प्रमोशन के लिए योग्य नहीं माना जा सकता है। वह बैक डेट से प्रमोशन देना कानून सम्मत नहीं है। इसे बारां और झालावाड़ के पुलिसकर्मियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

राजस्थान सरकार के टू चाइल्ड पॉलिसी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। फरवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी देने से मना करना भेदभावपूर्ण नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि नियम दो से ज्यादा जीवित बच्चे होने पर उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य घोषित करता है। कोर्ट का कहना है कि इस नियम का मकसद परिवार नियोजन को बढ़ावा देना है।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में भी टू-चाइल्ड पॉलिसी को लेकर कई नियम लागू हैं। साल 2001 के सरकारी रिजॉल्यूशन में कहा गया है कि अगर किसी कर्मचारी के दो से ज्यादा बच्चे हैं और सेवा के दौरान उसकी मौत हो जाती है तो परिवार के किसी भी व्यक्ति को अनुकंपा पर नियुक्ति नहीं दी जाएगी। साल 2005 से लागू सिविल रूल्स में प्रावधान है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य होंगे।

जम्मू कश्मीर ...

वंशवादी नेताओं का दबदबा है। यह दबदबा आजादी के बाद से ही बरकरार है। जम्मू कश्मीर में यदि राजनीतिक परिवार की बात आती है तो अब्दुल्ला परिवार का नाम सबसे पहले सामने आता है। अब्दुल्ला परिवार की तीन पीढ़ियों के चार लोग जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं तो उनके पिता फारूक अब्दुल्ला कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। फारूक अब्दुल्ला केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। फारूक अब्दुल्ला के पिता शेख अब्दुल्ला भी जम्मू कश्मीर की कमान संभाल चुके हैं। माना जा रहा है कि अगर जम्मू कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनती है तो उमर अब्दुल्ला ही राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। उमर अब्दुल्ला तीसरी पीढ़ी के नेता हैं। वहीं फारूक अब्दुल्ला के बहनोई गुलाम मोहम्मद शाह 1980 के दशक में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं जबकि इस परिवार के कई सदस्यों ने जम्मू कश्मीर में मंत्री पद की भूमिका भी निभाई है।

अब्दुल्ला परिवार के बाद नाम आता है मुफ्ती परिवार का। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के संस्थापक मुफ्ती मोहम्मद सईद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनकी बेटी महबूबा मुफ्ती वर्तमान में पार्टी की अध्यक्ष हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव में महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती चुनाव लड़ रही हैं। वह इस चुनाव में सबसे हाई प्रोफाइल उम्मीदवार हैं। जब से जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म हुआ है, उसके बाद से ही इल्तिजा लगातार राजनीति में सक्रिय रही हैं। इल्तिजा ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग की बिजबेहरा सीट से नामांकन दाखिल किया है।

जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव में इस बार मियां मेहर अली भी ताल ठोक रहे हैं। जम्मू कश्मीर से चर्चित सांसद मियां अल्ताफ अहमद के बेटे मियां मेहर अली हैं। मियां मेहर अली अपने परिवार की चौथी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं और अब वह भी राजनीति में आ रहे हैं। जम्मू कश्मीर की लाल चौक सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस के टिकट पर अहसान परदेसी उम्मीदवार हैं। अहसान परदेसी, गुलाम कादिर परदेसी के बेटे हैं। गुलाम कादिर परदेसी पहले नौकरशाह थे और उसके बाद राजनेता बने थे। अहसान परदेसी नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष भी हैं। इन बड़े नामों के अलावा कई और उम्मीदवार भी मैदान में हैं, जो राजनीतिक परिवार से आते हैं। जम्मू कश्मीर विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष मुहम्मद अकबर लोन के बेटे हिलाल अकबर लोन भी चुनाव लड़ रहे हैं। हिलाल के पिता कैबिनेट मंत्री, स्पीकर और बाद में सांसद भी बने थे।

छात्राओं के...

कॉलेज प्रबंधन ने हमें धमकी दी है कि अगर हमने इस मामले की शिकायत की तो वे हमारे खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

इस बीच, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कृष्णा जिले के गुडलावाल्लेरू इंजीनियरिंग कॉलेज के महिला वॉशरूम में कैमरा लगाए जाने के आरोपों की जांच के आदेश दिए। उन्होंने साफ कह दिया है कि अगर छिपाकर लगाए गए कैमरों के माध्यम से वीडियो रिकॉर्ड करने का अपराध साबित होता है, तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नायडू ने छात्राओं से आग्रह किया कि यदि उनके पास घटना से संबंधित कोई सबूत है तो वे उसे उनके साथ साझा करें। इस घटना के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, पुलिस का कहना कि छात्रों के शौचालय में ऐसा कोई छिपा हुआ कैमरा नहीं मिला है। कृष्णा जिले के पुलिस अधीक्षक गंगाधर राव ने बताया कि इस मामले को लेकर विश्वास बहाली के उपाय किए गए हैं और आरोपों की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की गई है। इससे पहले, राज्य के मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने भी इस कथित घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

इंजीनियरिंग कॉलेज में हुई यह घटना शुक्रवार को उस दौरान सामने आई जब न्याय के लिए गुरुवार देर रात तक प्रदर्शन कर रहे छात्राओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोकेश ने कहा, मैंने कॉलेज में छात्राओं के शौचालय में छिपा कैमरा लगाए जाने के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। दोषियों और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि कॉलेजों में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

इंजीनियरिंग कॉलेज की एक छात्रा ने बताया कि जब वह वॉशरूम गई तो उसे कुछ अजीब लगा, इसी दौरान उसने पाया कि यहां पर वीडियो बनाने के लिए एक कैमरा लगा हुआ था। छात्रा ने इसकी जानकारी कॉलेज प्रशासन को दी। छात्राओं ने निजता के उल्लंघन और उसके बाद वीडियो के प्रसार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

बिहार से हथियार...

छापेमारी में मिली एक कार्बाइन 40 हजार रुपए में खरीदी गई थी। यह भी पता चला है कि डॉक्टर इश्तियाक का झारखंड के चतरा जिले के टंडवा निवासी फरार आतंकी अबू सूफियान से संपर्क था। सूफियान ने पाक अधिकृत कश्मीर के कैंपों में ट्रेनिंग ली है। उसी ने इश्तियाक को अलकायदा का झारखंड मॉड्यूल खड़ा करने वाले ओडिशा निवासी आतंकी अब्दुल रहमान कटकी से मिलवाया था। अबू सूफियान अभी तक पकड़ा नहीं गया है, जबकि आतंकी कटकी पकड़ा चुका है।

जांच एजेंसियों को पता चला कि आतंकी अबू सूफियान साल 2016 से ही सक्रिय है। इसके बावजूद वह अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। आशंका है कि वह पाकिस्तान में है। वह एक्यूआईएस का टॉप नेता है। वह बंगाल और केरल की तर्ज पर ही अलकायदा झारखंड मॉड्यूल खड़ा करना चाह रहा था।

अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेन्ट के इस मॉड्यूल का नेतृत्व फिलहाल डॉक्टर इश्तियाक कर रहा था। उसने इस मॉड्यूल का विस्तार राजस्थान और उत्तर प्रदेश तक कर लिया था। डॉ. इश्तियाक रांची के प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सेवा दे रहा था। हालांकि एटीएस की कार्रवाई के बाद 22 अगस्त को ही अस्पताल के मैनेजमेंट ने डॉ. इश्तियाक अहमद को बर्खास्त कर दिया। डॉक्टर इश्तियाक पेशे से रेडियोलॉजिस्ट है, जिसने रांची के आरआईएमएस से मेडिकल की पढ़ाई की। हजारीबाग में भी इश्तियाक का एक क्लिनिक चलता है।दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल से मिले इनपुट पर झारखंड एटीएस ने रांची के बरियातू जोड़ा तालाब के अल हसन रेसीडेंसी में दबिश देकर डॉक्टर इश्तियाक को गिरफ्तार किया, इसके बाद उसके लैपटॉप और मोबाइल फोन की जांच की। जांच में कई संदिग्ध चीजें मिलने के बाद एटीएस उसे गुप्त ठिकाने पर ले गई, जहां पूछताछ कर यूपी, राजस्थान समेत अन्य शहरों में गतिविधि की जानकारी उससे जुटाई गई।

भिवाड़ी में मौके से पुलिस ने एके 47 राइफल, प्वाइंट 38 बोर की रिवाल्वर और छह जिंदा कारतूस, .32 बोर की 30 जिंदा कारतूस, एके 47 की 30 कारतूस, डमी इंसास, एयर राइफल, आयरन एल्बो पाइप, हैंड ग्रेनेड समेत अन्य चीजें जब्त की हैं। खास बात यह है कि राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तार किए गए 6 आतंकी भी झारखंड के ही निकले हैं। झारखंड एटीएस की टीम ने 22 अगस्त 2024 लोहरदगा में कुडू के हेंजला कौवाखाप गांव अल्ताफ उर्फ इल्ताफ की तलाश में पहुंची थी। उसके घर से दो हथियार और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए। इसके साथ ही रांची के चान्हों इलाके में एटीएस की टीम ने कई जगहों पर दबिश दी। एटीएस ने चान्हों के बलसोकरा के मोहम्मद मोदब्बीर, रिजवान, चटवल के मुफ़्ती रहमतुल्लाह मजहिरी और पिपराटोली के मतिउर रहमान को हिरासत में लिया था।एटीएस की टीम ने एक साथ चान्हों के बलसोकरा, चटवल, पिपराटोली के अलावा पकरियो गांव के एनामुल अंसारी, शहबाज अंसारी तथा शहबाज अंसारी के घर में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मोहम्मद मोदब्बिर, मोहम्मद रिजवान, मुफ़्ती व मतीउर रहमान को उनके घर से और मुफ्ती रहमतुल्लाह को एटीएस ने उसके मदरसा से हिरासत में लिया। इस दौरान पकरियो में छापेमारी में एनामुल अंसारी और शहबाज घर में नहीं मिले। परिजनों की ओर से बताया गया कि जेयारत अंसारी का बेटा शहबाज परीक्षा के लिए दिल्ली गया हुआ है, जबकि शहबाज और एनामुल अंसारी तबलीगी जमात में गए हुए हैं।

भाद्रपद माह की मासिक शिवरात्रि पर कर लें ये काम, सभी समस्या होंगी दूर

हिंदू धर्म में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दिन भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन किए गए व्रत और उपाय न केवल भक्तों के जीवन में सुख और शांति लाते हैं, बल्कि वैवाहिक जीवन को भी खुशहाल बनाते हैं। मासिक शिवरात्रि पर विशेष रूप से किए गए उपाय से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है और पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आती है। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।..

मासिक शिवरात्रि का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि शुरुआत 01 सितंबर को देर रात 03 बजकर 40 मिनट से और इस तिथि का समापन 02 सितंबर को सुबह 05 बजकर पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार, भाद्रपद माह की मासिक शिवरात्रि 01 सितंबर को मनाई जाएगी। बता दें कि शास्त्रों में मासिक शिवरात्रि पर संध्याकाल में महादेव की पूजा का महत्व बताया गया है।

मासिक शिवरात्रि के खास उपाय

मनचाहा वर पाने के लिए

मनचाहा वर पाने के लिए मासिक शिवरात्रि के दिन गंगाजल में शहद मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इसके साथ ही मनचाहा वर के लिए कामना करें। मान्यता है कि ऐसा करने से शिव जी की कृपा बरसती है और मनचाहा वर मिलता है।

वैवाहिक जीवन में खुशियां के लिए

अगर आपका वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं चल रहा है और आए दिन लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं तो ऐसे में मासिक शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करें। इसके साथ ही उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाएं। कहा जाता है कि ऐसा करने से वैवाहिक जीवन में आ रही परेशानियां दूर हो जाती हैं और पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।

घर की समस्या को दूर करने के लिए

अगर आपके घर में लड़ाई-झगड़े होते हैं और कलह बना रहता है तो ऐसे में मासिक शिवरात्रि के दिन शिव जी को खीर और फल अर्पित करें। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति बना रहता है और खुशियों का आगमन होता है।

भाद्रपद अमावस्या कल

पितृ शांति के लिए करें स्नान-दान

पितरों की शांति के लिए अमावस्या पर स्नान-दान, श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विधान है। मान्यता है इससे पूर्वजों की आत्मा को तृप्ति मिलती है और वह परिवार के लोगों को खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं।

पितरों के आशीर्वाद से वंश वृद्धि, नौकरी में तरक्की या धन पाने में आ रही बाधाओं का नाश होता है। इस साल भाद्रपद अमावस्या 2 या 3 सितंबर कब मनाई जाएगी, यहां जान लें सही तारीख और स्नान-दान का मुहूर्त।

भाद्रपद अमावस्या तिथि 2 सितंबर 2024 को सुबह 05.21 पर शुरू होगी और 3 सितंबर को सुबह 07.24 पर समाप्त होगी। अमावस्या का स्नान-दान उदयातिथि से मान्य होता है। ऐसे में भाद्रपद अमावस्या 2 सितंबर 2024 को मान्य होगी। इस पूरे दिन अमावस्या तिथि रहेगा साथ ही सोमवार होने से सोमवती अमावस्या का संयोग बनेगा।

स्नान मुहूर्त – सुबह 04.38 – सुबह 05.24
देव पूजा मुहूर्त – सुबह 06.09 – सुबह 07.44

पितरों के श्राद्ध का समय – दोपहर 12 बजे के बाद, सूर्यास्त से पहले तक।

भाद्रपद अमावस्या पर लक्ष्मी जी को करें प्रसन्न भादों अमावस्या से पहले जो शुक्रवार पड़ रहा है उस दिन सौ ग्राम चावल की ढेरी बनाकर उस पर लक्ष्मी जी को स्थापित करें। रोजाना मां लक्ष्मी पर एक-एक दाना चावल अलग से अर्पित करें। पूजन करें।

जो चावल प्रतिमा के नीचे रखे हैं भाद्रपद अमावस्या पर उन्हें पक्षियों को चुगने डाल दें। धन प्राप्त होने की राह बनेगी। इसके बाद शुक्ल पक्ष के शुक्रवार को खीर बनाकर लक्ष्मी जी को नैवेद्य रूप से अर्पित करें। मान्यता है इससे देवी लक्ष्मी घर में वास करती हैं और धन की समस्या का अंत होता है। पूर्वजों भी प्रसन्न रहते हैं।

भाद्रपद अमावस्या के दिन क्या न करें?

अमावस्या के दिन कुछ कार्यों को हिंदू धर्म के अनुसार नहीं करना चाहिए। जो लोग इस दिन मांसाहार का सेवन करते हैं उन्हे पूर्वजों का आशीर्वाद नहीं मिलता। वैदिक और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन गलती से भी किसी के यहां शोक मनाने नहीं जाना चाहिए। इस दिन शोक मनाना वर्जित होता है। किसी से भी झगड़ा न करें और किसी को अपशब्द न करें इसका कई गुना बुरा परिणाम उसी व्यक्ति को भोगना पड़ता है जो करता है।

भाद्रपद अमावस्या का वैज्ञानिक महत्व

कुछ लोग मानते हैं कि भाद्रपद अमावस्या के दिन पृथ्वी और सूर्य के बीच की दूरी कम हो जाती है, जिससे पितरों की आत्माएं धरती पर आती हैं। हालांकि, इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है। भाद्रपद अमावस्या हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो हमें अपने पूर्वजों को याद करने और उनका आशीर्वाद लेने का अवसर देता है। इस दिन किए गए धार्मिक अनुष्ठानों से हमें आध्यात्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सितंबर का महीना जल्द ही शुरु हो होने वाला है । सितंबर के महीने में इन राशियों की लड़किया होने वाली हैं भाग्यशाली। इस महीने इस राशि की लड़कियों को जॉब और करियर में मिलेगी सफलता, साथ ही सिंग्ल लड़कियों को मिल सकता है हमसफर, जानें कौन-सी है राशि रहेगी इस माह में लकी।

मेष राशि :– मेष राशि की कन्याएं सितंबर माह में लकी साबित होने वाली है। जो लड़कियां या महिलाएं वर्किंग हैं उनके लिए सितंबर का महीना शानदार रहने वाला है। इस महीने आपको ग्रोथ के शानदार अवसर मिलेंगे। इस महीने आपकी तरक्की के योग बन रहे हैं। परिवार में आपकी तरक्की से खुशियों का मौहल रहेगा, साथ ही आपकी आर्तिक स्थिति में भी सुधार होगा।

सिंह राशि :– सिंह राशि की कन्याओं के लिए सितंबर का नया महीना लाभकारी साबित हो सकता है। इस माह में भाग्य इस राशि की लड़कियों का पूरा साथ देगा। आपके जीवन में बदलाव हो सकते हैं। आपकी लाइफ में किसी नए व्यक्ति की एंट्री हो सकती है जिसके साथ आप अपना पूरा जीवन बिता सकती हैं। करियर के लिहाज से यह महीना आपकी तरक्की लेकर आएगा।

कन्या राशि :– कन्या राशि की महिलाओं के लिए सितंबर का महीना शुभ रहेगा। इस मंथ में जॉब में आपको ग्रोथ मिल सकती है। आपका प्रमोशन और सैलरी में बढ़ोतरी होना संभव हैं, लंबे समय से आप इस मौके का इंतजार कर रही थी। शादी के लिए इस महीने कई रिश्ते आएंगे, जिसमे से एक रिश्ता आपको और परिवार को भा सकता है।

धनु राशि :– धनु राशि की लड़कियों की सितंबर के महीने में किस्मत खुलने वाली है। आपको किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। आपका उस कंपनी में काम करने का सपना सच हो सकता है। परिवार में खुशियां का माहौल रहेगा। जो लड़कियां सिंगल हैं उनके लिए शादी के लिए रिश्ते आ सकते हैं जिससे आपके जीवन की खुशियां दोगुनी होने वाली हैं। आपको अपने सपनों का राजकुमार मिल सकता है।

हिंदू धर्म के 10 महान शिक्षक, जिनके ज्ञान से हुआ भारत का विकास

हिंदू धर्म में गुरु-शिष्य परंपरा का एक लंबा इतिहास है। गुरु को भगवान के समान माना जाता है, क्योंकि वह शिष्य को आत्मज्ञान और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गुरु को ज्ञान, धर्म, और नैतिकता का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में शिक्षक का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। एक अच्छा गुरु ही शिष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। वे शिष्य के जीवन को सही दिशा देने और उसे आत्म-साक्षात्कार की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है। भारतीय परंपराओं में गुरु को संस्कारों का संवाहक माना गया है। वह शिष्य को नैतिकता, धर्म, और जीवन के मूल्यों का पालन करने की शिक्षा देता है। जहां शिष्य अपने गुरु से दीक्षा लेकर अपने जीवन का उद्देश्य प्राप्त करता है।

महर्षि वेदव्यास

हिंदू धर्म में महर्षि वेदव्यास को सबसे महान आचार्यों में से एक माना जाता है। उन्होंने वेदों का विभाजन और महाभारत की रचना की, जो आज भी ज्ञान का असीम स्रोत है।

आदि शंकराचार्य

अद्वैत वेदांत का प्रचार करने वाले आदि शंकराचार्य ने ही सनातन धर्म की पुनर्स्थापना की। उन्होंने मठों की स्थापना कर ज्ञान का प्रसार किया, जिससे भारतीय संस्कृति और अध्यात्मिकता को नई दिशा मिली।

स्वामी विवेकानंद

टीचर्स डे स्पेशल की 10 महान शिक्षकों की लिस्ट में स्वामी विवेकानंद का नाम भी शामिल है। उन्होंने भारतीय दर्शन और योग को पश्चिमी दुनिया तक पहुंचाया। उन्होंने वेदांत के मूल्यों को प्रस्तुत करते हुए आध्यात्मिक जागरण और भारतीय समाज के पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाई। जिसका प्रभाव आज भी भारत के विकास में पर नज़र आता है।

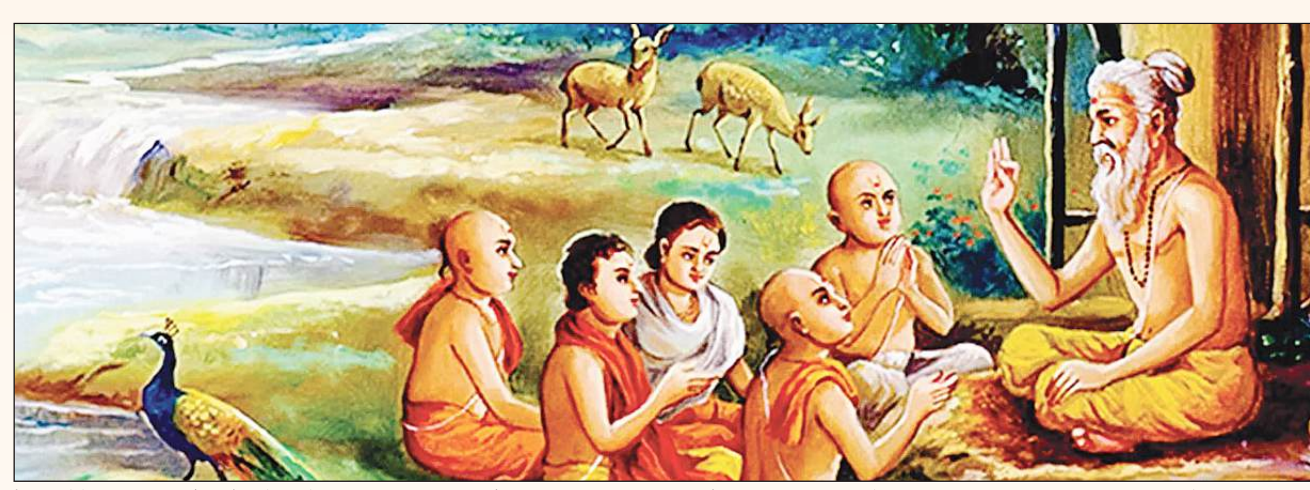

महर्षि पतंजलि

योग सूत्रों की रचना करने वाले महर्षि पतंजलि आज भी योग और ध्यान के क्षेत्र में मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण स्रोत है। उनके ज्ञान ने योग को विश्वभर में लोकप्रिय किया। उनके नाम से आज भी कई आश्रम, यूनिवर्सिटी और हॉस्पिटल हैं जहां लोगों का उद्धार किया जा रहा है। योग के माध्यम से उनके जीवन की राह को आसान बनाया जा रहा है।

महर्षि वाल्मीकि

रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि ने भारतीय समाज को मर्यादा पुरुषोत्तम राम का आदर्श प्रस्तुत किया। उनकी शिक्षाएं आज भी लोगों को धर्म और कर्तव्य का पालन सिखाती हैं। शिक्षक दिवस के खास मौके पर भी लोग कई जगहों पर उनकी लिखी रामायण का पाठ करते हैं।

स्वामी दयानंद सरस्वती

आर्य समाज की स्थापना करने वाले स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों के ज्ञान का प्रचार किया। उन्होंने समाज सुधार के साथ-साथ शिक्षा और महिलाओं के अधिकारों की भी वकालत की। जो आज के भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है।

रामकृष्ण परमहंस

रामकृष्ण परमहंस ने धर्म की एकता और सभी धर्मों की समानता का संदेश दिया। उनके शिष्य, स्वामी विवेकानंद ने उनके विचारों को विश्व स्तर पर पहुंचाया। धर्म की एकता की ताकत किस तरह समाज पर प्रभाव डाल सकती है उनकी कही वो बातें आज भी समाज में बदलाव लाने का कार्य कर रही हैं।

स्वामी रामतीर्थ

स्वामी रामतीर्थ ने वेदांत के सिद्धांतों से भारतीय समाज को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जोड़ने का कार्य किया। उनका ज्ञान और उपदेश आज भी प्रेरणा स्रोत हैं।

महर्षि अरविंद

महर्षि अरविंद ने भारतीय अध्यात्म और राष्ट्रीयता को एकसाथ जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने योग और ध्यान के माध्यम से व्यक्तिगत और सामाजिक विकास का मार्ग दिखाया। जो नए भारत की नींव रखने में महत्वपूर्ण रहा।

स्वामी शिवानंद

स्वामी शिवानंद ने योग और आयुर्वेद के माध्यम से मानवता की सेवा की। उनके द्वारा स्थापित डिवाइन लाइफ सोसाइटी ने चिकित्सा, शिक्षा और अध्यात्मिकता के क्षेत्रों में व्यापक योगदान दिया। आज के भारत में भी उनकी ये सेवा लोगों का भला कर रही है।

समुद्र मंथन से उत्पन्न हुए 14 रत्नों में से एक है ये वृक्ष

5 हजार साल से भी अधिक पुराना है इसका इतिहास

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में गोमती नदी के किनारे स्थित पारिजात का ये प्राचीन वृक्ष अपनी ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। इसे सुल्तानपुर के प्रमुख पर्यटक स्थलों में गिना जाता है, और ये स्थानीय लोगों के लिए आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति इस पारिजात वृक्ष के पास अपनी मन्नत मांगता है, उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। इस वृक्ष की प्राचीनता और धार्मिक महत्ता ने इसे श्रद्धालुओं के बीच विशेष स्थान दिलाया है, जिससे ये एक लोकप्रिय आस्था का प्रतीक बन गया है।

पारिजात वृक्ष का ऐतिहासिक महत्व इसे और भी विशिष्ट बनाता है, कहा जाता है कि ये वृक्ष 5000 वर्षों से अधिक पुराना है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान उत्पन्न 14 रत्नों में से एक ये वृक्ष देवताओं द्वारा सुरकानन में स्थापित किया गया था, जो इसकी दिव्यता को दर्शाता है।

महाभारत काल में भी इस वृक्ष का उल्लेख मिलता है, जब पांडवों का कोई ज्ञात निवास स्थान नहीं था। उस समय माता कुंती ने एक पूजा के दौरान पारिजात पुष्प की आवश्यकता के चलते इस वृक्ष को धरती पर लाया था, जिसे पद्मपुराण में कल्पवृक्ष के रूप में भी पहचाना जाता है। सुल्तानपुर के इस पारिजात वृक्ष को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य विरासत वृक्ष का दर्जा दिया गया है, जो इसे संरक्षण और विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। इस मान्यता के बाद, इसे एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता और भी बढ़ गई है।

जलन की भावना से हो सकता है नुकसान

एंजल्स की सलाह लेकर करें दिन की शुरुआत

सनातन धर्म में ज्योतिष शास्त्र को बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस शास्त्र के माध्यम से भविष्य की जानकारी को कुछ हद तक जाना जा सकता है। वहीं, आज के दौर में टैरो कार्ड रीडर की बातें भी काफी हद तक सही साबित हो रही हैं और आपका मुख्य एजेंडा हो सकता है। वहीं, लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यावहारिक होना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

इस समय अपने काम और परिवार के बीच संतुलन बनाएं, साथ ही अपने समय का बुद्धिमानी से उपयोग करें।

लोगों के जीवन की मुश्किलों को दूर करने में कामयाब हो रही हैं, तो आइए अंक ज्योतिष और टैरो विशेषज्ञ ''पल्लवी एके शर्मा'' से जानते हैं कि आज का दिन कैसा रहने वाला है और आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना है?

एंजल्स की सलाह

अपने चारों ओर करुणा, रचनात्मकता, देखभाल और प्रेरणादायक दृष्टिकोण बनाएं रखें।

यह समय लोगों के लिए कुछ करने और उन्हें वापस देने का है।

इस बात को समझें कि आपको हमेशा अच्छे लोगों का सपोर्ट, प्यार और विश्वास प्राप्त होता है।

अपनी योजनाओं के बारे में सोचें और उनका दोबारा से आंकलन करें।

वित्त और पारिवारिक चर्चा आज

ध्यान और इच्छा के साथ-साथ समृद्धि लाने के लिए समझदारी से सोचें।

अपने परिवार को समृद्धि की ओर प्रेरित करने के लिए अपनी सराहना करें।

शुक्राना, शुक्राना, शुक्राना।

क्या न करें?

हद से ज्यादा दूसरों की मदद करना, जिससे आपका ही नुकसान हो जाए।

अहंकार से बचें।

सपनों की दुनिया में रहने से बचें।

बहुत ज्यादा गैजेटिंग से बचें।

किसी से जलन की भावना न रखें।

इन मंत्रों का जाप करें

ॐ गं गणपतये नमः।

ॐ नमः शिवाय।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात।।

गजलक्ष्मी की मूर्ति घर के किस कोने में रखनी चाहिए

इससे क्या लाभ मिलता है जानें

सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए हम घर के निर्माण से लेकर रख-रखाव आदि वास्तु अनुसार करते हैं। लेकिन देवी-देवताओं की मूर्ति या तस्वीर भी वास्तु के अनुसार उचित दिशा में रखनी चाहिए। इससे घर पर सुख-समृद्धि का वास होता है।

बात करें मां लक्ष्मी की तो हिंदू धर्म में इन्हें धन-वैभव की देवी कहा जाता है। मां लक्ष्मी का वास जिस घर पर होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। मां लक्ष्मी की ऐसी तस्वीर जिसमें ऐरावत हाथी हो, उसे गजलक्ष्मी कहा जाता है।

गजलक्ष्मी की तस्वीर घर पर रखना और पूजा करना बहुत शुभ होता है। खासकर ऐसी तस्वीर जिसमें गज यानी हाथी सूंड में कलश लिए हो तो ऐसी तस्वीर शुभता प्रदान करती है।

हाथी पर सवार मां लक्ष्मी यानी गजलक्ष्मी को आरोग्य, सुख-सौभाग्य और सफलता का प्रतीक माना जाता है। इनकी पूजा से घर पर सुख-समृद्धि बनी रहती है।

लेकिन अगर आप गलत दिशा में गजलक्ष्मी की तस्वीर या मूर्ति स्थापित कर पूजा करते हैं तो इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है। इसलिए, वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि, घर पर गजलक्ष्मी की फोटो किस दिशा में रखनी चाहिए।

घर के उत्तर-पूर्व कोने (ईशान कोण) या फिर पूजाघर के दाईं ओर गजलक्ष्मी की फोटो रखने के लिए शुभ होती है। साथ ही आप उत्तर दिशा में भी गजलक्ष्मी की फोटो रख सकते हैं।

वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन की फिल्म बिन्नी एंड फैमिली का ट्रेलर जारी

20 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

काफी दिनों से फिल्म बिन्नी एंड फैमिली को लेकर चर्चे सुनने में आ रहा थे। अब फिल्म का ट्रेलर लॉन्च कर दिया गया है। फिल्म बिन्नी एंड फैमिली में बतौर लीड एक्ट्रेस अंजिनी धवन ने डेब्यू किया है और इनका वरुण धवन से खास रिश्ता है। अंजिनी धवन की इस फिल्म का ट्रेलर दमदार लग रहा है और साथ ही इसकी रिलीज डेट भी सामने आई है।फिल्म बिन्नी एंड फैमिली में कई सालों के बाद पंकज कपूर ने वापसी की है जो एक कमाल के एक्टर हैं। फिल्म के इस ट्रेलर में अंजिनी धवन की एक्टिंग जबरदस्त लग रही है और इस फिल्म से आज के दौर की जनरेशन भी कनेक्ट कर सकती है।फिल्म का ट्रेलर बालाजी मोशन पिक्चर्स ने शेयर किया है।

इसके कैप्शन में लिखा, तैयार हो जाइए अल्टीमेट प्यार और ढेर सारा ड्रामा क्योंकि बिन्नी और फैमिली आ गई है ढेर सारे हंगामे के लिए। मिलिए बिन्नी एंड फैमिली से 20 सितंबर को आपके नजदीकी सिनेमा घरों मेंफिल्म बिन्नी एंड फ्रैमिली के ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि तीन जनरेशन की कहानी को दिखाया जा रहा है। एक बुजुर्ग व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ बेटे के घर उससे मिलने और कुछ दिन साथ रहने आते हैं। बेटा और बहू तो उनके रहने में एडजस्ट करते हैं लेकिन उनकी पोती जो कि फ्रीडम में विश्वास करती है उसे प्रॉब्लम होने लगती है।ऐसी कहानी आपको आज के समय लगभग हर घर में देखने को मिल सकती है। पूरी फिल्म देखने के लिए आपको 20 सितंबर का इंतजार करना होगा। इस फिल्म में अंजिनी धवन के साथ पंकज कपूर, हिमानी शिवपुरी, राजेश कुमार, चारू शंकर और नमन त्रिपाठी ने अहम किरदार निभाया है।

फिल्म का निर्देशन संजय त्रिपाठी ने किया है और निर्माण एकता कपूर ने किया है।24 वर्षीय अंजिनी धवन के पिता का नाम सिद्धार्थ धवन है। सिद्धार्थ बीते जमाने के मशहूर एक्टर अनिल धवन के बेटे हैं। अनिल धवन फिल्म मेकर डेविड धवन के भाई हैं। वहीं अंजिनी धवन एक्टर वरुण धवन के कजिन ब्रदर की बेटी यानी वरुण की भतीजी हैं।अंजिनी धवन की ये डेब्यू फिल्म है और ट्रेलर के हिसाब से आप देख पाएंगे कि एक्टिंग उनके ब्लड में ही है। बाकी फिल्म रिलीज के बाद पता चलेगा कि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का क्या अंजाम होता है।

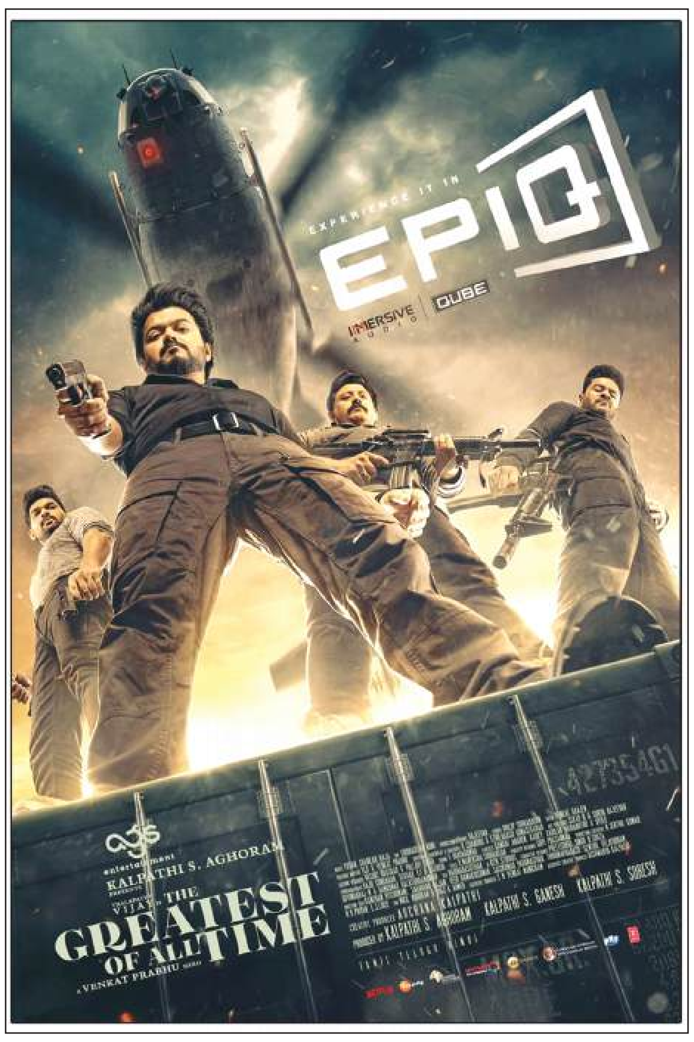

थलपति विजय की गोट हुई रीसेंसर्ड

नए सीन जुड़ने के बाद 3 घंटे से ज्यादा हो गया फिल्म का रनटाइम

थलपति विजय और निर्देशक वेंकट प्रभु की गोट यानी द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को टीम ने एक बार फिर सेंसर किया है। टीम ने फिल्म में नए सीन्स हैं। वेंकट प्रभु की निर्देशित यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।विजय की अपकमिंग फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से यू/ए सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। इस सर्टिफिकेशन के बाद मेकर्स ने नए सीन्स के साथ फिल्म को रीसेंसर किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में कुछ गलत सीन्स जोड़े गए हैं, जो निर्देशक वेंकट प्रभु की फिल्मों में अक्सर देखने को मिलते हैं।

गाली-गलौज जैसे अपशब्दों को म्यूट कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर सामने आई फिल्म के सेंसर सर्टिफिकेट के अनुसार, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम से तीन सेकंड की फुटेज हटा दी गई है, जबकि दो सेकंड की फुटेज बदल दी गई है।नए सीन्स के कारण द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम का रनटाइम 3 घंटे से ज्यादा हो गया है। गोट का अंतिम रनटाइम अब तीन घंटे और तीन मिनट है। इससे पहले गोट का रनटाइम 2.45 मिनट था।डायरेक्टर वेंकट प्रभु ने 21 अगस्त को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम को यू/ए सर्टिफिकेट मिला है।तमिलनाडु में गोट के लिए एडवांस टिकट बुकिंग 30 अगस्त से शुरू होगी।

तमिलनाडु के अलावा थलपति विजय की फिल्म पड़ोसी राज्यों में सुबह के शो सुबह 4 बजे से ही शुरू होंगे। गोट विजय की 68वीं फिल्म है, ऐसे में विजय और वेंकट प्रभु की जोड़ी को लेकर फैंस और दर्शक काफी एक्साइटेड हैं। विजय और वेंकट प्रभु की यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स का फर्स्ट सॉन्ग साडा प्यार टूट गया रिलीज

इंतजार आखिरकार खत्म हुआ, करीना कपूर खान की इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स का पहला ट्रैक साडा प्यार टूट गया रिलीज कर दिया गया है। फिल्म पहले ही टीजर और पोस्टर रिलीज के साथ काफी चर्चा में है। वहीं गाने के टाइटल के अनाउंसमेंट के बाद से ही दर्शक इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे थे। करीना कपूर की इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। वीडियो सॉन्ग में करीना कपूर अलग ही अंदाज में नजर आ रही हैं। विजुअल में उनके कैरेक्टर की पूरी डिटेल दिखाई गई है। साडा प्यार टूट गया का म्यूजिक विक्की मार्ले ने किया है।

20 अगस्त, 2024 को द बकिंघम मर्डर्स का मोस्ट अवेटेड टीजर रिलीज किया गया था। इसकी शुरुआत एक दिल दहला देने वाले दृश्य से होती है जिसमें एक भारतीय परिवार के एक छोटे बच्चे को एक पार्क में मार दिया जाता है, जिससे बड़ा विरोध प्रदर्शन होता है। एक जासूस की भूमिका निभा रहीं करीना कपूर खान अपराध के पीछे के मकसद की जांच करने और अपराधी की पहचान करने के लिए निकलती हैं। इसके टीजर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है इसीलिए फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।इससे पहले, द बकिंघम मर्डर्स को अक्टूबर में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित 2023 मुंबई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया था। यह फिल्म हंसल मेहता के साथ करीना कपूर खान की पहली फिल्म है और इसमें वह को प्रोड्यूसर भी हैं।बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में करीना के अलावा ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन समेत कई कलाकार हैं। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा, राघव राज कक्कड़ और कश्यप कपूर की लिखी हुई यह फिल्म एकता कपूर और शोभा कपूर ने प्रोड्यूस की है।

स्त्री 2 की सक्सेस के बीच राजकुमार राव की एक्शन फिल्म का ऐलान

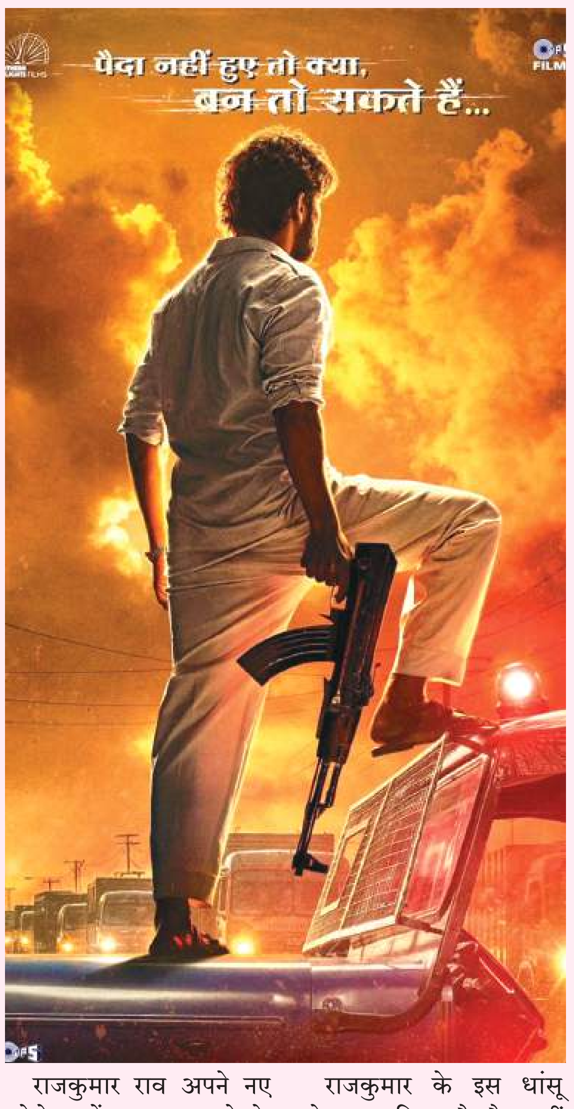

राजकुमार राव अपने नए प्रोजेक्ट में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। एक्टर ने अपने आगामी फिल्म का ऐलान किया है। इसके लिए राजकुमार ने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है।

राजकुमार की आगामी फिल्म का टाइटल आज 31 अगस्त को होगी। फिल्म को कुमार तौरानी और जय शेवकरमानी निर्मित करेंगे।स्त्री 2 में विक्की का किरदार निभाने वाले राजकुमार अब नए अवतार में नजर आने वाले हैं। शुक्रवार को राजकुमार ने अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म का खुलासा किया है। विक्की ने अपने आगामी फिल्म का पोस्टर जारी कर कैप्शन में लिखा है, बनेगा क्या, बताएंगे 31 अगस्त होगी बड़ी घोषणा। बने रहें।पोस्टर में राजकुमार की झलक पीछे से दिखाई गई है। ट्रकों की कतार को रोकते हुए वह एक पुलिस की जीप पर खड़े हाथ में गन लिए दिख रहे हैं।

राजकुमार के इस धांसू पोस्टर पर लिखा है, पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं।।।स्त्री 2 की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद, राजकुमार राव कुमार तौरानी (टिप्स फिल्म्स) और जय शेवक्रमणी (नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स) द्वारा निर्मित फिल्म में बिल्कुल नए अवतार में नजर आएंगे। फिल्म का टाइटल कल यानी 31 अगस्त 2024 को राजकुमार राव के जन्मदिन पर घोषित किया जाएगा। राजकुमार राव आखिरी बार स्त्री 2 में लोगों को एंटरटेन करते नजर आएं। अमर कौशिक की निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान द्वारा निर्मित यह फिल्म 2018 की स्त्री का सीक्वल है। फिल्म में राजकुमार के साथ श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, अभिषेक बनर्जी अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर अभिनीत हॉरर कॉमेडी स्त्री 2 ने दुनिया भर में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

नानी की फिल्म सारिपोधा सनिवारम ने की छप्परफाड़ कमाई

पहले दिन किया इतना कलेक्शन

साउथ सुपरस्टार नानी नेचुरल एक्टर के नाम से भी जाने जाते हैं।16 साल के फिल्मी करियर में उन्होंने कई सुपरहिट मूवीज दी हैं। अभिनेता नानी की सारिपोधा सानिवारम सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। नानी की फिल्म ने रिलीज होते ही पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है। नानी नेचुरल स्टार की एक्शन ड्रामा फिल्म सारिपोधा सनिवारम के पहले दिन का कलेक्शन सामने आ चुका है। निर्देशन विवेक अत्रेया की इस फिल्म की भारत में अच्छी शुरुआत हुई। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित पांच भाषाओं में उपलब्ध है। चलिए यहां जानते हैं ओपनिंग डे पर कितने करोड़ का बिजनेस किया है?सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने ?9 करोड़ से ओपनिंग की है। वहीं सारिपोधा सनिवारम ने तेलुगु: ?8.75 करोड़, तमिल: ?24 लाख और मलयालम: ?1 लाख की कमाई की है। फिल्म ने कर्नाटक में ?1.1 करोड़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में ?8.5 करोड़, तमिलनाडु में ?55 लाख, केरल में ?5 लाख, भारत के अन्य राज्यों में ?20 लाख कमाए। भारत में इसकी कुल कमाई ?10.4 करोड़ हो चुकी है।सुपरस्टार नानी की सारिपोधा सनिवारम ने वर्ल्ड वाइड ?19.40 करोड़ का कलेक्शन किया है। गुरुवार को सारिपोधा सानिवारम की कुल तेलुगु ऑक्यूपेंसी 53.54त्न थी। इस फिल्म में नानी और प्रियंका मोहन लीड रोल में हैं। इसे डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया गया है, जो ब्लॉकबस्टर आरआरआर फिल्म के निर्माण के लिए फेमस है। फिल्म में एसजे सूर्या, अभिरामी, अदिति बालन, पी साई कुमार, सुभलेखा सुधाकर, मुरली शर्मा और अजय घोष भी हैं।हाल ही में, नानी ने बताया था कि फिल्म में सूर्या की भूमिका निभाना उनके लिए उतना चुनौतीपूर्ण नहीं था जितना उन्होंने सोचा था। हाल ही में, नानी ने बताया था कि फिल्म में सूर्या की भूमिका निभाना उनके लिए उतना चुनौतीपूर्ण नहीं था जितना उन्होंने सोचा था।

अलौकिक शक्ति पर है एक्टर मुक्ति मोहन का विश्वास

कहा- इससे ऊर्जा को कर सकते हैं महसूस

जल्द ही सुपरनैचुरल थ्रिलर ए वेडिंग स्टोरी में नजर आने वाली डांसर और अभिनेत्री मुक्ति मोहन ने कहा क?िवह अलौकिक शक्तियों पर विश्वास करती हैं। अभिनेत्री ने कहा, मैं इसे समझा या परिभाषित नहीं कर सकती, आप बस ऊर्जा या वाइब को महसूस कर सकते हैं।फिल्म के बारे में उन्होंने आगे कहा, फिल्म की खासियत इसकी कहानी है। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह पंचक काल के आधार पर एक रोमांटिक शादी की कहानी है।इसका कॉन्सेप्ट किसी भी फिल्म से बहुत अलग है। इसका संदर्भ एक हजार साल पहले के गरुड़ पुराण से हैं। फिल्म एक अलौकिक हॉरर से परे है, इसमें ड्रामा और रोमांस है, क्योंकि हमारी कहानी में एक शादी शामिल है।एक अभिनेत्री के रूप में वह फिल्म के स्क्रिप्ट में सच्चाई को देखती हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माता ही इसकी कुंजी है।उन्होंने कहा, मुझे डांस से पहचान मिली, लेकिन एक्टिंग के क्षेत्र में जाना एक बिल्कुल नया लेवल है। लाइफ हिल गई, ग्यारह ग्यारह, थार और अब ए वेडिंग स्टोरी में अपने काम के लिए इतनी पॉजिटिव रिव्यू पाकर मैं खुद को बेहतरीन महसूस करती हूं। ए वेडिंग स्टोरी में अक्षय आनंद, राजोशी बरुआ उर्फ पीलू विद्यार्थी और वैभव तत्ववादी भी हैं।स्टार कास्ट के बारे में बात करते हुए मुक्ति ने कहा, मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को धन्य महसूस करती हूं, जिसमें इतने बेहतरीन कलाकार हैं। अक्षय सर, पीलू मैम और वैभव जैसे अभिनेताओं से सपोर्ट पाकर मुझे बहुत ताकत मिलती है, जो दशकों से अपने हुनर पर काम कर रहे हैं।एक अभिनेता के रूप में आपकी सबसे बड़ी मान्यता क्या है? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा अवसर। अवसरों के साथ, सब कुछ संभव है। वे कहती हैं कि सफलता कड़ी मेहनत और अवसरों का मिलना है। मैं एक महीने में न केवल एक या दो बल्कि तीन नई परियोजनाओं की सफल रिलीज़ का आनंद ले रही हूं। मुझे चुनने के लिए सभी कास्टिंग निर्देशकों और फिल्म निर्माताओं का तहे दिल से शुक्रिया। मैं अपनी यात्रा में उन्हें और अधिक गौरवान्वित करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई मेहमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ़ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दु:खी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है- जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दु:खी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 01 सितंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी उत्तर रात्रि 05:24 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 09:49 तक
योग : परिघ सायं 05:49 तक
करण : विष्टि सायं 04:31 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 09:49 तक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा सायं 04:29 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रवासी मजदूर की हत्या, गौरक्षक दल के सात सदस्य गिरफ्तार

चंडीगढ़,31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी जिले में पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में गौरक्षक समूह के सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोप है कि मजदूर ने पशु मांस खाया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, साबिर मलिक की हत्या 27 अगस्त को की गई थी। सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, 'मॉब लिंचिंग जैसी बातें कहना सही नहीं है, क्योंकि गौरक्षा के लिए विधानसभा में सख्त कानून बनाया गया है और इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मैं कहना चाहता हूं कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए और ये घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं।'

पुलिस ने बताया कि पीड़ित के पशु मांस खाने के संदेह में अभिषेक, मोहित, रविंदर, कमलजीत और साहिल ने खाली प्लास्टिक की बोतलें बेचने के बहाने उसे एक दुकान पर बुलाया और फिर उसकी पिटाई कर दी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी मलिक को दूसरी जगह ले गए और फिर से उसकी पिटाई की, जिससे

सीएम ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

उसकी मौत हो गई। इस मामले में दो नाबालिगों को भी पकड़ा गया है।

बाढड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक तेजपाल सोनी ने बताया कि मंगलवार देर शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि भांडवा गांव के समीप एक युवक का शव पड़ा है। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के 24-परगना जिले के गांव बासंती बल्लारोप मेजरपाला शिवगंज निवासी साबिर मलिक के रूप में हुई।

इसके बाद पुलिस ने उसके साले सुजा-उद्दीन सरदर के बयान दर्ज किए। सरदर ने अपने जीजा साबिर मलिक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया। सुजाउद्दीन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 अगस्त को कुछ लोग उनके पास पहुंचे। उन लोगों ने कहा कि तुम संरक्षित पशु का मांस खाते हो। इसके बाद वो उन्हें थाने लेकर चले गए। उसके थाने जाने के बाद कुछ लोग दोबारा वहां पहुंचे और कबाड़ बेचने के बहाने जीजा साबिर मलिक को ले गए। उक्त लोगों ने उनके एक अन्य जानकार असम के लंगला निवासी असीरउद्दीन को भी वहां बुलाया। उक्त लोगों ने उसके जीजा व असीरउद्दीन की डंडों से पिटाई की और वहां बाइक पर बैठाकर ले गए। इसके बाद उसके जीजा का शव भांडवा गांव के समीप से बरामद हुआ।

पुलिस के मुताबिक, चरखी दादरी पुलिस ने बधरा गांव में एक प्रवासी की हत्या के मामले में दो नाबालिगों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान साबिर मलिक के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अभिषेक, रविंदर, मोहित, कमलजीत और साहिल के रूप में हुई है।

महावीर खराड़ी बने आरएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष

4 साल बाद हुए चुनावों में पहली बार ऑनलाइन वोटिंग

जयपुर,31 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद के ऑनलाइन हुए चुनाव में महावीर खराड़ी अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद की एसोसिएशन की अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार 928 सदस्यों में से 903 सदस्यों ने ऑनलाइन मतदान किया। इनमें से महावीर खराड़ी को 362 वोट मिले, वहीं अशोक शर्मा को 286 और राकेश शर्मा 256 वोट मिले।

चुनाव शनिवार सुबह आरएएस क्लब में संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष पद के लिए सुबह 10.15 से 11.15 बजे तक नामांकन भरे गए थे। जिसमें राकेश शर्मा, अशोक शर्मा व महावीर खराड़ी ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। चुनाव प्रकिया संपन्न करवाने के लिए केसरलाल मीणा, दिनेश शर्मा व नीलिमा तक्षक का निर्वाचन मंडल बनाया गया था। खास बात यह है कि चार साल बाद हुए इन चुनावों में पहली बार ऑनलाइन वोटिंग की सुविधा मिली, जिसके चलते हर जिले के आरएएस अधिकारी ने इसमें वोट डाला। निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने 11.30 बजे तक प्राप्त नामांकनों की जांच की, 11.45 बजे तक नाम वापसी व दोपहर 12 बजे चुनाव योग्य प्रत्याशियों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया गया। मतदान दोपहर 12.15 से शाम 4.15 बजे तक किया गया।

साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने मिलिट्री स्कूल पहुंचे एसपी

अजमेर,31 अगस्त (एजेंसियां)। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए अजमेर एसपी लगातार स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक करके उन्हें साइबर अपराध से बचने की बात समझा रहे हैं। इसके लिए वे लगातार स्कूलों में सेमिनार कर रहे हैं। आज भी राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, अजमेर के सभागार में पहुंचे पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने शनिवार को विद्यालय के छात्र-छात्राओं तथा समस्त स्टाफ को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने के लिए चेताया।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया व्यक्ति के जीवन को सुविधा-संपन्न तथा आरामदायक बनाने के लिए एक बेहतरीन प्लेटफार्म है परंतु दुःखद बात यह है कि यह मनुष्य को अपना गुलाम बना रहा है। साइबर अपराधी इसका भरपूर दुरुपयोग कर रहे हैं और लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। साइबर ठगों का शिकार होने से बचने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि उनके द्वारा दिए गए लालच में बिल्कुल न फंसें। उन्होंने कहा कि घर के संस्कार इतने उत्तम हों कि बेटे-बेटियां परिवार के मुखिया की बात मानें, घर के सदस्य आपस में बातचीत करें, मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग में समय की बर्बादी से बचें।

कार्यक्रम के आयोजन में सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य एवं प्रशासनिक अधिकारी मेजर अजय देशपांडे ने पुलिस अधीक्षक के भाषण की भूरि-भूरि सराहना की तथा स्मृति चिह्न भेंट कर आभार जताया।

युवक ने मरने से पहले इंस्टाग्राम पर रील बनाई, फिर खाया जहर

झुंझुनूं,31 अगस्त (एजेंसियां)। आई एम सॉरी माई बुगु, लव यू। कभी किसी के साथ ऐसा मत करना प्लीज, मासूम दिल के साथ मत खेलना। मैं तड़पने लगा हूं तो ये कदम उठा रहा हूं। सॉरी, लव यू। झुंझुनूं शहर के गुढ़ा रोड पर मृत पाए गए युवक ने मरने से पहले व्हाट्सएप पर यह संदेश छोड़ा। जहर के साथ फोटो डालकर उसने गुड बाय लिखा और इंस्टाग्राम पर रील भी बनाई थी।

झुंझुनूं शहर के गुढ़ा रोड पर शुक्रवार शाम को मृत पाए गए 16 वर्षीय युवक अरबाज के मोबाइल से मिले व्हाट्सएप चैट्स ने उसकी मौत के पीछे की दर्दनाक कहानी को उजागर किया। अरबाज, जो सुलताना थाना क्षेत्र के निजामपुरा गांव का निवासी था, ने अपनी मौत से पहले व्हाट्सएप पर कई संदेश छोड़े, जिसमें उसने लिखा, मैं तड़पने लगा हूं तो ये कदम उठा रहा हूं, सॉरी, लव यू। इसके साथ ही उसने जहर के साथ अपनी फोटो पोस्ट कर गुड बाय लिखा। अरबाज ने मरने से पहले इंस्टाग्राम पर भी एक रील बनाई थी, जिसमें उसके दर्द और निराशा की झलक मिलती है। पुलिस को घटना स्थल पर मृतक के मोबाइल में व्हाट्सएप चैट्स के स्क्रीनशॉट मिले, जिनमें उसने अपनी आ-खिरी बातों को साझा किया था। शुक्रवार शाम को गुढ़ा रोड पर उसका शव मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कोतवाली थानाधिकारी पवन चौबे ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मृतक के पिता की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। मृतक के पिता रफीक ने बताया कि उनका बेटा 15 दिनों से लादूसर गांव में मजदूरी कर रहा था और शुक्रवार को घर लौटने वाला था। लेकिन शाम को पुलिस से बेटे की मौत की सूचना मिली।

स्कूल में हुई चाकूबाजी का मामला

स्कूल ने पांच छात्रों को निष्कासित किया

उदयपुर,31 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले दिनों शहर के प्रतापनगर क्षेत्र के एक निजी स्कूल में हुई चाकूबाजी के मामले में स्कूल प्रशासन ने पांच छात्रों को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि मामूली विवाद में धक्का-मुक्की होने के बाद एक छात्र चाकू लेकर आया और दूसरे के हाथ में मार दिया। पुलिस ने मामले में 4 लोगों को डिटेन किया है। बताया जा रहा है कि स्कूल के दो छात्रों के बीच गुरुवार को किसी बात को लेकर विवाद होने के बाद बात धक्का-मुक्की में बदल गई। इसी बीच एक छात्र चाकू लेकर गया और मौका देखकर दूसरे छात्र को चाकू मार दिया, जिससे छात्र घायल हो गया। घायल छात्र को तत्काल हॉस्पिटल ले जाया गया।सूचना पर प्रतापनगर थानाधिकारी भरत योगी स्कूल पहुंचे। घटना की जानकारी लेकर आरोपी छात्र सहित 4 छात्रों को डिटेन किया गया है।

राजू ठेहट हत्याकांड के वांछित हार्डकोर क्रिमिनल कमल डेलू को जेल भेजा

एक लाख रुपए का इनामी बदमाश था

बीकानेर,31 अगस्त (एजेंसियां)। जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधी कमल डेलू को राजपासा एक्ट में निरुद्ध कर आरोपी को जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम के अनुसार कमल डेलू पर जोधपुर, बीकानेर, सीकर, बाडमेर में लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट व फिरौती सरीखे कुल 15 गंभीर प्रकरण दर्ज हैं। कमल डेलू बीकानेर पुलिस का हिस्ट्रीशीटर और बीकानेर जिले का हार्डकोर भी चिन्हित है। पुलिस के अनुसार पूर्व में भी राजू ठेहट प्रकरण में एके-47 हथियार सप्लाई करवाने के प्रकरण में यह वांछित था और इस पर पुलिस मुख्यालय की ओर से एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। बीकानेर पुलिस ने इसे नासिक (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया था। कमल डेलू पुत्र जगदीश बिश्नोई रावताराम स्वामी गैंग का मुख्य सदस्य है, साथ ही पुलिस थाना नया शहर का हिस्ट्रीशीटर व जिले का हार्डकोर अपराधी है, जिसके विरुद्ध अलग-अलग थानों में लूट, डकैती, हत्या के प्रयास, फिरौती व अवैध हथियार के गंभीर प्रकरण दर्ज हैं।

उज्जैन में वृद्ध की हत्या कर चुराए आभूषण

पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी को पकड़ा

चित्तौडगढ़,31 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में एक वृद्ध की हत्या कर डेढ़ लाख रुपये नकद और लाखों रुपये के आभूषण चोरी करने वाले युवक को चित्तौड़गढ़ जिले की निंबाहेड़ा सदर थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। आरोपी वारदात के बाद भीलवाड़ा की ओर भागने की कोशिश कर रहा था। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर उज्जैन पुलिस को घटना की जानकारी दी गई, और निंबाहेड़ा पहुंचने पर आरोपी को उज्जैन पुलिस को सौंप दिया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि निंबाहेड़ा सदर थानाधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वण्डर चौराहे पर नाकाबंदी की थी। इसी दौरान नीमच की ओर से आ रही एमपी नंबर की एक स्विफ्ट डिजायर कार को रोका गया, जिसमें चालक सहित तीन लोग सवार थे। इनमें से एक ने अपना नाम भीलवाड़ा जिले के बनेड़ा थानांतर्गत कंकोलिया निवासी दिलखुश पुत्र रामेश्वर प्रजापत बताया। पुलिस को उनकी गतिविधियाँ संदिग्ध लगीं, जिसके बाद गहन पूछताछ की गई।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसने हरसिद्धि मंदिर के पीछे स्थित बड़े रामद्वारा में अपनी दादी के घर से नकदी और आभूषण चुराए हैं।

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने उज्जैन नगर निगम के रिटायर्ड कर्मचारी मोहनलाल शर्मा की हत्या की थी। आरोपी ने मोहनलाल शर्मा के घर में घुसकर उन्हें सोते समय गला दबाकर और सिर में इमाम दस्ते से गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या की थी।

इसके बाद उसने घर की तलाशी लेकर संदूक से 1 लाख 49 हजार रुपये नकद, सोने के जेवरात, चांदी के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान चुरा लिया था।

इस खुलासे के बाद, निंबाहेड़ा सदर थाना पुलिस ने उज्जैन के महाकाल पुलिस थाना को सूचना दी। उज्जैन पुलिस जब निंबाहेड़ा पहुंची, तो आरोपी और चोरी किए गए आभूषण उन्हें सौंप दिए गए।

चार दिन पहले हुई चोरी का खुलासा

डेढ़ किलो चांदी के जेवर, 60 हजार रुपए चुराए थे, आरोपी गिरफ्तार

सिरोही,31 अगस्त (एजेंसियां)। सिरोही जिले में मंडार पुलिस ने 4 दिन पूर्व जालमपुरा में दिन-दहाड़े हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने भैंस खरीदने के बहाने परिवादी का विश्वास जीतकर उनके घर की रैकी की थी। चोरी गए जेवरात और नकदी की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। सिरोही जिले के जालमपुरा गांव में 28 अगस्त 2024 को दिन में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने वाडा, जसवंतपुरा, जिला जालौर निवासी मानाराम पुत्र उनाराम कलबी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन में संपत्ति संबंधी अपराधों के रोकथाम और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। मंडार थानाधिकारी रविन्द्रपालसिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम, जिसमें उपनिरीक्षक उदाराम, हेड कांस्टेबल भवानीसिंह, कांस्टेबल मोडाराम, चूनाराम, कुलदीपसिंह, हनुमानाराम, युवराजसिंह, जूठाराम और सोहनलाल शामिल थे, ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, परिवादी जोधाराम पुत्र वनाजी कलबी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 28 अगस्त को जब वह और उनका परिवार महादेवजी मंदिर गए थे, तब उनके घर का ताला तोड़कर करीब डेढ़ किलो चांदी के जेवरात और 60 हजार रुपए नकदी चोरी कर ली गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किए। मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपी मानाराम की गतिविधियों पर निगरानी रखी गई और उसे दस्तियाब कर पूछताछ की गई।

कालबा गांव की मोना अग्रवाल ने पैरा ओलंपिक में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नारनौल,31 अगस्त (एजेंसियां)। नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव कालबा की रहने वाली मोना अग्रवाल ने पैरा ओलंपिक में 10 मीटर शूटिंग स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। मोना की इस सफलता ने पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल बना दिया है। मोना अग्रवाल, जो दो बच्चों की मां हैं, ने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके 5 साल की बेटी और लगभग 3 साल का बेटा है। अपनी घरेलू जिम्मेदारियों के बावजूद मोना ने खेल के प्रति अपने जुनून को कभी कम नहीं होने दिया और अब देश को गौरवान्वित किया है।

मोना ने 10 मीटर शूटिंग स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद अब 50 मीटर शूटिंग स्पर्धा में भी हिस्सा लेने की तैयारी कर रही हैं। देश को उनसे एक और मेडल की उम्मीद है। मोना की इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र को गर्व से भर दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने नीतीश सरकार के मंत्री को दी नसीहत, नाराज हुए जीतन राम मांझी

पटना (एजेंसियां)।

अशोक चौधरी के भूमिहार जाति पर दिए गये बयान पर सियासत गर्म हो गई है। मंत्री अशोक चौधरी का न सिर्फ जनता दल यूनाइटेड के अंदर विरोध होने लगा है बल्कि जनता दल यूनाइटेड के सहयोगी दल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) 'हम' के अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने भी उनके इस बयान पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने अशोक चौधरी को नसीहत देते हुए कहा कि 'किसी जाति विशेष पर बोलने से पहले सोच-समझ लें, फिर कुछ बोलें। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी के बयान का समर्थन नहीं किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अशोक चौधरी को कहा कि राजनीति में जाति पर बोलने से परहेज करें।

जनता दल यूनाइटेड के मुख्या प्रवक्ता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी के द्वारा दिया गया बयान काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। नीराज कुमार ने कहा कि अशोक चौधरी के पार्टी के निर्माण में कोई भूमिका नहीं है। लोगों में उनका कितना प्रभाव है इसको इस बात से समझा जा सकता है कि वह लोक सभा चुनाव में कटिहार संसदीय क्षेत्र के प्रभारी थे, लेकिन चुनाव प्रचार में कब कब शामिल हुए यह वहां के लोग बखूबी बता सकते हैं। दूसरी बात यह कि कटिहार में आपके संसदीय प्रभारी होने के बाद भी पार्टी वहां से हार गई। नीरज कुमार ने कहा कि कोई किसी को टिकट नहीं दिला सकता है, किसको टिकट देना है और किसको टिकट नहीं देना है यह अशोक चौधरी नहीं बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तय करते हैं। ऐसे में अशोक चौधरी अनर्गल बयान न दें। नीरज कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि मगध में उप-चुनाव होने हैं और अगर कोई यह चाहे कि उस चुनाव को प्रभावित कर दें तो हम ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि मगध के लोगो का भरोसा नीतीश कुमार पर है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने मंत्री अशोक चौधरी को स्पष्ट रूप से कह दिया कि अशोक चौधरी ने पार्टी और नीतीश कुमार के नीति के विपरीत बयान दिया है और जो भी नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नीतियों के खिलाफ काम करेगा, मैं उसका पुरजोर विरोध करूंगा।

दरअसल शुक्रवार को जहानाबाद में जनता दल यूनाइटेड के एक कार्यक्रम में पहुंचे जनता दल यूनाइटेड दल के मंत्री अशोक चौधरी ने भूमिहार जाति पर आपत्तिजनक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता एवं नेता लोग लोकसभा चुनाव में सही ढंग से अपनी भूमिका निभाते तो निश्चित रूप से जदयू प्रत्याशी की जीत होती। भूमिहार समाज को जब टिकट दिया जाता है तो समाज एकजुट होकर वोटिंग करते हैं लेकिन यही जब टिकट दूसरे कास्ट अति पिछड़ा को दिया जाता है तो वोट देने में यह समाज आना कानी करता है। यह चलने वाला नहीं है।

पार्टी ने कर दिया यह खुलासा

चिराग पासवान की लोकसभा सदस्यता को चुनौती देने वाले भाजपा के नेता नहीं

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री व लोकजनशक्ति पार्टी (रामविलास) की लोकसभा सदस्यता को चुनौती देने वाले पटना के राकेश सिंह भारतीय जनता पार्टी में नहीं हैं। बिहार प्रदेश भाजपा ने दो टूक कर दिया है। इसको लेकर भाजपा प्रवक्ता दानिश इकबाल की ओर लेटर जारी किया गया है। इसमें स्पष्ट कहा गया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुद को भारतीय जनता पार्टी का नेता बताने वाले राकेश कुमार सिंह हमारे गठबंधन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बारे में भ्रामक खबरें और प्रचार फैलाकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

सम्मानित सहयोगी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री, भारतीय जनता पार्टी इन दावों का खंडन करती है कि राकेश कुमार सिंह न तो भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं और न ही हमारी पार्टी से जुड़े हैं किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से।

बता दें कि राकेश सिंह 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग पासवान की पार्टी के टिकट पर घोषी से चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि वह चुनाव हार गए थे। चिराग के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद उन्होंने खुद को भाजपा का नेता बताया था। इतना ही नहीं उन्होंने यहां तक कह दिया था कि चिराग पासवान का कोई वजूद ही नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया था कि चिराग पासवान ने 2024 के लोकसभा चुनाव में दायर किए गए हलफनामा में अपनी प्रॉपर्टी के बारे में भी तथ्य छुपाए हैं। उसमें सिर्फ पटना के एसके पुरी के घर के बारे में बताया है। जबकि अपने पैतृक गांव में 80 एकड़ जमीन का जिक्र तक नहीं किया।

इतना ही नहीं राकेश सिंह ने चिराग की बीटेक की डिग्री पर भी सवाल उठाया है। राकेश सिंह ने आरोप लगाया था कि चिराग ने रेप एक मामले को छुपाया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश पर वहां 2021 में पुलिस ने केस दर्ज किया था। यह जानकारी भी उन्होंने छिपाई। राकेश सिंह ने केंद्रीय मंत्री चिराग के खिलाफ पटना हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की बात कही। साथ ही चुनाव आयोग से भी शिकायत करने का दावा किया है।

मोतिहारी में खेत में सो रहे किसान की कुदाल से काटकर हत्या, परिजनों में मचा कोहराम

मोतिहारी (एजेंसियां)।

पूर्वी चंपारण जिले के चैता गांव में एक व्यक्ति की कुदाल से काटकर अज्ञात अपराधियों ने हत्या कर दी और फरार हो गए। बताया जा रहा है कि गांव के वार्ड-2 निवासी छोटेलाल साह की उस वक्त हत्या हो गई जब वह धान के खेत में चारपाई पर सोए हुए थे। सोए अवस्था में अज्ञात अपराधी आए और कुदाल से काटकर हत्या कर दी। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद छोटेलाल के घरवालों पुलिस को घटना की सूचना दी।

जानकारी के मुताबिक, धान के खेत में पानी की कमी को देखते हुए किसान छोटेलाल अपने खेत में मोटर से पटवन कर रहे थे। पटवन देर रात तक होने के कारण वह धान के खेत में ही सो गए। उसके बाद सोए अवस्था में ही उनकी हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर पकड़ी दयाल डीएसपी सुबोध कुमार, इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष शकुंतला कुमारी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए।

मृतक के भतीजे रवि शंकर साह ने बताया कि कुदाल से उनके शरीर को काट कर हत्या की गई है। बताया जा रहा है कि छोटेलाल साह आलू-प्याज का व्यवसाय भी करते थे। किसान की हत्या के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया है। गांव में भी अफरातफरी का माहौल है और लोग भयभीत हैं।

वहीं, पुलिस ने बताया कि मृत किसान के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के स्पष्ट कारणों का खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है। प्राथमिकी के लिए आवेदन भी नहीं आया है। आवेदन मिलने पर मृतक के परिजन जो कारण बताएंगे उसपर जांच की जाएगी। वैसे पुलिस इस हत्याकांड का खुलासा करने और अपराधियों की पहचान की दिशा में काम कर रही है। इसकी वैज्ञानिक तरीके से भी जांच की जा रही है।

रोहतास और कैमूर में एनआईए की छापेमारी, सात जगहों पर तलाशी के दौरान कई सामान मिले

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बिहार के दो जिलों में छापेमारी की है। एनआईए की टीम ने कैमूर और रोहतास के सात जगहों पर छापेमारी की।

टीम को कई आपत्तिजनक डिजिटल उपकरणों और दस्तावेजों को बरामद किया। टीम इस मामले में कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है।

बताया जा रहा है कि एनआईए को सूचना मिली थी कि भर्ती और लेवी वसूली के माध्यम से संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर चल रहा है। सीपीआई (माओवादी) कैडर के इसमें लिप्त होने की जानकारी मिली थी। इसी सूचना के आधार पर टीम ने सीपीआई माओवादी नेताओं के ठिकाने पर छापेमारी की।

बता दें कि अप्रैल 2022 को भाजपा माओवादी के शीर्ष नेता व कुख्यात नक्सली विजय कुमार आर्य और उमेश चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। दोनों रोहतास में संगठन को मजबूती देने और धन एकत्र करने में जुटे थे। उस वक्त उनके पास से पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, वाइस रिकॉर्डर, की पैड मोबाइल, लेवी रसीदें, प्रतिबंधित आतंकी संगठन के नक्सली पर्चे समेत कई सामान बरामद किए गए थे। इन दोनों पर गया, औरंगाबाद, रोहतास में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। एनआईए की टीम ने इन दोनों से जुड़े सात ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

एनआईए की मानें तो तीन अन्य आरोपी, अनिल यादव उर्फ अनिल व्यास, राजेश कुमार गुप्ता और रूपेश कुमार सिंह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। इन पर मामले में एनआईए द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया है। तलाशी में जीवित गोला-बारूद के अलावा मोबाइल फोन, सिम कार्ड, मेमोरी कार्ड सहित कुछ आपत्तिजनक दस्तावेजों, डायरियों आदि सहित डिजिटल उपकरणों को जब्त किया गया था। एनआईए का कहना है कि भर्ती और लेवी वसूली के माध्यम से सोन गंगा विंध्याचल जोनल एड्हॉक कमेटी को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे सीपीआई (माओवादी) कैडरों के बारे में और सुराग के लिए उपकरणों और दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

गया में डेंगू के बाद डायरिया का कहर, दो मासूमों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

डेंगू के बाद अब डायरिया ने गया जिले के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। जिला अस्पताल और निजी चिकित्सकों के यहां प्रतिदिन डायरिया से ग्रसित दर्जनों मरीज पहुंच रहे हैं। जिले के आमस प्रखंड के लालाडीह गांव में चापाकल और आहार में जमें पानी के कारण दूषित पानी लोगों के कंठ तक पहुंच रहा है। स्वास्थ्य विभाग डायरिया के मरीज बढ़ने के कारणों में से एक कारण प्रदूषित जलापूर्ति को मान रहे हैं। उक्त गांव में चापाकल और आहार में जमें पानी गांव के लोगों के लिए खतरे का सबब बनती जा रही हैं। डेंगू व वायरल के प्रकोप से जूझ रहे स्वास्थ्य स्वास्थ्य विभाग के लिए अब डायरिया जैसी जानलेवा बीमारी नई चुनौती बन सकती है। इसके संकेत भी मिल रहे हैं।

जिले के आमस प्रखंड में स्थित लालडीहा गांव में इन दिनों डायरिया के आतंक से गांव वाले परेशान हैं। डायरिया के चपेट में आने से दो मासूमों की मौत हो चुकी है। वहीं गांव के 18 लोग अब भी बीमार है। सभी बीमार लोगों को आमस स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया जा रहा है। वहीं इलाज के दौरान तीन लोग स्वस्थ हो चुके है। फिलहाल स्वास्थ्य केंद्र में 15 लोगों का इलाज किया जा रहा है। हालांकि लालडीह गांव डायरिया फैलने की खबर के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। यही वजह है कि स्वास्थ्य विभाग गांव का दौरा कर लोगों से मिलकर डायरिया फैलने की कारणों की जानकारी ले रहे है। वहीं चिकित्सकों की टीम गांव के चापाकल और आहार में जमें पानी को डायरिया फैलने का आशंका जताया है।

वहीं एक सप्ताह से लालडीह गांव में डायरिया के आतंक से भयभीत हैं। यही कारण है कि 80 घरों के गांव में अधिकांश घरों पर ताला लगा है। गांव वाले डायरिया के प्रकोप से पलायन होने को मजबूर है। गया के सिविल सर्जन डॉ रंजन कुमार सिंह ने बताया कि लालडीहा गांव में डायरिया फैलने की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट है। चिकित्सकों की टीम गांव पहुंच कर कारणों को जानने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान गांव के चापाकल से निकलने वाली दूषित पानी और आहार में जमें पानी से डायरिया फैलने की आशंका जताया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण कर लिया जाएगा।

घर में घुसे नकाबपोश बदमाश

मुखिया को बुलाने से मना करने पर युवती को मारी गोली

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में बेखौफ बदमाशों ने एक 18 वर्षीय युवती को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। घटना सुरसंड थानाक्षेत्र के राधाउर गांव की है। जहां वार्ड नंबर आठ निवासी अरविंद तिवारी की बेटी रिमझिम कुमारी को गोली मार दी गई। घटना के बाद आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सीतामढ़ी शहर के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां गंभीर स्थिति में उसका ऑपरेशन कर फिलहाल गोली बाहर निकाल दी गई है। बताया जा रहा है कि बदमाशों द्वारा युवती को पेट में गोली मारी गई है। जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 12 बजे रिमझिम अपने घर पर थी। इसी दौरान तीन नकाबपोश बदमाश मौके पर पहुंचे। फिर स्थानीय मुखिया रवि शंकर ठाकुर को बुलाने के लिए कहा। जब युवती ने मना किया तो अपराधियों ने उसे डराने के लिए युवती के पैर के पास जमीन पर एक राउंड फायरिंग की। उसके बाद बदमाशों द्वारा फोन कर मुखिया को बुलाने के लिए कहा गया तो लड़की ने मना कर दिया। इतने में अपराधियों ने उसे पेट में गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। इतने में आसपास के लोग और परिजन मौके पर दौड़ पड़े।

परिजनों ने रिमझिम को घायल अवस्था में हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। वहीं, चिकित्सक ने बताया कि वह फिलहाल खतरे से बाहर है। इधर, घटना की सूचना पर स्थानीय सुरसंड थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों से घटना को लेकर पूछताछ कर रही है। साथ ही पुलिस की दूसरी टीम ने हॉस्पिटल में भी पहुंचकर जख्मी लड़की का बयान दर्ज किया। सूत्रों के अनुसार मुखिया और उक्त लड़की के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा है। हालांकि थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

तेजस्वी के धरना-प्रदर्शन पर कसा तंज

जाति विशेष पर असहयोग करने के बयान से जदयू ने किया किनारा

सहरसा (एजेंसियां)।

जदयू नेता सह मंत्री अशोक चौधरी के जाति विशेष पर असहयोग करने के बयान पर राजनीति शुरू हो गई है। इसे लेकर बिहार सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार ने सहरसा जिला अतिथि गृह में बात करते हुए कहा कि नीतीश कुमार ने सबके लिए काम किया है। साथ ही उन्होंने अशोक चौधरी के बयान को व्यक्तिगत बताया है। दरअसल, अशोक चौधरी ने कहा था कि भूमिहारों के गांव के विकास के लिए नीतीश कुमार ने ढेर सारे कार्य किए। लेकिन लोकसभा चुनाव में इस जाति के लोगों ने उन्हें दगा दिया।

मंत्री अशोक चौधरी के बयान को लेकर बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत बयान है।

उन्होंने कहा कि बीते 19 वर्षों के शासनकाल में नीतीश कुमार ने सभी धर्म, सभी जाति और सभी वर्गों के लिए काम किया है। सभी लोगों ने नीतीश कुमार को समर्थन दिया है।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की पार्टी हमेशा से समरस समाज बनाना चाहती है। उन्होंने राज्य के हर परिवार को साधन-सुविधाएं पहुंचाई हैं।

वहीं, आरक्षण के मुद्दे पर तेजस्वी यादव द्वारा किए जा रहे धरना प्रदर्शन पर मंत्री श्रवण कुमार ने तंज कसा।

उन्होंने कहा कि लोगों की समस्या को लेकर आवाज उठाने के लिए सबसे बड़ी पंचायत विधानसभा में पांच दिनों तक हाउस चला, लेकिन तेजस्वी एक दिन भी नहीं आए। एक भी सवाल नहीं उठाया। धरना प्रदर्शन, यात्रा या भ्रमण करने से समस्याओं का समाधान नहीं होता। जनता उन्हें नकार चुकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com